जबलपुर
रविवार, 23 नवंबर 2025
- अगहन मास कृष्ण पक्ष-03
- वर्ष : 20, अंक : 205
- पृष्ठ 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 27
न्यून. 14

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सबसे बड़ा योगदान कोयले का रहा

माल ढुलाई में रेलवे ने पार किया 1 बिलियन टन का आंकड़ा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मौजूदा वित्त वर्ष में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 19 नवंबर तक रेलवे की फ्रेट लोडिंग 1,020 मिलियन टन के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताते है कि देश में औद्योगिक गतिविधियां, उत्पादन और ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र को किया संबोधित

27,800 रोजगार होंगे सृजित
36,600 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए

सीएम ने कहा कि मप्र सरकार पलक-पांवड़े बिछाकर सभी निवेशकों का स्वागत कर रही है। हम हैदराबाद के निवेशकों के साथ एक नई डोर जोड़ने के लिए आए हैं।

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैठक में गिनाई मप्र में संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हैदराबाद में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व उद्योगपतियों साथ वन-टू-वन चर्चा के बाद कुल 36 हजार 600 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे लगभग 27 हजार 800 रोजगार सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की 18 नवीन निवेश नीतियां निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। जरूरी हुआ तो इन नीतियों की परिधि के बाहर जाकर भी उद्योगपतियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मप्र सरकार पलक-पांवड़े बिछाकर सभी निवेशकों का स्वागत कर रही है। हम हैदराबाद के निवेशकों के साथ एक नई डोर जोड़ने के लिए आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को हैदराबाद में आयोजित 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र में उद्योगपतियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में अनेक उद्योगपतियों ने मप्र में निवेश की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में उन्होंने बिना राजनैतिक एजेंडा के सिर्फ एक उद्देश्य, औद्योगिक निवेश को लेकर यात्राएं की हैं। ऐसे इंटरैक्टिव सेशन मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास बहुआयामी संभावनाओं को बताने और निवेश के लिए आमंत्रित करने का माध्यम बने हैं।

सीएम डॉ. यादव बोले- तेलंगाना और मप्र की जोड़ी है हीरा-मोती की तरह

मप्र की प्रोत्साहनकारी निवेश नीतियां निवेशकों को कर रही हैं आकर्षित

निवेशकों की सहूलियत के लिए बनाई 18 निवेश नीतियां

मप्र सरकार निवेशकों से किए हर संकल्प को पूरा कर रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अब रेल कोच भी निर्यात करने की स्थिति में है। मप्र में बीईएमएल को 18 हजार करोड़ लागत की रेल कोच निर्माण की यूनिट लगाने के लिए भूमि अलॉट की गई है। प्रदेश में डिफेंस टेक्नोलॉजी में बड़ा निवेश हो रहा है। राज्य में सभी क्षेत्रों के निवेशकों को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाईड्रा पावर पंप स्टोरेज का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट नीमच में चंबल नदी पर बनाया जा रहा है, जिसका निर्माण आगामी 2 वर्ष में पूर्ण हो जाएगा। यह एक बड़ा प्रकल्प है। मप्र सरकार निवेशकों से किए हर संकल्प को पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यों के बीच आपसी भावना विकसित हो रही है। मप्र सरकार ने राजस्थान के साथ चल रहे सालों पुराने जल विवाद को खत्म कर पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब देश बदल रहा है।

10 कंपनियों ने 36 हजार 600 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिए

10 कंपनियों में प्रमुख निवेश प्रस्ताव में एजीआई ग्रीनपैक कंपनी ने पैकेजिंग इंजीनियरिंग सेक्टर में 1500 करोड़ रुपए, एक्सिस एनर्जी वेंचर्स इंडिया कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर में 29 हजार 500 करोड़ रुपए, अनंत टेक्नालॉजीज कंपनी ने एयरो स्पेस सेक्टर में एक हजार करोड़, ऑटोमेटस्की सॉल्यूशंस कंपनी ने आईटी सेक्टर में एक हजार करोड़, कोलाबेरी इंक कंपनी ने फार्मा एण्ड ट्रेडिंग सेक्टर में एक हजार करोड़ रुपए निवेश प्रस्ताव दिया। इसी तरह डर्माक्योर फार्मास्युटिकल्स कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा एवं आईटी सेक्टर में 150 करोड़ रुपए, विंडपोनिक्स इण्डिया कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा एवं कृषि सेक्टर में 280 करोड़ रुपए, विंटेज कॉफी एण्ड बेवरेजेस लिमिटेड कंपनी ने फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 1100 करोड़ रुपए, विश्वनाथ प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कम्पनी ने अधोसंरचना सेक्टर में 350 करोड़ रुपए और वुमेनोवा एग्रो फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 720 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव दिया।

राउंड टेबल बैठक के साथ वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैदराबाद में फार्मा एवं बायोटेक सेक्टर की राउंडटेबल बैठक में फार्मा एवं बायोटेक जगत के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन में विकसित मेडिकल डिवाइस पार्क में विश्वस्तरीय अवसंरचना तैयार हो रही है और इसके द्वितीय चरण के लिए शीघ्र ही निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब बायोटेक क्षेत्र में नई दिशा तय कर रहा है। कृषि, औषधीय पौधों और वन-संपदा के विशाल आधार के साथ प्रदेश जैव-प्रौद्योगिकी आधारित कृषि एवं उत्पादन के लिए तैयार मंच है।

हेमंत खंडेलवाल की टीम में नई नियुक्तियां

टेलर शाजापुर के और परांजपे जबलपुर की रहने वालीं
श्याम टेलर युवा मोर्चा और अश्विनी परांजपे महिला मोर्चा अध्यक्ष बनीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम में नई नियुक्तियां की गई हैं। इस टीम में प्रदेश कार्यालय व्यवस्था प्रभारी, प्रदेश मोर्चा प्रभारी और प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी की नई जिम्मेदारी पार्टी नेताओं को सौंपी गई है। शनिवार शाम को युवा मोर्चा और महिला मोर्चा अध्यक्षों की नियुक्ति की सूची भी जारी कर दी गई। इसमें युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर और प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष की जिम्मेदारी अश्विनी परांजपे को सौंपी है।

श्याम टेलर

अश्विनी परांजपे

मनोरंजन मिश्रा

आशुतोष तिवारी

जितेंद्र लिटोरिया

जितेंद्र लिटोरिया प्रदेश कार्यालय प्रभारी

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार प्रदेश मोर्चा प्रभारी की जिम्मेदारी मनोरंजन मिश्रा को सौंपी गई है। प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी का जिम्मा आशुतोष तिवारी को सौंपा गया है। संगठन में जितेंद्र लिटोरिया को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें कार्यालय व्यवस्था प्रभारी गया है।

बिल्कुल अलग होगा अगले सीजेआई का शपथग्रहण

कल भारत के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत, 6 देशों के चीफ जस्टिस, जज आएंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत भारत के नए और 53वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। रविवार को मौजूदा सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल खत्म होने वाला है। लेकिन, पहली बार ऐसा हो रहा कि राष्ट्रपति भवन में नए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के शपथग्रहण के दौरान 6 देशों के चीफ जस्टिस, जज और उनके परिजन उपस्थित रहेंगे।

जस्टिस सूर्यकांत को 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था

फाइल फोटो

जस्टिस सूर्यकांत को जानें

10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार जिले में एक मध्यवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत को 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था। इससे पहले वे हिमाचल हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे। जस्टिस सूर्यकांत 1981 में हिसार के गवर्नमेंट पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से ग्रेजुएट हुए।

ये जज व परिजन आएंगे

6 देशों के जजों, चीफ जस्टिस और उनके परिजनों की लिस्ट में नेपाल से जस्टिस प्रकाश मान सिंह राउत, चीफ जस्टिस, नेपाल, जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, जज, नेपाल सुप्रीम कोर्ट, अशोक बहादुर मल्ला, जस्टिस सपना के पति, जस्टिस अनिल कुमार सिन्हा, नेपाल सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज और मौजूदा मंत्री, उर्सिला सिन्हा, अनिल कुमार सिन्हा की पत्नी।

जबलपुर
रविवार, 23 नवंबर 2025

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

121 खाली पदों पर एक भी एसटी कैंडिडेट का चयन नहीं, कोर्ट बोला ये गंभीर मामला

हाईकोर्ट का बड़ा आदेश...सिविल जज का नतीजा 'दोबारा' जारी करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष शुक्रवार को सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 की नियुक्तियों में हुई अनियमितताओं, शत-प्रतिशत आरक्षण लागू करने सहित अनारक्षित वर्ग में योग्यता के आधार पर आरक्षित वर्ग के अभ्यार्थियों को शामिल नहीं किए जाने को चुनौती संबंधी याचिका पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने पूर्व में पारित उस अंतरिम आदेश को यथावत रखा, जिसके अंतर्गत सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 की नियुक्तियां विचाराधीन याचिका

परीक्षा प्रभाग न्यूनतम अर्हता अंक में शिथिलता कर नई सूची बनाए

फाइल फोटो

के अंतिम निर्णय के अधीन कर दी गई थीं। साथ ही नया निर्देश दिया कि सिविल जज भर्ती परीक्षा के एससी एसटी अथ्यर्थियों पर पुनर्विचार करें। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि परीक्षा प्रभाग न्यूनतम अहर्ता अंक में शिथिलता कर नई सूची बनाए। चूंकि एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थी अधिक संख्या में सफल नहीं हो रहे हैं, ऐसे में , निःशुल्क कोचिंग की भी व्यवस्था की जाए।वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व पुष्पेंद्र कुमार शाह के अनुसार याचिकाकर्ता एडवोकेट यूनियन फार डेमोक्रेसी एंड सोशल जस्टिस नामक संस्था की तरफ से दायर जनहित याचिका में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा सिविल जज की भर्ती परीक्षा 2022 मे भर्ती नियम 1994 में किए गए संशोधन को चुनौती दी गई है।

अदालत की खबरें

जजों के साथ हो रही घटनाओं से हाईकोर्ट नाराज

जब जजों को ही सुरक्षा मांगनी पड़ रही है तो आम नागरिकों की स्थिति क्या होगी ?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

प्रदेश में जजों पर हो रहे हमलों और अपराधों पर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि जब जजों को ही सुरक्षा मांगनी पड़ रही है, तो आम नागरिकों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने सरकार से इन घटनाओं पर जवाब मांगा है। हालिया मामलों को

जजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी

फाइल फोटो

देखते हुए कोर्ट ने सुझाव दिए और अगली सुनवाई की तारीख 4 दिसंबर रखी है। बता दें मंदसौर में 23 जुलाई 2016 को एक जज पर हमला हुआ था, जिस पर तत्कालीन एक्टिंग चीफ जस्टिस राजेंद्र मेनन ने स्वतः संज्ञान लेकर जनहित याचिका दर्ज की थी। इसके बाद बालाघाट के जज पर हमला, और भोपाल गैस प्राधिकरण के पीठासीन अधिकारी पर एसिड अटैक जैसी घटनाएं सामने आईं। जजों पर हो रहे ये लगातार हमले न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। प्रदेश की निचली अदालतों में पदस्थ जजों पर हो रही घटनाओं पर चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि जजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टोयोटा ने 11.5 हजार अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाई

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की

11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी है, तो उसकी जांच करना और बदलना है।

जल्द ही यूरोप में भी चलेगा भारत का यूपीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल ने यूरोपीय सेंट्रल बैंक के साथ मिलकर यूपीआई को यूरोप के इंस्टैंट पेमेंट

सिस्टम टिप्स से जोड़ने की पहल की है। इससे भारतीय पर्यटक फ्रांस, जर्मनी, इटली जैसे देशों में यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। यह सुविधा 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है और इससे उद्यमियों को लाभ होगा।

आत्महत्या मामले में भाजपा नेता निष्कासित

देवास। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रोहिणी कलम आत्महत्या मामले में आरोपी बनाए गए भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री प्रीतम सिंह सोलंकी

को भारतीय जनता पार्टी ने निष्कासित कर दिया है। सोलंकी जुजुत्सु संघ के उपाध्यक्ष भी हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष रायसेन सेंधव ने इस संबंध में एक पत्र जारी किया। जिसमें संलिप्तता का जिक्र है। प्रकरण की गंभीरता और पार्टी की संगठनात्मक मर्यादा, आचरण संहिता तथा नैतिक दायित्वों के विपरीत आचरण को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।

पीएम मोदी ने समावेशी विकास पर दिया जोर

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने रखे 4 अहम प्रस्ताव, दुनिया का ध्यान खींचा

ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ को तोड़ने व उसका मुकाबला करने संयुक्त अभियान 'छेड़ा' जाए

पीएम ने बेहद प्रभावशाली संबोधन दिया। 'सॉलिडैरिटी, इक्वालिटी, सस्टेनेबिलिटी' थीम के तहत पीएम मोदी ने भारत की दृष्टि 'वसुधैव कुटुंबकम' को वैश्विक मंच पर रखा, जो 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' के रूप में जाना जाता है। उनका भाषण समावेशी विकास, जलवायु न्याय और ग्लोबल साउथ की आवाज पर केंद्रित रहा, जिसकी व्यापक सराहना हुई

गुटेरस और स्टार्मर के साथ पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ जोहान्सबर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग शुक्रवार को पहुंचे थे, जहां पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप पर यह आयोजन हो रहा है। शनिवार को उन्होंने समावेशी विकास, जलवायु लचीलापन, एआई, सतत विकास और वैश्विक शासन सुधार पर भारत का नजरिया पेश किया।

यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास की दिशा बदलने वाले 4 बड़े प्रस्ताव रखे। पीएम मोदी ने कहा कि कई दशकों से जी-20 दुनिया की अर्थव्यवस्था को आकार देता रहा है, लेकिन वर्तमान विकास मॉडल ने बड़े समुदायों को संसाधनों से वंचित किया है।

▶▶ अब समय है विकास के नए मानक तय करने का, पुराने विकास मॉडल ने संसाधन छीने
▶▶ एआई को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा ताकि यह असमानता न बढ़ाए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए (मध्य में)

▶▶ सम्मेलन 23 नवंबर तक चलेगा, जहां डिक्लेरेशन पर अंतिम मुहर लगेगी

▶▶ अमेरिकी बहिष्कार के बावजूद मोदी की उपस्थिति ने ग्लोबल साउथ को मजबूती दी

भारत के सभ्यता के मूल्य आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं

इनक्लूसिव और सस्टेनेबल ग्रोथ पर पहले सेशन में उन्होंने कहा कि इन पहलों से हर तरफ से ग्रोथ हासिल करने में मदद मिलेगी, और कहा कि भारत के सभ्यता के मूल्य आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपॉजिटरी पारंपरिक ज्ञान को डॉक्यूमेंट करेगी जो सस्टेनेबल लिविंग के समय के साथ आजमाए गए मॉडल को दिखाती है और यह पक्का करेगी कि इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। इस मामले में भारत का इतिहास बहुत अच्छा रहा है। इससे हमें अपनी मिली-जुली समझ को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी ताकि अच्छी हेल्थ और वेलबीइंग हो सके।

ग्लोबल साउथ को जलवायु न्याय मिलना चाहिए

पीएम मोदी ने संबोधन की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के ऐतिहासिक महत्व से की। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि यह भूमि जहां गांधी जी ने अहिंसा और समानता का संदेश दिया, आज वैश्विक एकजुटता का प्रतीक बनी है। जी-20 का अफ्रीका में होना ग्लोबल साउथ के लिए ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलाने का श्रेय दिया और कहा-यह फैसला विकासशील देशों की साझा विरासत को मजबूत करता है।

जी-20 में कौन-कौन से देश शामिल हैं?

अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, तुर्किये, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका देश शामिल हैं। इसके अलावा दो क्षेत्रीय संगठन भी इस समूह में शामिल हैं - यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ।

प्रस्ताव ये भी

1. ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपोजिटरी
2. जी- 20-अफ्रीका कौशल गुणक
3. ग्लोबल हेल्थकेयर रिस्पॉन्स टीम

ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपोजिटरी

प्रधानमंत्री ने ऐसी ज्ञान-परंपराओं की बात उठाई जो सदियों से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृति-संतुलन, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता को बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि भारत के भारतीय ज्ञान प्रणालियां मॉडल के आधार पर एक वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार बननी चाहिए, ताकि टिकाऊ जीवन के इन अनुभवों को संरक्षित कर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके।

अफ्रीका स्किल्स मल्टीप्लायर इनिशिएटिव

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अफ्रीका का विकास पूरी दुनिया के हित में है। इसी सोच के साथ उन्होंने जी- 20 अफ्रीका कौशल गुणक का ऐलान किया। यह पहल ट्रेन-द-ट्रेनर्स मॉडल पर आधारित होगी, जिसे सभी जी-20 देश मिलकर फंड और सपोर्ट करेंगे। लक्ष्य है अगले 10 साल में एक मिलियन प्रमाणित ट्रेनर तैयार करना, जो फिर लाखों युवाओं को कौशल दे सकेंगे।

ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर पहल

प्रधानमंत्री ने ड्रग-टेरर नेटवर्क पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि फेंटानाइल जैसे सिंथेटिक ड्रग पूरी दुनिया में स्वास्थ्य, समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा बन चुके हैं। इसलिए जी-20 को एक संयुक्त अभियान-ड्रग-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर पहल शुरू करनी चाहिए।

आरोपी की तलाश में कई टीमें

6 वर्षीय बच्ची से दरिंदगी की घटना पर उबाल, हाईवे जाम

औबेदुल्लागंज। गौहरगंज क्षेत्र में 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की घटना ने पूरे इलाके को

आरोपी सलमान

- 10 हजार का इनाम घोषित

झकझोर दिया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची शुक्रवार शाम घर के बाहर खेल रही थी तभी 23 साल का आरोपी सलमान पिता शहाबुद्दीन ने बच्ची को अकेला देख उसे चॉकलेट दिलाने का कहकर अपने साथ दूर जंगल में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। बच्ची जंगल में गंभीर हालत में रोती हुई मिली, जिसके बाद उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने पर बच्ची को भोपाल रेफर किया गया, लेकिन परिजनों के अनुसार अस्पताल में देर रात एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें उसे निजी वाहन से ले जाना पड़ा।

घर के पीछे पालतू मुर्गियों का झुंड मिला

'बर्ड फ्लू' के दुर्लभ स्ट्रेन से अमेरिका में पहली मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में 'बर्ड फ्लू' से पहली बार एक व्यक्ति की दुर्लभ प्रकार के

- इस स्ट्रेन से संक्रमित होने वाला पहला इंसान

स्ट्रेन से मौत होने की आशंका ने खलबली मचा दी है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मच गया है और लोगों में दहशत फैलनी शुरू हो गई है। हालांकि अमेरिका राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि इससे लोगों को अधिक खतरा नहीं है। जिस व्यक्ति की मौत हुई है, वह बर्ड फ्लू से ही संक्रमित था और उसका इलाज चल रहा था। ऐसे में बर्ड फ्लू को ही इसकी मौत का प्राथमिक कारण होने की आशंका है। हालांकि अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने इसे बर्ड फ्लू से होने वाली मौत डिक्लेयर नहीं किया है।

हिंदू संगठन ने थाने का घेराव किया

जय श्री राम नारा बोला तो संचालक ने कर दी पिटाई

जबलपुर। पाटन में स्थित मिस्पा मिशन स्कूल में जय श्रीराम करने पर स्कूल संचालक पर छात्र को

- स्कूल प्राचार्य का कहना- जबरन तूल दिया गया

पीटने का आरोप लगा है। शनिवार को हुए इस घटनाक्रम के बाद बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग पाटन थाने पहुंचे और स्कूल संचालक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। रोज की तरह छात्र प्रबल सिंह स्कूल गया था, इसी दौरान उसने बाहर खड़े गार्ड से जय श्री राम कहा और स्कूल के अंदर आकर संचालक राजेश खंडारे से गुड मॉर्निंग। आरोप है कि इतना सुनते ही स्कूल संचालक ने छात्र के कान पकड़कर पिटाई कर दी। इस पूरे मामले की जानकारी बजरंग दल के कार्यकर्ता को लगी तो उन्होंने पाटन थाने का घेराव कर दिया।

मप्र-महाराष्ट्र पुलिस की दबिश, निर्माण सामग्री और अधबने कट्टे-पिस्टल मिले

हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़,10 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सेंधवा के वरला थाना क्षेत्र के उमर्टी गांव में शनिवार सुबह पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली बड़ी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त टीम ने सुबह 4 बजे दबिश देकर की।

अभियान में दोनों राज्यों के 250 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुणे पुलिस, मध्य प्रदेश एटीएस, बड़वानी, खरगोन और खंडवा पुलिस की टीमें कार्रवाई में मौजूद थीं। पुलिस को मौके से हथियार निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री, मशीनें, औजार और उपकरण बरामद हुए।

▶▶ अभियान में दोनों राज्यों के 250 से अधिक पुलिसकर्मी सहित पुणे पुलिस, मध्य प्रदेश एटीएस, बड़वानी, खरगोन और खंडवा पुलिस की टीमें कार्रवाई में शामिल

हथियारों का जखीरा

ये गिरफ्तार

इसमें तीन आरोपी वरला पुलिस ने, 7 आरोपी महाराष्ट्र की पुलिस ने गिरफ्तार किए हैं। इसमें वरला पुलिस की कार्रवाई में सतवंत सिंह, अवतार सिंह, नूरबिन सिंह सभी निवासी उमर्टी हैं। वहीं, महाराष्ट्र पुलिस ने राजपालसिंह,नानक, गुरुचरण सिंह, बच्चन सिंह, जशवीर सिंग, प्रवीण टकराना, आलोक सिंह सभी निवासी उमर्टी थाना को गिरफ्तार किया है।

- *एसडीओपी अजय वाघमारे* ने बताया कि महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने हाल ही में कुछ आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ पकड़ा था।

पुलिस की 11 टीमें व 200 पुलिसवालों की टीम ने किया खुलासा

पुलिस कांस्टेबल समेत तीन गिरफ्तार

बेंगलुरू में फिल्मी स्टाइल में हुई 7 करोड़ रु. की लूट

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

बेंगलुरू पुलिस ने शहर में हाल ही में हुई सात करोड़ रुपए की लूट का खुलासा कर दिया है और एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए सात करोड़ में से करीब पांच करोड़ रुपए भी बरामद कर लिए हैं। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट में शामिल अन्य संदिग्धों की तलाश में जुटी है। पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि लूट की इस घटना की जांच में 200 पुलिसकर्मी जुटे हैं। बीते बुधवार को दोपहर साढ़े 12 बजे सीएमएस इंफो सिस्टम्स की कैश वैन एचडीएफसी बैंक (जेपी नगर) से तीन कैश बॉक्स लेकर 22 किमी दूर एचबीआर लेआउट जा रही थी।

- लूटे गए 7 करोड़ में से 5.76 करोड़ बरामद

पुलिस ने पत्रकारों को दिखाए जब्त किए गए नोटों के बंडल

पहाड़ी क्षेत्रों में अब पचमढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा, यहां न्यूनतम पारा 6.2 डिग्री दर्ज

नवंबर के अंतिम सप्ताह में बादलों के साथ कुछ स्थानों पर बौछारों की उम्मीद, ग्वालियर, नर्मदापुरम, खजुराहो, रीवा, सतना सहित कई जिलों में घना कोहरा छाया

अब दिन में हवाएं बदल रही हैं... इससे नमी बढ़ रही रात के तापमान में बढ़त, पर भोपाल में ठंडक बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अब रात के तापमान में बढ़त हो रही है। लेकिन, पहाड़ी क्षेत्रों में ठंडक बढ़ रही है। भोपाल में अभी शाम होते ही ठंडी हवाओं के असर से सर्दी बरकरार है। शनिवार को पूर्वी मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में रात का पारा सामान्य से अधिक पहुंच गया है। यहां औसत रात का पारा 12 डिग्री रहा है। हवा में लगातार नमी बढने से कुछ जिलों में सुबह घना कोहरा रहा।

बड़ी झील का दृश्य। शाम 4 : 50 बजे

दो दिन में 20 फीसदी तक बढ़ी नमी

शुक्रवार और शनिवार को अधिकांश जिलों की हवा में नमी तेजी से बढ़ी। विशेषकर पूर्वी मप्र में 20 फीसदी तक इजाफा हो गया है। भोपाल में सुबह 8:30 बजे 88 और शाम 5:30 बजे 53 प्रतिशत तक नमी है। यह अगले तीन से चार दिन में और बढ़ेगी। इसके अलावा दतिया, ग्वालियर, खरगोन, रायसेन, शिवपुरी के साथ ही पूर्वी मप्र में सभी जिलों में अब शाम को 60 फीसदी से अधिक नमी है।

पहाड़ी इलाकों में ऐसे बढ़ी सर्दी

शनिवार को छह जिलों में रात का पारा 9 डिग्री से कम रहा। खजुराहो में कोल्ड वेव रही, जबकि भोपाल में तेज सर्दी रही। पहाड़ी क्षेत्रों में अब पचमढ़ी प्रदेश में सबसे ठंडा जिला रहा। यहां न्यूनतम पारा 6.2 डिग्री दर्ज हुआ। राजगढ़ 8.2, मंदसौर और शाजापुर 8.3, खरगौन 8.6 और नौगांव में रात का पारा 8.8 डिग्री रहा है। इससे इन जिलों में तेज सर्दी का असर जारी है।

दिल्ली ब्लास्ट में जांच एजेंसियों को मिले चौंकाने वाले सबूत

5 लाख में खरीदी एके-47, डीप फ्रीजर में रखे विस्फोटक

गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में 10 नवंबर को हुए आत्मघाती कार ब्लास्ट की जांच में खुफिया एजेंसियों को कई चौंकाने वाले सबूत मिले हैं। गिरफ्तार आरोपी डॉ. मुजम्मिल ने फरीदाबाद से पकड़े जाने से पहले 2,500 किलो से अधिक अमोनियम नाइट्रेट जुटाया था और इसके साथ ही पांच लाख से ज्यादा में एके-47 राइफल खरीदी थी। यह हथियार बाद में आरोपी डॉ. अदील के लॉकर से बरामद किया गया। यह हथियार खरीद इस मॉड्यूल की तैयारी और फंडिंग के स्तर को दिखाती है। प्रत्येक आरोपी का अलग-अलग हैंडलर से संपर्क था। दो खास हैंडलर, मंसूर और हाशिम के नाम सामने आए हैं, जो एक सीनियर हैंडलर के अंडर काम कर रहे थे।

डॉ. मुजम्मिल

ऑनलाइन सीख रहा था बम बनाना

खुफिया अधिकारियों ने बताया कि डॉ. उमर बम बनाने के वीडियो, मैनुअल और ओपन-सोर्स कंटेंट ऑनलाइन देख रहा था। उसने बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन नूंह समेत कई जगहों से खरीदे, जबकि इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स के भागीरथ पैलेस और फरीदाबाद के एनआईटी मार्केट से जुटाए। उमर ने विस्फोटक मिश्रण को स्टोर और प्रोसेस करने के लिए एक डीप फ्रीजर खरीदा था।

डॉ. उमर

पाक हैंडलर कर रहे थे कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश

जम्मू के मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर डॉक्टर बने कश्मीरी युवाओं का ब्रेनवॉश कर सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल खड़ा किया गया। इसकी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने शुरुआत करवाई। फिलहाल ये सभी देश के अलग-अलग शहरों में नौकरी करने लगे और यहां भी लोगों को इस मॉड्यूल से जोड़ने लगे। प्रत्येक एक-दो डॉक्टर पर एक पाकिस्तानी हैंडलर नियुक्त किया गया था। वो लगभग हर दिन अपने संपर्क वाले दोनों डॉक्टरों से वॉयस कॉल व वीडियो कॉल पर बात करता।

पाकिस्तान को जाने वाले फोन कॉल घटे

यूपी के कानपुर में दिल्ली विस्फोट के बाद पाकिस्तान को जाने वाली मोबाइल फोन कॉल घटकर एक चौथाई रह गई है। इस कमी पर जांच एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस, एलआईयू, एनआईए, एटीएस, आइबी समेत अन्य जांच एजेंसियों ने संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू कर दी। जांच एजेंसियां देर रात या एक दम तड़के की गईं फोन कॉल पर नजर रखे हुए है। यह कॉल पाकिस्तान के किस हिस्से में की गई हैं इसका डेटा भी तैयार किया जा रहा है।

पाक से भेजे गए हथियारों का जखीरा पकड़ा

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अजय, मंदीप, दलविंदर और रोहन के रूप में हुई है। यह गिरोह पाकिस्तान के रास्ते भारत में तुर्की और चीन निर्मित अत्याधुनिक पिस्तौलें सप्लाई करने का रैकेट चला रहा था। हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से पंजाब में गिराए जाते थे, जिसके बाद उन्हें अलग-अलग जगहों पर पहुंचाया जाता था और फिर दिल्ली व आसपास के राज्यों में सक्रिय अपराधियों और गैंगस्टरों को बेचा जाता था।

बटमालू से एक गिरफ्तार

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े एक संदिग्ध को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने श्रीनगर के बटमालू इलाके से गिरफ्तार किया है। बकुछ दिनों से मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

खबर संक्षेप

बायजू रवींद्रन को एक अरब डॉलर चुकाने होंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने बायजू अल्फा और अमेरिका स्थित ऋणदाता

जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की याचिका के आधार पर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट निर्णय सुनाया है। इस आदेश के तहत रवींद्रन को व्यक्तिगत रूप से एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि चुकानी होगी। इसमें 533,000,000 अमेरिकी डॉलर की राशि उनके व्यक्तिगत भुगतान के लिए निर्धारित की गई है, यह फैसला 20 नवंबर को आया। रवींद्रन ने उसके दस्तावेजी जानकारी आदेश का पालन नहीं किया।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार

ब्राजिलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो (70) को शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर

लिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब तख्तापलट की कोशिश के लिए उनकी सजा अगले सप्ताह शुरू होने वाली थी। तख्तापलट की कोशिश के आरोप में इस साल सितंबर में बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उन्हें पुलिस फोर्स मुख्यालय ले जाया गया। ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। बोल्सोनारो 2019 से 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे थे।

जोहान्सबर्ग में पीएम मोदी ने की भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात

फिनटेक, एग्रीकल्चर, एजुकेशन सहित कई क्षेत्रों में नवाचार और साझेदारी पर दिया जोर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी जी-20 लीडर्स समिट में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात की। इस मुलाकात में नई तकनीक, उभरते क्षेत्रों में सहयोग और भारत व प्रवासी भारतीयों के बीच संबंध मजबूत करने जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। पीएम ने 'एक्स' पर लिखा कि जोहान्सबर्ग में भारतीय मूल के तकनीकी उद्यमियों के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने फिनटेक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा उपकरण आदि जैसे क्षेत्रों में अपने द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की। उनसे भारत के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने और हमारे लोगों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया। मुलाकात में एक उद्यमी ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हमारा हेल्थकेयर-फोकस्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को स्वास्थ्य विशेषज्ञों से जोड़ता है। यह ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, टेली हेल्थ और दवा पहुंचाने की सुविधा देता है। हम साउथ अफ्रीका और पड़ोसी देशों में ज्यादातर प्राइवेट सेक्टर को सपोर्ट करते हैं। जोहान्सबर्ग पहुंचने पर पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय द्वारा दिए गए शानदार स्वागत की भी सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रिदम्स ऑफ ए यूनाइटेड इंडिया' में भारत के 11 राज्यों के लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसने दक्षिण अफ्रीका में बसे भारतीय समुदाय

> पीएम ने फिनटेक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा उपकरण आदि जैसे क्षेत्रों में अपने द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की। उनसे भारत के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने और हमारे लोगों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया

खास बातें

- पीएम का भारतीय समुदाय ने किया शानदार स्वागत
- पीएम ने भारत के साथ काम करने का आह्वान किया

पीएम मोदी की भारतीय मूल के टेक उद्यमियों से मुलाकात

योग और आयुर्वेद को दें बढ़ावा

पीएम मोदी ने प्रवासी भारतीयों से साउथ अफ्रीका के लोगों के बीच इंडियन कल्चर की पॉपुलैरिटी बढ़ाने के लिए कहा, जिसमें योग, आयुर्वेद जैसी प्रैक्टिस शामिल हैं और साउथ अफ्रीका से ज्यादा लोगों से भारत को जानो क्विज में हिस्सा लेने के लिए कहा। यह क्विज प्रवासी भारतीयों को भारत के इतिहास, संस्कृति और विरासत से और गहराई से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

सांस्कृतिक विरासत के प्रसार पर जोर

पीएम मोदी ने प्रमुख भारतीय कम्युनिटी ऑर्गनाइजेशन के प्रमुखों के साथ बातचीत की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि साउथ अफ्रीका में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत की, जो अलग-अलग ऑर्गनाइजेशन के साथ एक्टिव रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने अलग-अलग मुद्दों पर अपने अनुभव शेयर किए और अलग-अलग क्षेत्र में देश की तरक्की की बहुत तारीफ की। उनसे कहा कि वे लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ाने की रफ्तार बनाए रखें। पीएम ने दोनों देशों के बीच एक 'जीवंत सेतु' के रूप में उनकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैत्री के ऐतिहासिक बंधनों को पोषित करने में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना की। उन्होंने युवाओं को महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की विरासत से जोड़ने में उनके प्रयासों की भी सराहना की।

ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत के बीच साझेदारी

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने कई वैश्विक नेताओं के साथ मुलाकात की। पीएम मोदी ने ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर, रिपब्लिक ऑफ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग और यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के साथ एक शानदार बैठक हुई।

तेजस की दुर्घटना का मामला

सरकार ने तेल रिसाव के दावे को बताया भ्रामक, वीडियो में पानी है

एजेंसी ⏭ दिल्ली

दुबई के अल-मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हवाई करतब दिखाने के दौरान तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसे उड़ा रहे विंग कमांडर नमन स्याल बलिदान हो गए। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश जारी हो चुके हैं। हादसे से पहले सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में तेजस में तेल रिसाव की बात कही गई थी। सरकार ने इन दावों को झूठा और भ्रामक बताया। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)

दुर्घटनाग्रस्त तेजस विमान

की तथ्य जांच इकाई ने बताया कि वीडियो में विमान से निकलता पदार्थ तेल नहीं सामान्य पानी है। यह पानी विमान के पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली और ऑनबोर्ड ऑक्सीजन जनरेटिंग सिस्टम से निकलता है। दुबई जैसे नम हालात में संचालित विमानों के लिए यह मानक प्रक्रिया है। पीआईबी ने कहा कि यह आधारहीन प्रचार है।

रूस नए यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर विस्तृत बातचीत के लिए है तैयार

एजेंसी ⏭ मॉस्को

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पर पूर्ण विराम लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने 28 सूत्रीय शांति योजना पेश किया। इसे लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन पर अमेरिका के प्रस्तावित 28 सूत्रीय शांति योजना के विस्तार पर ठोस चर्चा के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि अमेरिका से मिला नया शांति प्रस्ताव अंतिम समझौते का आधार बन सकता है। मॉस्को शांति वार्ता और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के साथ-साथ प्रस्तावित प्लान के सभी डिटेल्स पर एक ठोस चर्चा के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस को अमेरिकी सरकार के साथ कम्युनिकेशन के मौजूदा चैनलों के जरिए यह प्लान मिला है।

ईयू के समक्ष गिड़गिड़ाए पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार, बोले

पानी सहयोग का माध्यम बने न कि राजनीति का, सिंधु जल संधि का स्थगित होना बड़ा खतरा

एजेंसी ⏭ ब्रसेल्स

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने ईयू इंडो-पैसिफिक मिनिस्टीरियल फोरम राउंडटेबल में भारत सिंधु जल संधि का मुद्दा उठाया है। उन्होंने ईयू मंच पर जोर देकर कहा कि भारत सिंधु जल संधि स्थगित करना इलाके की स्थिरता के लिए असली खतरा है। उन्होंने कहा कि पानी को सहयोग का स्त्रोत बना रहना चाहिए, न कि राजनीति के लिए हथियार बनाया जाना चाहिए।

इशाक डार

कृषि क्षेत्र संकट में, 30 दिनों का ही पानी बचा

सिडनी के नॉन-प्रॉफिट इंस्टिट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की 2025 इकोलॉजिकल थ्रेट रिपोर्ट में पिछले महीने बताया गया है कि पाकिस्तान, जिसकी 80 प्रतिशत खेती सिंधु बेसिन के पानी पर निर्भर है, वो पानी की कमी के गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, क्योंकि भारत के पास सिंधु नदी का बहाव बदलने की क्षमता है। इस रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पाकिस्तान की स्टोरेज कैपेसिटी नदी के बहाव के हिसाब से सिर्फ करीब 30 दिनों तक ही सीमित है।

1960 में हुई थी संधि

1960 के एग्रीमेंट के तहत, भारत ने पश्चिमी नदियों, सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान के साथ शेयर करने की सहमति दी थी, जबकि ब्यास, रावी और सतलुज समेत पूर्वी नदियों पर उसका कंट्रोल बना रहा। इस संधि के तहत, पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक या मोड़ नहीं सकता, डैम के ऑपरेशन में बदलाव भी पाकिस्तानी किसानों पर गंभीर असर डाल सकते हैं।

यासीन मलिक ने ही ली 4 वायुसेना कर्मियों की जान

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

श्रीनगर में 1990 में भारतीय वायुसेना के कर्मियों पर जानलेवा हमले के मामले में अलगाववादी नेता यासीन मलिक को करारा झटका लगा है। जम्मू की टाडा कोर्ट में दो प्रमुख चश्मदीद गवाहों ने यासीन मलिक और उसके तीन कथित सहयोगियों की मुख्य आरोपी के रूप में स्पष्ट पहचान की है। टाडा कोर्ट में शनिवार को यासीन मलिक, जावेद मीर, नाना जी और शौकत बख्शी की पेशी हुई।

यासीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुआ। इस दौरान जिरह के लिए बुलाए गए दोनों प्रमुख गवाहों ने यासीन मलिक समेत चारों की पहचान मुख्य आरोपी के तौर पर की। गवाहों में भारतीय वायुसेना के एक स्टाफर एक अन्य चश्मदीद शामिल थे। उन्होंने कोर्ट में गवाही देते हुए यासीन मलिक को उस हत्याकांड का मुख्य शूटर बताया। चश्मदीदों ने दावा किया कि यासीन मलिक ही वह व्यक्ति था जिसने गोली चलाई थी। इस हत्याकांड में वायुसेना के 4 जवानों की मौत हो गई थी और 22 अन्य घायल हो गए थे। मृतकों में वायुसेना के अधिकारी रवि खन्ना भी शामिल थे। जिरह के दौरान चश्मदीद अपने बयान पर मजबूती से कायम रहे। यह केस 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपुरा में हुई भीषण गोलीबारी से जुड़ा है। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस हमले को यासीन मलिक ने अपने गैंग के साथ मिलकर अंजाम दिया था। इसका मकसद उस वक्त घाटी में आतंक फैलाना था।

एसबीआई की ताजा रिसर्च रिपोर्ट इकोरैप में खुलासा

ट्रंप टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात 2.9% बढ़कर 220 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एसबीआइ की ताजा रिसर्च रिपोर्ट इकोरैप में इस बात का दिलचस्प खुलासा हुआ है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने (अप्रैल-सितंबर 2025) में भारत का कुल माल निर्यात 2.9 फीसद बढ़कर 220 अरब डॉलर हो गया। इसका बड़ा कारण यह है कि भारत अब सीधे अमेरिका की बजाए तीसरे देशों, जैसे यूएई, चीन, वियतनाम, जापान, हांगकांग, बांग्लादेश, श्रीलंका और नाइजीरिया को ज्यादा निर्यात कर रहा है और संकेत है कि ये देश भारत से माल लेकर उसे अमेरिका को री-एक्सपोर्ट कर रहे हैं। इसे 'ट्राएंगुलर ट्रेड' या अप्रत्यक्ष निर्यात रणनीति कहा जाता है।

श्रीलंका में बढ़ा कपड़ा निर्यात

दूसरी तरफ भारत से इन देशों को उक्त उत्पादों में निर्यात लगातार बढ़ रहा है। इस तरह से भारत से तैयार कपड़े का निर्यात श्रीलंका (6.1 फीसद की वृद्धि), नाइजीरिया (4.2 फीसद) और बांग्लादेश (8.2 फीसद) को बढ़ा है।

चीन को अधिक समुद्री उत्पादों का निर्यात

चीन को समुद्री उत्पादों (झींगा आदि) का निर्यात अगस्त, 2025 के मुकाबले सितंबर, 2025 में 16.3 फीसद से बढ़ कर 20.4 फीसद हो गया है जबकि इस अवधि में अमेरिका को होने वाले निर्यात की रफ्तार 27.4 फीसद वृद्धि से घट कर 21.1 फीसद रह गई है।

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरा एनसीआर एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में है। सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक-दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। हम ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे। चीन ने इसे राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई। हम ऐसा करने में कहां कमजोर पड़ रहे हैं, इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

प्रदूषण पर लगाम की कारगर नीति बने

पर्यावरण

रविशंकर

स्वतंत्र पत्रकार

उत्तर भारत एक बार फिर जहरीली हवा की गिरफ्त में हैं। लोगों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। आसमान में मौजूद धुंआ जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। लोग गैस चैंबर में रहने को मजबूर हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक कई इलाकों में 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्था ग्रीनपीस की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत की राजधानी दिल्ली दुनियाभर में सभी देशों की राजधानी में सबसे ज़्यादा प्रदूषित शहर है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है,जो गंभीर श्रेणी में आता है। यानी सांस लेना भी खतरे से खाली नहीं। भले इस गंभीर होती समस्या से पार पाने के लिए दिल्ली सरकार ने कई उपाय आजमाए, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्देश जारी किए गए, मगर वे कारगर साबित नहीं हो पा रहे। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं।

स्थायी समाधान क्यों नहीं

सवाल है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रही दिल्ली-एनसीआर को कोई स्थायी समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें और राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिए तत्पर क्यों नहीं होते? कागज पर भले सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे पता चलता है कि हमारे यहां व्यवस्था प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए कितनी कारगर है। इसी बीच, ध्यान देने वाली बात यह है कि चीन जो कभी खतरनाक प्रदूषण से जूझ रहा था, एक दशक के अंदर अपनी वायु गुणवत्ता में सुधार लाने में कामयाब रहा। सवाल अहम यह है कि भारत दुनिया के दूसरे देशों से सबक क्यों नहीं ले रहा है। यह ठीक है कि भारत ने प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं लेकिन धीमी गति और जमीनी स्तर पर कमजोर प्रवर्तन की वजह से उनका प्रभाव सीमित ही रहा। वहीं चीन ने प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल मानकर तेज गति से काम किया है। चीन की इस सफलता में निगरानी ने एक बड़ी भूमिका निभाई। देश ने एक व्यापक रियल टाइम वायु निगरानी नेटवर्क बनाया, जो शहर दर शहर और यहां तक कि फैक्ट्री दर फैक्ट्री प्रदूषकों पर नजर रखता था। इससे उन्हें उत्सर्जन कहां से आया, इसका एक सटीक डेटा मिला और उसी के मुताबिक कार्रवाई संभव हुई।

चीन ने किया नीति में बदलाव

इसी के साथ चीन ने अपनी परिवहन प्रणाली में भी बदलाव किया। बीजिंग जैसे शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया, चौड़े पैदल यात्री क्षेत्र बनाएं,निजी वाहन पर निर्भरता कम की और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में निवेश किया। इसी के साथ प्रदूषणकारी उद्योगों के प्रति भी चीन ने सख्ती दिखाई। चीन ने उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ मोड़ कर कोयल पर अपने निर्भरता को भी कम किया। गैस आधारित बॉयलरों ने अनगिनत कोयला इकाइयों की जगह ली,जिस वजह से सल्फर उत्सर्जन में काफी कमी आई। भारत में अभी भी कोयले पर निर्भरता काफी ज्यादा है। साफ है, चीन का मॉडल दिखाता है कि मजबूत प्रवर्तन और एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि प्रदूषण से आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होता है,लिहाजा भारत को अपनी जिम्मेदारी बखूबी समझते हुए तत्काल ही कुछ सार्थक और ठोस उपाय करना होंगे। साफ है, आज के समय दुनिया में सबसे ज्यादा बीमारियां पर्यावरण प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। मलेरिया, एडस और तपेदिक से हर साल जितने लोग मरते हैं उससे ज्यादा लोग प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मर जाते हैं।

उदासीन बनी है सरकार

बहरहाल, हर साल सवाल यही उठता है कि वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौत को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इसके बावजूद लोग अपने त्रासदीपूर्ण भविष्य को लेकर पूरी से तरह से बेखबर हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर हमारी सरकार और समाज कर क्या रहे हैं? वास्तव में वायु प्रदूषण की समस्या इतनी जटिल होती जा रही है कि भविष्य अंधकारमय होता प्रतीत हो रहा है। वस्तुतः आज मनुष्य भोगवादी जीवन शैली का इतना आदि और स्वार्थी हो गया है कि अपने जीवन के मूल आधार समस्त वायु को दूषित कर रहा है, नैतिकता, धर्म, कर्तव्य सब भूल रहा है। बढ़ते वाहनों और कारखानों से निकलते धुएं ने वायु का, वृक्षों की कटाई से जीवनदायिनी गैसों को, मनुष्य द्वारा फैलाई जा रही गंदगी से जल को इस तेजी के साथ प्रदूषित कर रहा है कि दुगनी गति से बीमारियां भी फैल रही हैं। मानवीय सोच और विचारधारा में इतना ज्यादा बदलाव आ गया है कि भविष्य की जैसे मानव को कोई चिंता ही नहीं है। अमानवीय कृत्यों के कारण आज मनुष्य प्रकृति को रिक्त करता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण असंतुलन के चलते भूमंडलीय ताप, अम्लीय वर्षा, बर्फीली चोटियों का पिघलना, सागर के जल-स्तर का बढ़ना, मैदानी नदियों का सूखना, उपजाऊ भूमि का घटना और रेगिस्तानों का बढ़ना आदि विकट परिस्थितियां उत्पन्न होने लगी है। ये सारा किया कराया मनुष्य का है और आज विचलित, चिंतित भी स्वयं मनुष्य ही हो रहा है। लेकिन अफ़सोस की बात है कि हम चेत नहीं हो रहे हैं। साल दर साल बीत जाने के बाद भी भारत में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। चाहे केंद्र सरकार हो या फिर राज्य सरकारें, कोई भी प्रदूषण से लड़ने के लिए गंभीर नहीं दिखता। ऐसे में सरकारों के प्रदूषण से लड़ने के लिए दीर्घकालीन नीतियां बनाने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी तरफ लोगों को अपने स्तर पर वे सभी जतन करने की जरूरत है जो हवा को जहरीली होने से रोकें।

विदेशों से सीख ले भारत

ये ठीक है कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने कई कदम उठाए थे। फिर भी हम फिसड्डी साबित हुए। ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बड़ी और ज्यादा गंभीर चुनौतीपूर्ण हो जाती है क्योंकि हमें विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के देशों में किए जा रहे उपायों को अपनाना पड़ेगा। दअरसल, वायु प्रदूषण एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है ओर इसे बिना आपसी सहमति और ईमानदार प्रयास के हल नहीं किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तात्कालिक कार्रवाई के बजाय निरंतर प्रयासों की जरूरत है। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाना, वाहनों की संख्या को नियंत्रित करना, और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना जैसे उपाय दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। एक व्यवस्थित निगरानी तंत्र से पूरे वर्ष वायु गुणवत्ता का मूल्यांकन करना जरूरी है

माइक्रो प्लास्टिक बिगाड़ रहा दिल्ली की सेहत

प्रदूषण

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

जहरीली हवा ने जहां एक ओर दिल्ली वालों की दिनचर्या बदल दी है, वहीं दूसरी ओर प्रदूषित हवा ने बच्चों, बुजुर्गों समेत महिलाओं के समक्ष अनेक प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं खड़ी कर दी हैं। सच तो यह है कि साल दर साल राजधानी में प्रदूषण से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली पिछले कई वर्षों से प्रदूषण की मार झेल रही है। गर्भस्थ शिशुओं तक पर प्रदूषण का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। इस क्रम में यदि हम जन्म पंजीकरण के आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले वर्ष जन्म लेने वाले 30.31 प्रतिशत नवजात शिशुओं का वजन दो किलोग्राम तक था। वहीं, वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 31.54 प्रतिशत था। गौरतलब है कि जन्म के समय नवजात का वजन ढाई किलोग्राम से कम हो तो उसे सामान्य से कम माना जाता है। ऐसे में जन्म के समय सामान्य से कम वजन वाले नवजात शिशुओं की संख्या 30-31 प्रतिशत से अधिक है। इतना ही नहीं, एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपी एक खबर के अनुसार चांदनी चौक की हवा में प्लास्टिक के कण भी पाये गये हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जैसा कि दैनिक ने लिखा है- 'चेन्नई और मुंबई की तुलना में कोलकाता और दिल्ली की आबोहवा में माइक्रो प्लास्टिक की मौजूदगी कहीं अधिक है। इस वजह से इन दोनों शहरों की हवा में प्लास्टिक के ऐसे सूक्ष्म अंश अधिक हैं, जो सांस के जरिये शरीर में पहुंच सकते हैं। इस तरह के आइएमपी (सांस के साथ शरीर में पहुंचने योग्य माइक्रो प्लास्टिक) का कोलकाता में स्तर 14.23 माइक्रोग्राम घन मीटर और दिल्ली में 14.18 माइक्रोग्राम घन मीटर पाया गया। चेन्नई और मुंबई के वातावरण में इसकी मौजूदगी बहुत कम रही।' बताता चलूं कि खराब कूड़ा प्रबंधन इसके लिए जिम्मेदार है। वास्तव में, सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल,यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता और लोग सिंथेटिक कपड़े ज्यादा पहनते हैं। ठंड की वजह से हवा नीचे ही अटकी रहती है, जिससे प्रदूषण ऊपर नहीं उठ पाता। इस मौसम में पैकेट वाले खाने और प्लास्टिक वाले सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल भी बढ़ जाता है, जिससे प्लास्टिक कूड़ा ज्यादा बनता है। दिल्ली के चांदनी चौक और सरोजिनी नगर जैसे बाजारों में हवा में माइक्रोप्लास्टिक ज्यादा पाया गया है। बहरहाल, क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि राजधानी में 22 स्थानों पर प्रदूषण का स्तर हाल ही में 400 पार कर गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, 19 नवंबर 2025 को बुधवार के वायु गुणवत्ता सूचकांक में 18 नवंबर 2025 मंगलवार की अपेक्षा लगभग 20 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। गौरतलब है कि मंगलवार को मानक एक्यूआई 374 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को यह 392 दर्ज किया गया। शाम 7 बजे 22 जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। वास्तव में, हवा की गति कम, तापमान में गिरावट और आंशिक रूप से बादल छाए रहने के कारण राजधानी में प्रदूषण के स्तर में लगातार पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 300 से अधिक है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राजधानी में बुधवार की सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। बहरहाल, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली और दिल्ली एनसीआर के कई क्षेत्र लगातार शामिल होते रहे हैं। यहाँ सर्दियों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्तर तक पहुँच जाती है, क्योंकि वाहन धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण धूल और आसपास के राज्यों में पराली जलने का असर मिलकर प्रदूषण बढ़ा देते हैं। ठंडी हवा और कम हवा की रफ्तार प्रदूषित कणों को जमीन के पास रोके रखती है, जिससे पीएम 2.5 और पीएम10 का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद भी अक्सर 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में पहुँच जाते हैं। इस प्रदूषण से साँस और हृदय संबंधी बीमारियाँ बढ़ती हैं और बच्चों-बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर होता है। लगातार बढ़ते प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर को वैश्विक स्तर पर अत्यधिक प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र बना दिया है। इसी क्रम में हाल ही में शीर्ष अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाएं स्थगित करने का निर्देश देने पर भी विचार करने को कहा है।

सर्दी के मौसम में प्रदूषण बढ़ने के साथ हवा में माइक्रो प्लास्टिक का स्तर भी 14 से 71 प्रतिशत बढ़ जाता है। दरअसल, यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सर्दियों में कूड़े का ठीक से प्रबंधन नहीं हो पाता

ऐसे तो गल जाएंगे दिल्ली के फेफड़े

महारोग स्मॉग

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग के माध्यम से कृत्रिम बारिश का सपना टूट गया है । लगातार तीन दिन तक आकाश में क्लाउड सीडिंग करने के बावजूद एक बूंद भी बारिश नहीं हुई और दिल्ली वासी 400 से ऊपर एक क्यू आई यानी हवा की बहुत ख़राब क्वालिटी के साथ सांस लेने को मजबूर हैं। हालत इतनी ख़राब है कि 100 मीटर दूर की बिल्डिंग दिखाई नहीं दे रही है । दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली में स्मॉग की समस्या आती रही है और इसके पीछे जहां दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराया जाता है वहीं हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के आरोप लगाकर भी पल्ला झाड़ लिया जाता है जबकि असलियत यह है कि जिस तरह दिल्ली में परिवहन एवं वाहनों की स्थिति है उसके चलते आने वाले वर्षों में पूरे साल ऐसी ही स्थिति रहने वाली है और यदि कारगर उपाय नहीं किए गए तो फिर दिल्ली के फेफड़े खराब होने तय हैं। दिल्ली ही नहीं दूसरे व्यस्त महानगरों में भी भारी स्मॉग और कहर बरपा रही है। हर साल दिसंबर जनवरी के महीने कोहरे व स्मॉग के शिकार होते ही हैं । जितना बड़ा शहर उतना ही ज़्यादा स्मॉग और उससे ज़्यादा उससे उपजा संकट। इन दिनों में स्मॉग के चलते बीमार होने के साथ-साथ सड़क दुघर्टनाओं में भी न जाने कितनी जानें जाती हैं । रोज ही लाखों यात्री समय से अपने गंतव्य पर नहीं पंहुच पाते हैं। देश भर में यातायात प्रभावित होता है। प्रतिदिन कितनी ही ट्रेन व बसें तथा हवाई जहाजों की उड़ानें भी लेट होती हैं या फिर रद्द की जाती हैं। कोहरे के प्रकोप का तोड़ ढूंढ पाने हर प्रयास नाकाम सिद्ध हो रहा है। स्मॉग ज्यादातर औद्योगिक शहरी क्षेत्रों में जल कणों का कार्बन कणों तथा अन्य सूक्ष्म कणों के मिश्रण से अधिक तीव्रता से बनता है और ज्यादा देर तक बना रहता है। इसमें विभिन्न रसायनों के वाष्पकण मिल जाने से इसकी प्रकृति अम्लीय भी हो जाती है जो अधिक हानिकारक है। कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि सचमुच ही दिल्ली एवं दूसरे शहरों के लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति एवं क्षुद्र स्वार्थ सबसे पहले छोड़ने होंगे।

कुदरत से छेड़छाड़ की प्रवृत्ति सबसे बड़ी वजह है स्मॉग के कहर की। यदि लोगों को स्मॉग की मार से बचाना है तो हमें दलीय राजनीति सबसे पहले छोड़नी होगी

आज यह समय की मांग है कि हमें स्मॉग से पीड़ित शहरों एवं लोगों को राहत दिलाने के लिए उन सब कारणों को दूर करना जिनकी वजह से स्मॉग की समस्या उत्पन्न होती है। कुल मिलाकर यदि स्मॉग का हल नहीं ढूंढ पाए तो फिर यह तो तय है कि दिल्ली के फेफड़े जल्द ही ख़राब हो जाएंगे और दिल्ली ही क्यों हर उस नगर, महानगर की हालत ऐसी ही होना निश्चित है । इसलिए बेहतर हो कि समय रहते यथार्थ परक व्यवहारिक और गहन सोच वाले कदम उठाए जाएं।

नकली बादल से हल नहीं होती वायु प्रदूषण की असली समस्या

दो टूक

पंकज चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

जब भीषण चक्रवात मोंथा ने सारे देश को भीगा दिया था और बादल दिल्ली के आसपास ही मंडरा रहे थे, वायु प्रदूषण से हताश दिल्ली महानगर पर नकली बरसात करवाकर हवा साफ करवाने का प्रयास असफल ही रहा। याद करें डेढ़ महीने पहले ही राजस्थान में कभी जयपुर के करीब विशाल झील रही और बीते दो दशक से पूरी तरह सूखी जमवा रामगढ़ की झील को भरने के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग एक तमाशे से अधिक नहीं रहे। वहां कई बार ड्रोन उड़ाये और चार बार असफल रहने के बाद नाममात्र की बूंदें गिरी जिसने झील के तल को गीला तक नहीं किया। दिल्ली सरकार दीपावली के ठीक अगले दिन कृत्रिम बादल से पानी बरसाने की बात कर रही थी और यह होता तो एसिड रैन या तेजाब की बारिश एक बड़ी संभावना थी। कैसी विडंबना है कि समाज और सरकार दोनों के स्तर पर वायु प्रदूषण कम करने के कोई प्रयास होते नहीं, उलटे जब आतिशबाजी के धुएं से दम घुटने लगा तो तकनीक के बदौलत एक छद्म प्रयास किया जा रहा है। दिवाली के एक हफ्ते बाद भी दिल्ली-समग्र की कोई चार करोड़ जनसंख्या जिस वायु में सांस ले रही हैं, वह न केवल उनकी उम्र घटा रही है, बल्कि विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज में खर्च से जेब में भी छेद कर रही है। सालों से चर्चा होती रही है कि इस शहर को गैस चेम्बर बनाने में सड़कों पर जाम, अनियोजित निर्माण से उड़ती धूल का बड़ा हिस्सा है। निरंकुश आतिशबाजी ने इसमें रासायनिक जहर को और जोड़ दिया और इस तरह से हवा को दूषित करने को काबू करने के कोई निर्णायक उपाय हो नहीं रहे। ऐसे में नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से

नकली बादलों का भ्रम एकबारगी आंकड़ों में भले हवा साफ दिखा दे, लेकिन हालात उससे भी बदतर होने की संभावना है। कृत्रिम बरसात की तकनीक को समझना जरूरी है।

सिल्वर-आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखी बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ के पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है तो यह सूखी बर्फ के कणों पर चिपक जाते हैं और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 फ़ीसदी नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह ख़तरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक ख़तरा संभावित है। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन अधिक है, वहां बरसात नए तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो सीएनजी दहन से नायट्रोजन ऑक्साइड और नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ गैसें जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि "आक्साईड आफ नाइट्रोजन " गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। यह वैश्विक रूप से प्रामाणिक तथ्य है कि नकली तरीके से बरसात करवाना कई बार बहुत भारी पड़ता है, फिर उस दिल्ली एनसीआर में, जहां कुछ मिनट की बरसात से सड़कों पर नदी-नाले भरने से जाम होता है और यही जाम दिल्ली की हवा में सबसे अधिक जहर घोलता है। जाहिर है बरसात से जितना प्रदूषण कम नहीं होगा, उससे अधिक बरसात के कारण वाहनों के ठिठकने से उपजे धुएं से बढ़ेगा ही। कृत्रिम बारिश से होने वाली भारी बारिश से बाढ़ आ सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। प्रकृति को कोई भी नकली या बाहरी प्रयास बचा नहीं सकता। इसके लिए मानव को ही आत्म नियंत्रण करना होगा ताकि कम से कम हवा दूषित हो। कृत्रिम बरसात करवाना वैसा ही है जैसे नल की टोंटी कर पोंछा लगाने की कवायद ।

विकासशील देशों के लिए संकट बनी प्लास्टिक कचरे की सुनामी

ई-कचरा

प्रमोद भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

पर्यावरण पर वैश्विक निगरानी रखने वाली सिएटल स्थित संस्था 'बासेल एक्शन नेटवर्क' (बीएएन) की ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि अमेरिका से लाखों टन खराब इलेक्ट्रॉनिक सामग्री कई देशों में ठिकाने लगाने की दृष्टि से भेजी जा रही है। इनमें से अधिकांश दक्षिण पूर्व एशिया के विकासशील देश हैं। इन देशों में इस खतरनाक कचरे का सुरक्षित रूप से नष्ट करने का कोई उपाय नहीं है, इसलिए वे इसे लेने को तैयार नहीं हैं। बावजूद दस अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रयोग की उम्र समाप्त कर चुके इलेक्ट्रॉनिक्स को एशिया और पश्चिमी एशिया के निर्धन देशों में ठिकाने लगा रही हैं। इसे ई-कचरे की छिपी हुई सुनामी माना जा रहा है।

रपट के अनुसार यह ई-कचरे की अदृश्य सुनामी है, क्योंकि ये विकासशील एवं गरीब देश इस कचरे का पुनर्चक्रण करने में समर्थ नहीं है। फिर भी ताकतवर पूंजीपति देश इन देशों को अपने कचरे का ठिकाना बनाने में बेहिचक लगे हुए हैं। अतएव पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा। इसका वहां के लोगों के स्वास्थ पर कितना असर पड़ेगा, यह अंदाजा कोई नहीं लगा पा रहा है। इस कचरे में कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल और अन्य आईटी उपकरण शामिल हैं। इनमें सीसा, कैडमियम और पारा जैसी सामग्रियां हैं, जो मूल्यावन होने के साथ विषाक्त हैं। जैसे-जैसे गैजेट्स नए मॉडल के साथ तेजी से बदले जा रहे हैं, वैसे-वैसे पुनर्चक्रित नहीं किया जाने वाला कचरा पांच गुना बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और अनुसंधान शाखा (यूएनआईटीएआर) के अनुसार एकत्रित आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर 2022 में 6.2 करोड़ मीट्रिक टन ई-कबाड़ उत्पन किया गया। 2030 तक इसके उत्पादन की मात्रा 8.2 करोड़ मीट्रिक टन हो जाने का अनुमान हैं। रपट के अनुसार हर महीने लगभग 2000 कंटेनरों में लगभग 33,000 मीट्रिक टन अमेरिका में इस्तेमाल किया गया। ई-कचरा अमेरिकी बंदरगाहों से बाहर भेजा जाता है। इन कंटेनरों की खेपों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों को ई-कचरा ब्रॉकर कहा जाता है। ये आमतौर पर स्वयं कचरे का पुनर्चक्रण करने की बजाय इसे लाचार गरीब देशों के बंदरगाहों पर उतार देती हैं।

पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली संस्थाओं को यह आकलन करना कठिन हो रहा है कि घातक कचरा जिन देशों में फेंका जा रहा है, वहां का वायुमंडल किस हद तक प्रभावित एवं प्रदूषित होगा।

यह कचरा लगातार एशियाई देशों में कचरे के बोझ को बढ़ाकर कई तरह के पर्यावरणीय संकट पैदा कर जल-वायु और पृथ्वी को प्रदूषित कर रहा है। इस कचरे से घातक लैंडफिल गैसों का भी उत्सर्जन कुछ सालों के बाद होने लगता है। इनसे उत्पन्न जहरीला रसायन जल और मिट्टी को दूषित करता है। इस कचरे का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए कबाड़खानों में पहुंचा देते हैं। यहां काम करने वाले मजदूर अक्सर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के उन्हें हाथों से जला एवं पिघला कर अलग कर खोलते हैं। इस प्रक्रिया विषाक्त धुआं निकलता है, जो अत्यंत हानिकारक होता है। बासेल एक्शन नेटवर्क की संधि के मुताबिक इस्तेमाल किए गए ई-कचरे को एक देश से दूसरे देश भेजने की अनुमति केवल ऐसे कचरे को हैं, जिसे पुनर्चक्रित करके पुनः इस्तेमाल किया जा सके और जो पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करने वाला हो। लेकिन ये कंपनियां ऐसी किसी शर्त का पालन नहीं कर रही हैं। यही कारण है कि दुनिया में पुनर्चक्रण की तुलना में ई-कबाड़ में पांच गुना वृद्धि हो रही है। आज ई-कचरा,जिसमें बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण भी शामिल हैं,नष्ट करना भारत समेत दुनिया के देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। इसे नष्ट करने के जैविक उपाय तलाशे जा रहे हैं। जापान के क्योटो विश्वविद्यालय ने एक ऐसे जीवाणु के अनुसंधान का दावा किया है,जो जैविक रूप से प्लास्टिक नष्ट कर सकता है। हालांकि भारत में यही काम औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी कचरे को नष्ट करने के लिए केंचुओं से कराया जा रहा है। औसतन एक टन ई-कचरे के टुकड़े करके उसे यांत्रिक तरीके से पुनर्चक्रित किया जाए तो लगभग 40 किलो धूल या राख जैसा पदार्थ तैयार होता है। इसमें अनेक कीमती धातुएं समाहित रहती हैं। इन धातुओं के पृथक्करण की प्रक्रिया मानव शरीर और पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाली है, इसलिए इस हेतु बायो-हाइड्रो मेटलर्जिकल तकनीक कहीं ज्यादा बेहतर मानी जा रही है। इस तकनीक को अमल लाते वक्त सबसे पहले बैक्टीरियल लीचिंग प्रोसेस ; बायो लीचिंग का प्रयोग करते हैं। इसके लिए ई-कचरे को बारीक पीसकर उसे जीवाणुओं के साथ रखा जाता है। बैक्टीरिया में मौजूद एंजाइम कचरे में उपस्थित धातुओं को ऐसे यौगिकों में बदल देते हैं कि उनमें गतिशीलता पैदा हो जाती है। बायो-लीचिंग की विधि में जीवाणु कुछ विशेष धातुओं को अलग करने में मदद करते हैं। हालांकि कई प्रकार के जीवाणुओं और फफूंद का उपयोग प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से सीसा, तांबा और टिन को अलग करने के लिए किया जाता रहा है। इस कचरे को जो कंपनियां जिन देशों में ठिकाने लगा रही हैं, वहां इस कचरे के निस्तारण संबंधी जैविक उपाय स्टार्टअप के रूप में बेरोजगारों को उपलब्ध करा दें तो गरीब देशों के युवाओं को रोजगार तो उपलब्ध होगा ही, दुनिया प्रदूषण मुक्त भी बनी रहेगी।

ठेका कंपनी को 10.24 लाख रुपये की वसूली से राहत, कोर्ट ने पूरी जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए

हाईकोर्ट ने रेलवे के ठेका वसूली आदेश पर लगाई अंतरिम रोक

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने रेलवे के उस आदेश के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी जिसमें ठेका शर्तों का उल्लंघन का आरोप लगाते हुए ठेकेदार पर 10 लाख 24 हजार रुपए की वसूली निकाल दी थी। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने जांच की जांच रिपोर्ट सहित पूरा रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश दिए। केरला की थारू एण्ड संस कंपनी की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा और अमित रायजादा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पश्चिम मध्य रेल ने कंपनी को वातानुकूलित कोच में कंबल, चादर इत्यादि के वितरण का काम दिया था। दलील दी गई कि 22 जुलाई 2022 को हजरत निजामुद्दीन से जबलपुर आने वाली ट्रेन के एसी कोच एच 1 में कपिल ताम्रकार कोच अटेंडेंट के रूप में नियुक्त था। एक बुजुर्ग बीमार महिला की मदद के लिए वह ट्रेन से उतरा। वापस चढ़ते समय ट्रेन चल दी और वह गिर गया। दुर्घटना में उसके बाएं पैर का अंगूठा और 3 उंगलियां कट गई। उसने रेल्वे

दावा अधिकरण में मामला लगाया। अधिकरण ने पमरे को निर्देश दिए कि वह कपिल को ब्याज के साथ 8 लाख रुपए का मुआवजा दे। रेलवे ने मुआवजा से बचने के लिए उक्त ठेका कंपनी को 26 सितंबर 25 को नोटिस जारी कर कहा कि वह ठेके की शर्तों के उल्लंघन का दोषी है इसलिए उक्त राशि का भुगतान करे। यह भी कहा कि भुगतान नहीं करने पर आगामी बिल से राशि काट ली जाएगी। कंपनी की ओर से दलील दी गई कि रेलवे को अधिकरण के आदेश के खिलाफ अपील करनी थी। उक्त घटना से याचिकाकर्ता कंपनी को कोई लेना देना नहीं है।

अदालत में तलवार की जगह कृपाण पेश करने पर सजा

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मीनाक्षी दंदेलिया ने अदालत में तलवार की जगह कृपाण पेश करने के मामले में आरोपित अजीत सिंह आनंद उर्फ मंगे सरदार का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ धारा-406 के तहत तीन वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। जबकि धारा-201 के आरोप से बरी कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की धारा 56 के अनुसार जिस तथ्य पर न्यायालय ज्ञान व संज्ञान लेता है, उसे साबित करना आवश्यक नहीं है। न्यायालय में तलवार के स्थान पर कृपाण पेश कर आपराधिक न्यास भंग करने का कार्य किया है। अभियोजन के अनुसार अभियुक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय अपनी मोटर साइकिल में लोहे की चेन से तलवार बांधकर पहुंचा था। जिसके विरुद्ध सिविल लाइन थाने में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। न्यायालय ने आरोपित को आर्म्स एक्ट के तहत दोषमुक्त कर दिया था। जिसके बाद सरकार ने आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। हाई कोर्ट ने आपराधिक प्रकरण की अपील के रूप में सुनवाई करने के आदेश जिला न्यायालय को दिए थे। अपील की सुनवाई के दौरान जिला न्यायालय में अभियुक्त ने पुलिस से वापस तलवार के स्थान पर कृपाण पेश की थी। न्यायालय ने आरोपित के विरुद्ध साक्ष्य छुपाने के तहत प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किए थे।

नये दायित्व पर मातृशक्तियों ने किया अभिनंदन

अश्वनी परांजपे बनी भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर श्रीमती अश्वनी पराँजपे राज़वाड़े की नियुक्ति की है। श्रीमती पराँजपे इसके पूर्व महिला मोर्चा में प्रदेश महामंत्री एवं महिला मोर्चा की जबलपुर महानगर की जिला अध्यक्ष रही है। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद से सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन की शुरुआत करने के साथ परिषद में विभिन्न दायित्व का निर्वहन उन्होने किया है। अश्वनी परांजपे राज़वाड़े की नियुक्ति पर मातृ शक्ति नगर अध्यक्ष रूपा राव, श्रीमती प्रज्ञा शुक्ला, अर्चना अग्रवाल, डिम्पी अग्रवाल, दीपमाला सोनकर, सुनामी, नीतू दुबे, सुधा तिवारी, मीना नामदेव, कृष्णा यादव के साथ सभी जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने शुभकामनायें देते हुये उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भाजपा का प्रोफेशनल सम्मेलन का आयोजन

आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वदेशी को अपनाना होगा

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान'' के तहत प्रोफेशनल सम्मेलन का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, अभियान के जिला संयोजक डॉ जितेंद्र जामदार, विधायक अशोक रोहाणी की उपस्थिति में आईएमए हाल राइट टाउन में किया गया।

प्रोफेशनल सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये मुख्य वक्ता डॉ जितेंद्र जामदार ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले चार वर्षों से भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। उन्होंने सभी को स्वदेशी अपनाने के लिए संकल्प लेने का आह्वान भी किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी स्वदेशी के नारे को बुलंद कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत बनाने हम सभी लोगों को वही सामान खरीदना चाहिए, जिसे बनाने में भारतीयों का पसीना बहा हो।

डॉ जामदार ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्

मोदी भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। जब तक देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत नहीं होगा, देश का विकास गति नहीं पकड़ेगा। कांग्रेस के शासनकाल में जहां 2.5 लाख करोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च किया जाता था, वहीं प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली सरकार प्रतिवर्ष 12 लाख करोड़ रूपए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च कर रही है। कोरोना महामारी के समय जब पूरे देश में लॉकडाउन लगा था, तब प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर पूरा देश घरों से बाहर निकला और थाली बजाकर उत्साहवर्धन किया। कोरोनाकाल में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 6.5 लाख पीपीई किटों का प्रतिदिन देश में निर्माण हो रहा था, जबकि भारत में पहले कभी पीपीई किटें बनती ही नहीं थीं। पूर्व में भारत वर्षों तक टीकों के लिए दूसरे देशों की राह देखता था, लेकिन यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व ही है कि भारत ने कोरोना की वैक्सीन बनाई। इन्हीं वैक्सीनों ने देश के लोगों की जान बचाई, वहीं 100 देशों को भी वैक्सीन दी गई।

उन्होंने कहा आज देश में एक लाख 60 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। दुनिया में भारत का यूपीआई पेमेंट नंबर एक पर है। सेना के लिए आवश्यक सामान भी अब भारत में ही बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत में आकाश, ब्रह्मोश मिसाइलों के साथ तेजस जैसे आधुनिक विमान भी बनाए जा रहे हैं। भारत का निर्यात 33 हजार करोड़ से अधिक हो गया है। आप सभी स्वदेशी के लिए जन-जागरण करें और भारत को आत्मनिर्भर बनाने स्वदेशी अपनाएं।

महापौर अन्नू की अनूठी पहल

नगर निगम के स्कूलों के 2 हजार बच्चों ने देखी देशभक्ति फिल्म ''120 बहादुर''

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' की पहल के तहत नगर निगम स्कूलों के लगभग 2 हजार बच्चों को समदड़िया मॉल में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत फिल्म ''120 बहादुर'' दिखाई गई। पहले दिन आज 1 हजार छात्र-छात्राओं के साथ नेत्रहीन विद्यालय की 30 छात्राओं ने भी इस फिल्म का आनंद लिया। महापौर ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें राष्ट्रभक्ति का महत्व बताया और फिल्म के संबंध में जानकारी दी। बच्चों ने उत्साह और हर्ष के साथ महापौर का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेकराम सोनकर, पार्षद श्रीमती मधुवाला राजपूत और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर उन्हें पुरस्कृत किया, जिससे उनके मनोबल और राष्ट्रप्रेम की भावना और मजबूत हुई। महापौर गुरूकुल का संचालन मेकलसुता इंस्टीट्यूट द्वारा किया जा रहा है। महापौर अन्नू ने बताया कि नगर निगम के विद्यालय अब पूर्णतः स्मार्ट विद्यालय बन चुके हैं और बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों में भी भाग लेने का अवसर मिल रहा है। शेष 1 हजार बच्चों को आगामी दिनों में फिल्म ''120 बहादुर'' दिखाई जाएगी, जिससे सभी छात्र देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होंगे।

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में राजनीतिक दलों को सौंपी गई निकायों की मतदाता सूची

जिले में मतदाताओं की संख्या 11 लाख 17 हजार 68

जबलपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में नगरपालिकाओं एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची प्रदाय किया। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त नगरपालिकाओं एवं पंचायतों में मतदाता सूची का प्रकाशन 21 नवम्बर को वार्डों एवं पंचायतों में विहित स्थानों के साथ किया गया था। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ज्योति परस्ते द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया कि 2022 के पश्चात सम्पूर्ण पंचायतों एवं नगरीय निकायों के पुनरीक्षण का कार्य वर्ष 2025 में संपन्न कराया गया है। जून 2025 में पंचायतों के उपनिर्वाचनों के चलते जिले की 148 ग्राम पंचायतों में पुनरीक्षण का कार्य कर मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया था। वर्तमान में जिले की कुल 527 में से इन 148 को छोड़कर शेष 379 पंचायतों से संबंधित फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया है। साथ ही, चूंकि किसी भी नगरीय निकाय में उपनिर्वाचन की प्रक्रिया नही हुई थी इसलिए जिले के 09 नगरीय निकायों के समस्त 202 वार्डो की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया है। अंतिम प्रकाशन के अनुसार जिले के समस्त 07 जनपद पंचायतों के 527 ग्राम पंचायतों से संबंधित 1472 मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 8 लाख 23 हजार 524 हो चुकी है। इनमें से पुरुष मतदाताओं की संख्या 4 लाख 17 हजार 171 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 4 लाख 06 हजार 323 है। इसी तरह जिले के समस्त 09 नगरीय निकायों के 202 वार्डों से संबंधित 1364 मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 11 लाख 17 हजार 068 हो चुकी है। इनमें से पुरुष मतदाताओं की संख्या 5 लाख 63 हजार 287 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 5 लाख 53 हजार 701 है। आयोजित बैठक में राजनैतिक दलों के पदाधिकारीगण के रूप में भारतीय जनता पार्टी की ओर सक जी.एस. ठाकुर, काग्रेस के ओर से रुकमणि गोटिया, फिरोज ठाकरे एवं एडवोकेट श्यामसुन्द्रर यादव, बहुजन सामाज पार्टी की ओर एडवोकेट दिनेश कुशवाहा उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना के कारण कारण बताओ नोटिस भी जारी, 25 नवम्बर को पेश होने के दिए आदेश

मतदाताओं के सत्यापन में लापरवाही पर बीएलओ सुपरवाईजर का दो दिन का वेतन काटा

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाताओं के सत्यापन में संतोषजनक प्रगति न दिखने पर जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने बरगी विधानसभा क्षेत्र के बूथ क्रमांक 249 से 260 तक के पर्यवेक्षण के लिए नियुक्त बीएलओ सुपरवाईजर, जनपद पंचायत जबलपुर के सहायक विकास विस्तार अधिकारी अनिल झारिया का नवम्बर माह का दो दिन का वेतन काटने का आदेश दिया है। अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना और कर्तव्यों में लापरवाही बरतने के कारण यह कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अनिल झारिया को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है और उन्हें 25 नवम्बर को समक्ष उपस्थित होकर स्पष्टिकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि तय समय पर संतोषजनक स्पष्टिकरण न प्रस्तुत करने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर : मतदाताओं से प्राप्त गणना पत्रकों में से चालीस फीसदी का डिजिटाइजेशन पूर्ण

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत 4 नवम्बर से शुरू हुई मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन के कार्य में लगातार तेजी आ रही है। जिले में अभी तक मतदाताओं से प्राप्त गणना प्रपत्रों में से लगभग 40 फीसदी के डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। शनिवार की शाम प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार मतदाताओं से प्राप्त भरे हुए गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के कार्य में पाटन विधानसभा क्षेत्र जिले की आठो विधानसभा क्षेत्र में पहले स्थान पर है। पाटन विधानसभा क्षेत्र में 48.93 फीसदी गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है। गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन में विधानसभा क्षेत्र सिहोरा 48.20 फीसदी के साथ दूसरे तथा विधानसभा क्षेत्र बरगी 47.68 फीसदी गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के साथ जिले में तीसरे स्थान पर है।

ओमती नाले से 4 मोटर पंप जब्त, गंदे पानी से सब्जियां उगाने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई तय

नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले सब्जी उत्पादकों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने स्पष्ट कहा है कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गंदे नाले के पानी से सब्जियां उगाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने 9 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने निगम अधिकारियों की बैठक बुलाई और टीम को तत्काल कार्रवाई के लिए रवाना किया। जांच टीम के सदस्यों ने अपनी पहली कार्रवाई में ओमती नाले से 4 मोटरपंप जब्त किए। नाले के पानी के नमूने भी लिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट आने के बाद संबंधितों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर और निगमायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि टीम प्रतिदिन कार्रवाई करे और रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

जांच टीम में अनुविभागीय अधिकारी, अपर आयुक्त स्वास्थ्य, अधीक्षण यंत्री सीवरेज, क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, संयुक्त संचालक कृषि विभाग, स्वास्थ्य अधिकारी, अतिक्रमण अधिकारी, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकारी और संबंधित थाना प्रभारी शामिल हैं। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार रमेश कोष्टी, सहायक आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक यंत्री सीवेज संजय सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि शहरवासियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सम्मानित हुये शत-प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन और गणना फार्म का डिजिटाइजेशन करने वाले बीएलओ

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम(एसआईआर) के अंतर्गत आज शनिवार को अपने बूथ के शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करने वाले बीएलओ का शाम को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया। श्री सिंह गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा करने पर इन बीएलओ को बधाई दी तथा लगन और निष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के लिए उनकी सराहना की। शनिवार को शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर कलेक्टर के हाथों सम्मानित होने वाले बीएलओ में विधानसभा क्षेत्र जबलपुर के मतदान केंद्र क्रमांक-116 की बीएलओ श्रीमती सोमलता कंजर इसी विधासनसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक-118 के बीएलओ अश्विनी तिवारी शामिल हैं। इनके अलावा विधानसभा क्षेत्र पनागर के मतदान केंद्र क्रमांक -61 कुशनेर की बीएलओ श्रीमती विमला चौधरी, विधानसभा क्षेत्र पाटन के मतदान केंद्र क्रमांक-44 के बीएलओ हरिशंकर बर्मन, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम के मतदान केंद्र क्रमांक-05 के बीएलओ मुकेश कोष्टा ने भी शनिवार 22 नवम्बर को अपने बूथ के शत-प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन कर गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया है। ज्ञात हो कि जिला निर्वाचन कार्यालय ने शत-प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन करने वाले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के एक बीएलओ और उसके सहयोगी को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया है। यह पुरस्कार 22 नवम्बर से 24 नवम्बर तक प्रतिदिन आठों विधानसभा क्षेत्र के एक-एक बीएलओ और उसके सहयोगी को दिये जायेंगे। पुरस्कार स्वरूप उन्हें मूवी के दो-दो टिकिट और 500-500 रुपये के गिफ्ट वाउचर दिये जायेंगे। उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जायेगा। एक से अधिक बीएलओ होने की स्थिति में लॉटरी डालकर चयन होगा। प्रशस्ति पत्र सभी बीएलओ और उनके सहयोगी को प्रदान किये जायेंगे। शत-प्रतिशत गणना प्रपत्रों का 22 से 24 नवंबर तक डिजिटाइजेशन करने वाले प्रत्येक दिन के बीएलओ को एक साथ पुरस्कार 24 नवम्बर को प्रदान किये जायेंगे।

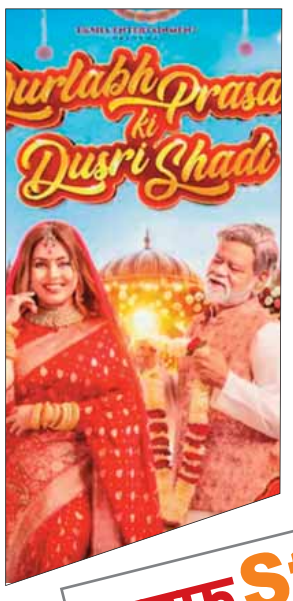

संजय और महिमा की फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' 19 को होगी रिलीज...

मुंबई। अभिनेता संजय मिश्रा और महिमा चौधरी आगामी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' से खूब चर्चा बटोर रहे हैं। फिल्म का पोस्टर पहले जारी हो गया था। अब निर्माताओं ने नया पोस्ट जारी करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख बताई है। फिल्म के निर्देशन की कमान सिद्धांत राज ने संभाली है। एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन निर्माता हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' के पोस्टर ने लोगों को उत्साहित कर दिया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का मोशन पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें महिमा दुल्हन के अवतार में हैं। वहीं संजय वरमाला लिए उनकी ओर देखते नजर आ रहे हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' अगले महीने 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रुख करने के लिए तैयार है।

लाइफ Style

दीपिका

बनी थीं पहली ग्लोबल एंबेसेड

एजेंसी ⏭ मुंबई

दीपिका पादुकोण सच में एक ग्लोबल आइकन हैं। जिस तरह वो भारतीय सिनेमा को इतनी शान और आत्मविश्वास के साथ दुनियाभर में लेकर गई हैं, वो कमाल है। उनकी अपनी अलग स्टाइल, जबरदस्त परफॉर्मेंस और उनकी नैचुरल करिश्मा ने उन्हें दुनिया भर में पसंद किया जाने वाला चेहरा बना दिया है।

फिल्मों से लेकर बिज़नेस तक, मेट गाला से लेकर फीफा वर्ल्ड कप तक, और यहां तक कि ऑस्कर तक दीपिका लगातार दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन करती रही हैं। एक ऐसी एक्ट्रेस के तौर पर, जिसने कई और लोगों को दुनिया भर में चमकने का रास्ता दिखाया, दीपिका ने अपने सफर में बहुत लंबा रास्ता तय किया है। आज वह गर्व के साथ 'ग्लोबल इंडियन' कहलाती हैं और इसे वह अपनी नहीं बल्कि हम सबकी जीत मानती हैं। दीपिका, जो एक तरह से शुरुआत करने वाली रहीं, उन्होंने दुनिया भर के बड़े-बड़े लग्ज़री ब्रांड्स में भारत की बढ़ती पहचान को आगे बढ़ाने में बहुत अहम भूमिका निभाई है। वह पहली भारतीय थीं जिन्हें दुनिया के मशहूर और महंगे फैशन ब्रांड्स लुई वुइटन और कार्टियर ने अपना चेहरा बनाया। इसी से उन्होंने भारत की बढ़ती पहचान के लिए रास्ता तैयार किया और आने वाले सालों में बाकी भारतीय सितारों के लिए भी ये दरवाज़ा खोल दिया, ताकि वे भी इस नई लहर का हिस्सा बन सकें। एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि "एक एक्टर और बिज़नेसवुमन के तौर पर आपने सच में भारत को दुनिया के बड़े मंच तक पहुँचाया है।

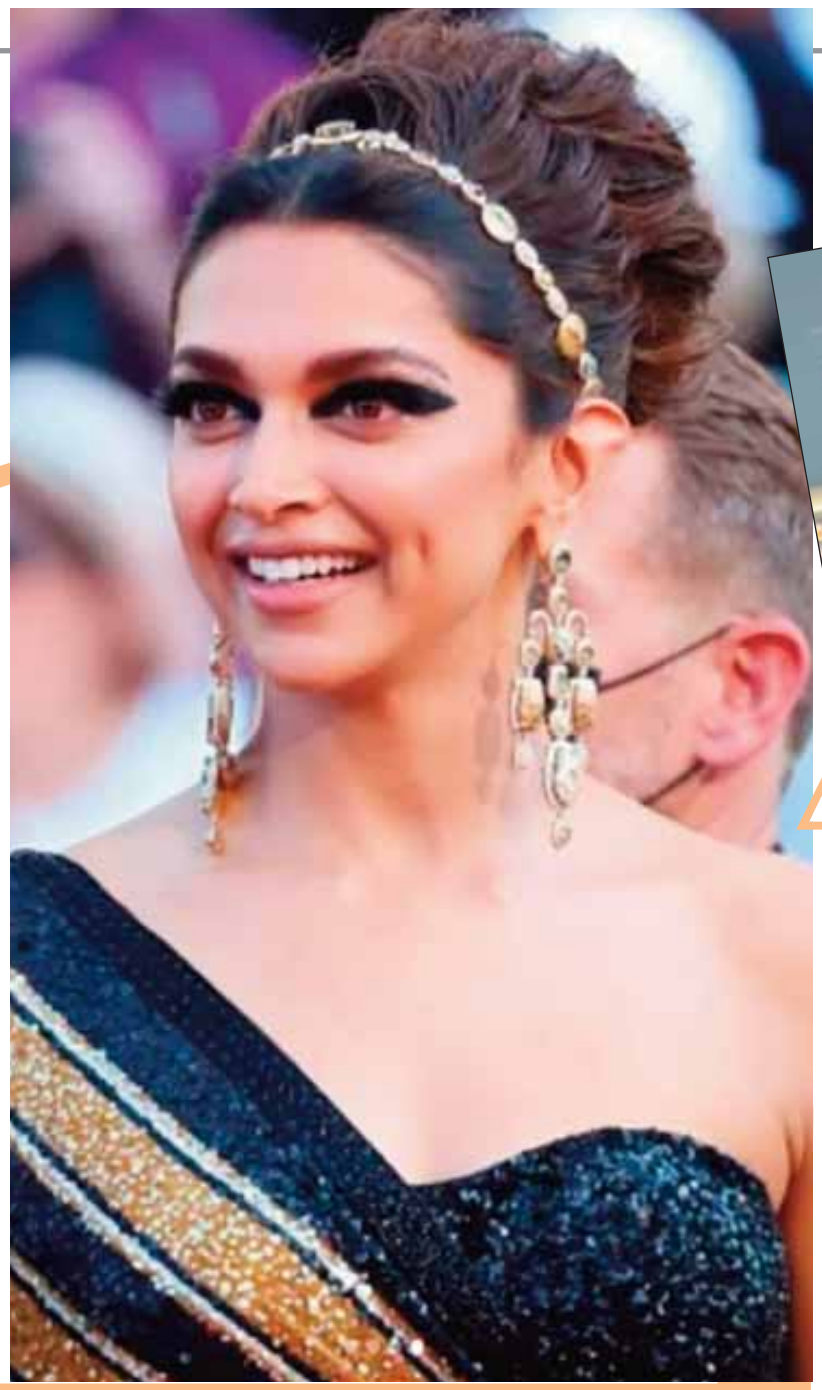

हॉलीवुड मसाला

मिस यूनिवर्स के खिताब से चूकीं मनिका

लॉस एंजिल्स। थाईलैंड में मिस यूनिवर्स 2025 का आयोजन हुआ। इसमें मैक्सिको की मॉडल फातिमा बॉश ने जीत दर्ज की। पेजेंट में दुनियाभर की सुंदरियों के साथ भारत की मनिका विश्वकर्मा ने भी हिस्सा लिया। उनका ताल्लुक राजस्थान से है। इस बार मिस यूनिवर्स की प्रतियोगिता में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। वह पेजेंट के टॉप 12 पार्टिसिपेंट्स में जगह नहीं बना सकीं। मनिका विश्वकर्मा की मिस यूनिवर्स के लिए दावेदारी काफी मजबूत मानी जा रही थी। उन्होंने पेजेंट में टॉप 30 में जगह बना ली थी। हालांकि टॉप 12 में वह जगह नहीं बना सकीं।

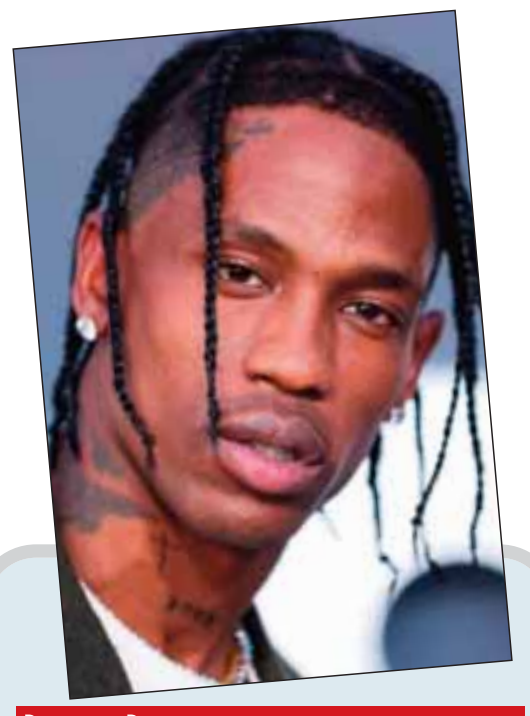

रैपर ट्रैविस स्कॉट के साथ जमकर झूमे फैंस...

मुंबई। अपनी धुन पर पूरी दुनिया को झूमने पर मजबूर करने वाले मशहूर रैपर ट्रैविस स्कॉट इन दिनों भारत में हैं। दिल्ली में उनके कार्यक्रम को अच्छा रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद मुंबई में उनका कॉन्सर्ट हुआ। इस कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में उनके फैंस पहुंचे और उनके साथ झूमते-गाते नजर आए। इस कॉन्सर्ट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रैविस स्कॉट गाना गा रहे हैं साथ में डांस कर रहे हैं। उन्होंने वेस्टर्न आउटफिट पहना है और चश्मा लगाया है। रैपर के साथ उनके फैंस भी झूम रहे हैं। ट्रैविस स्कॉट के कॉन्सर्ट से एक दूसरा वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें कुछ कर्मचारी फैंस पर मशीन से पानी छिड़क रहे हैं। दावा है कि ज्यादा लोगों के जमा हो जाने से वातावरण का तापमान गर्म हो गया।

'भाभीजी घर पर हैं' करेगी धमाका

मुंबई। टीवी का चर्चित कॉमेडी शो 'भाभीजी घर पर हैं' अब बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार है। अभिनेता आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे और रोहिताश गौड़ अभिनीत यह शो करीब एक दशक से लोगों का मनोरंजन करता आ रहा है। काफी समय पहले ऐलान किया गया था कि निर्माता इस शो पर फिल्म बना रहे हैं, जिसे जानने के बाद लोग उतावले थे। आखिरकार 'भाबीजी घर पर हैं-फन ऑन दा रन' की रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'भाभीजी जो अब तक घर पर थीं, अब बड़े पर्दे पर आएंगी।' पोस्टर में शुभांगी (अंगूरी भाभी) विदिशा शर्मा (अनीता भाभी) और को दुल्हन की पोशाक में हैं। एक अन्य पोस्टर में दोनों के अलावा आसिफ और रोहिताश भी अस्त-व्यस्त हालात में दिख रहे हैं।

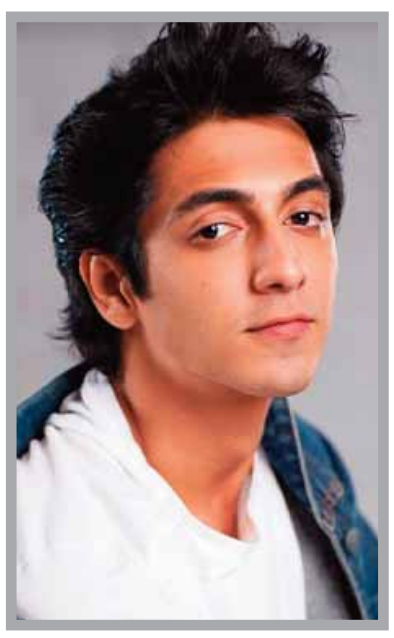

अनीत संग ऐसा-वैसा कुछ भी नहीं...

मुंबई। सैयारा' फिल्म से रातों-रात चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे इंटरनेट के सबसे चर्चित सेलिब्रिटी बन चुके हैं। काम से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी लोगों का ध्यान खींचती रहती है। ददरअसल, सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि अभिनेता अपनी सह-अभिनेत्री अनीत पड्डा को डेट कर रहे हैं। इस बीच, फिल्म निर्माता करण जौहर की प्रतिक्रिया ने अहान और अनीत के रिश्ते की अफवाह को फिर से हवा दे दी। अब 'सैयारा' अभिनेता ने खुद ही सच बता दिया है। अहान ने हालिया इंटरव्यू में, 'सैयारा' अभिनेत्री संग उन्हें जोड़ने वाली अफवाहों को खारिज किया है। एक बातचीत में उन्होंने अनीत को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है। अभिनेता ने कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट यही सोच रहा है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 19' के घर में आते ही तान्या के भाई ने किए खुलासे...

मुंबई। 'बिग बॉस 19' के फैमिली वीक में इस बार घर का माहौल तब और दिलचस्प हो गया जब तान्या मित्तल के भाई अमृतेश मित्तल शो में पहुंचे। जैसे ही वो घर में दाखिल हुए, तान्या भावुक हो गईं और उन्हें देखकर पहले पैर छुए फिर गले लगाया। लेकिन असली कहानी तब शुरू हुई जब एक-एक कर घरवाले उनके सामने तान्या द्वारा शो के दौरान किए गए दावों को लेकर सवाल लेकर पहुंचने लगे। मेकर्स ने प्रोमो में दिखाया कि कैसे तान्या के भाई हर सवाल का जवाब शांत तरीके से दे रहे हैं और बहन के बचाव में साफ-साफ अपना पक्ष रखते दिख रहे हैं। शो के मेकर्स द्वारा अब तक कई प्रोमोज साझा किए गए हैं, जिनमें तान्या के भाई एक-एक सारे मुद्दों पर सफाई देते हुए नजर आ रहे हैं।

किचन में लिफ्ट वाला दावा : 'बिग बॉस' के लाइव से वायरल हुए वीडियो में प्रणित किचन में लिफ्ट के दावे पर तान्या के भाई से सवाल पूछते हैं। इस पर तान्या के भाई कहते हैं कि हमारे ग्वालियर में ऊंची ऊंची बिल्डिंग्स नहीं हैं। ऐसे में बुजुर्गों के लिए घर में लिफ्ट बहुत आम तौर पर घरों में लगवाई जाती है। हमारे सारे रिश्तेदारों के घरों में ही ऐसा किया जाता है। इस दौरान साथ बैठीं तान्या भी यही बात दोहराते हुए नजर आती हैं।

फैक्टरीज के सवाल का दिया जवाब : इसके बाद बातचीत फैक्ट्री वाले बयान पर पहुंची, जिसे लेकर भी घर में कई दिनों से सवाल उठते रहे थे। इस पर तान्या के भाई ने सरल शब्दों में समझाया कि उनके पिता का बिजनेस क्या है और कैसे लोग बिना पूरी जानकारी के बातें बना लेते हैं। उन्होंने बताया कि परिवार का कामकाज पूरी तरह पारदर्शी है और तान्या ने जो कुछ बताया, वह किसी भ्रम या दिखावे के लिए नहीं था, बल्कि उनके वास्तविक अनुभवों पर आधारित था।

रुबीना के पति अभिनव के साथ हुआ धोखा

नई दिल्ली। टीवी की चर्चित जोड़ी रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला हाल ही में टीवी शो 'पति पत्नी और पंगा' के विजेता बने थे। दोनों की जीत का जश्न अभी थमा नहीं था कि अभिनेता ने चौंकाने वाली खबर सुना दी है। अभिनव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए बताया कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। इस वीडियो के माध्यम से वह अपने प्रशंसकों को जागरुक करने की कोशिश भी करते दिखे। अभिनव ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए बताया कि उन्होंने लोन के लिए अप्लाई किया था। बाद में पता चला कि उनके पैन कार्ड से धोखाधड़ी के जरिए 5-6 लोगों ने कई लोन ले रखे हैं। उन्होंने आगे बताया कि वह वीडियो इसलिए जारी कर रहे हैं, ताकि किसी और के साथ ऐसा न हो सके।

फरहान की पिछली 5 फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्ड, 2 हुईं बुरी तरह फ्लॉप

मुंबई। अभिनेता और निर्माता फरहान अख्तर इन दिनों अपनी नई फिल्म '120 बहादुर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और फरहान जोर-शोर से इसका प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। समीक्षकों से फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फरहान की पिछली 5 फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कैसा रहा?

'द स्काई इज पिंक' : फरहान को आखिरी बार सिनेमाघरों में फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में देखा गया था, जो साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में वो प्रियंका चोपड़ा के साथ इश्क लड़ाते नजर आए थे। इस फिल्म को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खूब तारीफ मिली थी।समीक्षकों से भी इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, लेकिन 24 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म भारत में बस 20 करोड़ रुपये कमा पाई थी। 'स्काई इज पिंक' नेटफ्लिक्स पर मौजूद है।

'लखनऊ सेंट्रल' : साल 2017 में फरहान 'लखनऊ सेंट्रल' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर मुरादाबाद में रहने वाले किशन मोहन गिरहोत्रा (फरहान) के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म को दर्शकों ने साफ नकार दिया था, वहीं समीक्षकों से भी इसे हरी झंडी नहीं मिली। 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म को 11 करोड़ कमाने में भी पसीने छूट गए थे। बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी ये फिल्म जियो हॉटस्टार पर मौजूद है।

'रॉक ऑन 2': साल 2016 में रिलीज हुई फरहान की 'रॉक ऑन 2' को काफी उम्मीदों के साथ बनाया गया था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना जादू नहीं चला पाई। नोटबंदी के समय रिलीज होने की वजह से दर्शक सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच पाए और फिल्म की कमाई बुरी तरह प्रभावित हुई। इसके अलावा कहानी और गाने भी 'रॉक ऑन' का मुकाबला न कर पाए। 40 करोड़ रुपये की लागत में बनी ये फिल्म बस 10 करोड़ रुपये जुटा पाई थी।

'वजीर' और 'दिल धड़कने दो': अमिताभ बच्चन के साथ आई फरहान की 'वजीर' ने 35 करोड़ की लागत में 41 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन औसत रहा। ये फिलम अमेजन प्राइम वीडियो और सोनी लिव पर है। उधर 'दिल धड़कने दो' में फरहान ने एक्टिंग भी की। वो फिल्म के डायलॉग राइटर और निर्माता भी थे। रणवीर सिंह भी इसमें अहम भूमिका में थे।

'सूर्या 47': पुलिसवाले बनकर 8 साल बाद पर्दे पर लौटेंगे सूर्या, एक्शन से भरपूर होगी फिल्म

मुंबई। दक्षिण सिनेमा के सुपरस्टार सूर्या पुलिसवाले बनकर फिर पर्दे पर धमाल मचाएंगे। उनकी नई फिल्म 'सूर्या 47' से जुड़ी जानकारी लोगों को उत्साहित करने आ गई है। फिल्म के निर्देशन की कमान जीतू माधवन संभाल रहे हैं। दोनों साथ मिलकर एक्शन, कॉप फिल्म बनाने की तैयारी में हैं, जिसकी शूटिंग दिसंबर, 2025 में शुरू हो सकती है। पुलिस अधिकारी के किरदार में सूर्या को 'सिंघम 3' में देखा गया था। यह फिल्म 8 साल पहले 2017 में रिलीज हुई थी।

'सूर्या 47' में ये अभिनेत्री आ सकती है नजर

रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी नाम वाली 'सूर्या 47' में मुख्य अभिनेत्री के रूप में नाजरिया नाजिम फहाद नजर आ सकती हैं। उन्हें सोनी लिव की हालिया वेब सीरीज 'द मद्रास मिस्ट्री' में देखा गया है। पहले चर्चा थी कि सूर्या और नाजरिया फिल्म 'पुरानानूरु' में काम करेंगे, लेकिन अब यह परियोजना रद्द हो गई है। सूर्या के काम की बात करें, तो अभिनेता को आखिरी बार फिल्म 'रेट्रो' में देखा गया था। यह फिल्म मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

केरल में फिल्मांकन शुरू होने की संभावना

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सूर्या 47' की शूटिंग 8 दिसंबर, 2025 से शुरू हो सकती है। टीम द्वारा अन्य जगहों पर जाने से पहले, फिल्मांकन केरल में शुरू होने की संभावना है। हालांकि ये अपडेट अटकलें हैं, क्योंकि निर्माताओं की तरफ से आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। यह बात अलग है, कि अगर अफवाहें सच हुईं तो सूर्या और जीतू की जोड़ी दोबारा साथ करेगी। इससे पहले दोनों फिल्म 'सोरारई पोटरु स्टार' और 'आवेशम' में काम कर चुके हैं।

शॉर्टलिस्ट होने वाली फिल्मों की घोषणा 16 दिसंबर को होगी

ऑस्कर 2026 में बड़ा बदलाव, मिलेगा ये खास पुरस्कार; कौन होगा जीत का हकदार?

लॉस एंजिल्स। फिल्मी दुनिया के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह ऑस्कर का इंतजार दुनियाभर के सिनेप्रेमियों को है। ऑस्कर 2026 से जुड़ीं आए दिन रोचक जानकारियां सामने आ रही हैं और अब इस पर ऐसा धमाकेदार अपडेट आया है, जिससे इस प्रतिष्ठित समारोह का इंतजार कर रहे प्रशंसक और बेसब्र हो जाएंगे। दरअसल, ऑस्कर 2026 अपने इतिहास में एक बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। 20 साल से अधिक समय के बाद पहली बार अकादमी अवॉर्ड्स में एक नई श्रेणी जोड़ी गई है।

कास्टिंग करने वालों को भी मिलेगा पुरस्कार

20 साल से ज्यादा समय के बाद ऑस्कर में एक नई श्रेणी जोड़ी गई है। इस नई श्रेणी का पुरस्कार कास्टिंग के लिए होगा। कास्टिंग अवॉर्ड का मतलब है कि उस फिल्म के लिए सबसे अच्छे अभिनेताओं और कलाकारों को चुनने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। ये पुरस्कार उन लोगों की मेहनत को पहचानता है, जो फिल्म के लिए सही कलाकारों का चुनाव करते हैं। इस श्रेणी के आने के बाद अब ऑस्कर में कुल 24 पुरस्कार होंगे।

कास्टिंग निर्देशक चुनेंगे ऑस्कर की टॉप 10 फिल्में

फिल्मों के लिए सही कलाकार चुनने वाले कास्टिंग निर्देशक ही तय करेंगे कि कौन-सी फिल्में इस पुरस्कार के लिए आगे बढ़ेंगी। ये लोग सबसे पहले 10 फिल्मों को शॉर्टलिस्ट करेंगे, बिल्कुल वैसे ही जैसे गाने, डॉक्यूमेंट्री, साउंड, विजुअल इफेक्ट्स, मेकअप, हेयर स्टाइलिंग और शॉर्ट फिल्म्स जैसी कुछ और श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए किया जाता रहा है। शॉर्टलिस्ट होने वाली फिल्मों की घोषणा 16 दिसंबर को होगी और फिर 22 जनवरी को नामांकन पाने वाली फिल्मों के नाम सामने आएंगे।

ऑस्कर 2026 भारत में कब और कहां देख सकेंगे?

ऑस्कर 2026 का मजा दोगुना करेंगे मशहूर कॉमेडियन कॉनन ओ'ब्रायन, जो खुद भी इस समारोह की मेजबानी करने की पुष्टि कर चुके हैं। ऑस्कर का आयोजन सोमवार, 16 मार्च 2026 को होगा। भारत में इस समारोह को सुबह 4:30 बजे से 7:30 बजे तक लाइव देखा जा सकेगा। इसके अलावा भारत की तरफ से करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया है।

साल 2001 के बाद से अब जुड़ी ऑस्कर में एक नई श्रेणी

अकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर एंड साइंसेज ने साल 2001 के बाद से अब तक कोई नई श्रेणी नहीं जोड़ी थी। 2001 में आखिरी बार बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म नाम से नई श्रेणी बनाई गई थी। अब इतने सालों बाद पहली बार कोई नई श्रेणी कास्टिंग अवॉर्ड जुड़ी है। इससे न केवल कास्टिंग निर्देशकों की मेहनत को मान्यता मिलेगी, बल्कि यह दर्शाता है कि ऑस्कर समय के साथ बदल रहा है और इंडस्ट्री के हर पहलू को सम्मान दे रहा है।

तीन दिवसीय फेड एक्सपो 2025 में 100 से अधिक औद्योगिक इकाईयों के उत्पादों का प्रदर्शन

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

फेडरेशन ऑफ एमपी चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) का गोविन्दपुरा इंडस्ट्री एरिया स्थित जीआईए एक्जीबीशन सेंटर में आयोजित फेड एक्सपो 2025 का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। आयोजित फेड एक्सपो 2025 में 100 से अधिक एमएसएमई अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे है।

फेडरेशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य उद्योगों, सरकारी उपक्रमों एवं एमएसएमई इकाइयों के मध्य आपसी संवाद, व्यवसायिक सहयोग और नये व्यापारिक अवसरों का सृजन करना है। कार्यक्रम में बीएसचईएल, भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, रेलवे, रक्षा प्रतिष्ठान, एचईजी, रेलवे, बीना रिफायनरी एवं अन्य बड़ी इकाईयां, राज्य शासन के विभागों तथा विभिन्न क्षेत्रीय औद्योगिक इकाइयों की सक्रिय भागीदारी है।

- *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ*
- *कई क्षेत्रीय औद्योगिक इकाईयों की सक्रिय भागीदारी*

फेड एक्सपो 2025 का दृश्य।

फेड एक्सपो 2025 का दृश्य।

रूस, ओमान, ताईवान समेत कई देशों के प्रतिनिधिमंडल हुए शामिल

एक्सपो में रूस से 10, ओमान से 4, ताईवान से 1 एवं अन्य कई देशों के उद्योग प्रतिनिधि शामिल है। इनके आने से प्रदेश की औद्योगिक इकाईयों को अंतरराष्ट्रीय उद्यमियों से व्यापारिक संबंध स्थापित करने का अवसर प्राप्त होगा। इस एक्सपो से भारत एवं विभिन्न देशों के मध्य औद्योगिक संबंध मजबूत होंगे एवं बाईलेटरल ट्रेड को बढ़ावा मिलेगा।

मेक इन इंडिया तथा तकनीकी नवाचारों पर सेमिनार

फेडरेशन के प्रबंध समिति सदस्य योगेश गोयल के अनुसार फेड एक्सपो में एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से वेंडर बनने के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही एक्सपो के दौरान विशेष सत्रों में सरकारी क्रय नीतियों, मेक इन इंडिया पहल तथा तकनीकी नवाचारों पर चर्चा की जाएगी। वेंडर डेवलपमेंट एवं बायर सेलर मीट के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां अपने प्रोक्योरमेंट प्लान, वेंडर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और सप्लाई चेन अवसरों को साझा करेंगी। इस दौरान आयोजित वर्कशाप एवं सेमिनार में नवाचार, तकनीकी उन्नयन, एमएसएमई वित्त, निर्यात प्रोत्साहन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

खबर संक्षेप

कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नाम ज्ञापन सौंपा

भोपाल। बिहार में आचार संहिता लागू होने के बाद भी जीविका दीदी स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं 18 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को मिलाकर लगभग 130 करोड़ रुपये की राशि 10,000 प्रति महिला सीधे खातों में वितरित की गई। यह चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला स्पष्ट उल्लंघन है। महाराष्ट्र सहित अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी सरकारें इसी प्रकार आचार संहिता की धज्जियां उड़ाकर चुनाव को अपने पक्ष में मोड़ने का कार्य कर रही हैं।
मध्यप्रदेश में 2023 के चुनाव में भी तत्कालीन सरकार ने लाड़ली बहना योजना के माध्यम से सरकारी धन का चुनावी उपयोग कर परिणाम प्रभावित किए।
सरकारी धन के ऐसे वितरण से चुनावों की निष्पक्षता समाप्त हो रही है। आचार संहिता को लेकर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नाम ज्ञापन सौंपा।

फीडर कैडर कर्मचारियों को सीएमओ का प्रभार सौंपा जाएगा

भोपाल। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी के रिक्त पदों के कारण व्यवस्थाओं को प्रभावित न होने देने के उद्देश्य से आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अब मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार संबंधित नगर निकायों में पदस्थ फील्ड कैडर के योग्य अधिकारियों को सौंपा जाएगा।
जारी आदेश के अनुसार फील्ड कैडर के जिन पदों को मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रभार देने के लिए उपयुक्त माना गया है उनमें राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, कार्यालय अधीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, सहायक वर्ग-1, मुख्य लिपिक सह लेखापाल व लेखापाल शामिल हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

15 हजार किलोमीटर की यात्रा कर वापस भारत लौटा 'मारीच'

भोपाल। आसमान की ऊंचाइयों को चीरता हुआ 'मारीच' एक बार फिर हिंदुस्तान लौट आया है। मार्च 2025 में इस गिद्ध को विदिशा-रायसेन की सीमा से वैज्ञानिक ट्रैकिंग के उद्देश्य से छोड़ा गया था। चार देशों का लंबा सफर तय करने के बाद लगभग यह गिद्ध 15,000 किलोमीटर की विस्मयकारी उड़ान पूरी कर भारत वापस पहुंचा है। इसकी हर गतिविधि, दिशा और यात्रा को सौर ऊर्जा से चलने वाले उन्नत जीपीएस सिस्टम ने लगातार रिकॉर्ड किया। डीएफओ हेमंत यादव के अनुसार मारीच ने अपनी प्रवासी यात्रा के दौरान अफगानिस्तान, पाकिस्तान सहित कई देशों के आसमान को पार किया। वह कभी बंजर पहाड़ियों के ऊपर से तो कभी दुर्गम सीमाई इलाकों से होता हुआ अंततः उसी भूमि पर लौट आया है, जहां से उसका सफर शुरू हुआ था।
जीपीएस डेटा के अनुसार यह गिद्ध फिलहाल भारत की सीमा में है और वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ उसकी हर हलचल पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। मारीच की सुरक्षित वापसी ने वन्यजीव विशेषज्ञों और संरक्षणकतार्ओं में उत्साह भर दिया है।

सीएम डॉ. यादव ने आदर्श ग्राम पंचायत कागपुर को दी नए हाट बाजार की सौगात

मप्र की समृद्धि के लिए गांवों को विकास की धारा से जोड़ा जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री ने कागपुर में 39.80 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, बहनों और युवाओं के कल्याण के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को विकास और स्वावलंबन की धारा से जोड़ा जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार ने अनेक किसान हितैषी निर्णय लिए हैं। किसानों को भावांतर योजना की राशि दी जा रही है। प्रदेश के हर गांव और हर खेत को पानी मिले, यही हमारी सरकार का संकल्प है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदिशा के कागपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कागपुर में मप्र टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से वॉटर पार्क बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बड़े पैमाने पर जल स्त्रोतों का संरक्षण किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक आदर्श वृंदावन ग्राम विकसित करने के लिए सरकार कार्य कर रही है। शुक्रवार को शमशाबाद का कागपुर जनसहयोग से श्रेष्ठतम ग्राम बनने का एक आदर्श उदाहरण है। सर्व सुविधा युक्त इस गांव को नए हाट बाजार की सौगात मिली है, जिसमें 128 दुकानें तैयार की गई हैं। यह बाजार आसपास की बड़ी आबादी के लिए हाट बाजार का प्रमुख केंद्र है।

खास बातें
- दो हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप सौंपी चाबी
- हर गांव की खुशहाली राज्य सरकार की प्राथमिकता

विकास कार्यों का शुभारंभ करते सीएम डॉ. यादव व मंत्री पटेल।

किसानों को भावान्तर योजना से मिल रहा फसलों का उचित मूल्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर में आदर्श ग्राम योजना के तहत 5.75 करोड़ लागत के हाट बाजार का लोकार्पण किया। उन्होंने 2 हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप दुकानों की चाबी सौंपी। साथ ही विदिशा जिले के लिए 34 करोड़ लागत से 135 नवीन स्वीकृत सामुदायिक भवनों का भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को भावान्तर योजना के माध्यम से फसलों का उचित दाम दे रही है।

जल स्रोतों के विकास का कार्य हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के विकास का कार्य किया गया है। केन-बेतवा परियोजना से विदिशा जिले में सिंचाई के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। हर ग्राम पंचायत में वर्ष 2026 तक श्मशान घाट और सड़कों सहित सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएगी।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों, लखपति दीदियों, पशुपालकों से किया संवाद

लखपति दीदियों को चेक वितरित करते सीएम।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर प्रवास के दौरान लाड़ली बहनों, लखपति दीदीयों, पशुपालकों से संवाद किया। लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री का प्रतिमाह 1500 रुपए देने पर आभार माना। संवाद में मुख्यमंत्री ने लखपति दीदीयों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और पशुपालकों को उनके हित में संचालित योजनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कागपुर बगिया में आम का पौधा रोपा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कागपुर उद्यान में तालाब के विहंगम दृश्य का अवलोकन भी किया।

पहली बार तीन मंजिला पंचायत भवनों का हो रहा निर्माणः मंत्री पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत पहली बार पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के तीन मंजिला भवन निर्माण की शुरुआत की गई है। इन भवनों को डिजाइन के अनुरूप मजबूत आधार प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार से 5वें वित्त की 6 हजार करोड़ राशि पंचायतों को मिल रही है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह ने कहा कि पहले 450 लोगों की आबादी वाले उनके गांव कागपुर में पेयजल की समस्या रहती थी। शिक्षा, पेयजल सुविधाओं के के साथ अब कागपुर को आज हाट बाजार की सौगात मिल रही है।

नागरिकों, संगठनों के सुझाव वित्त विभाग को भेजे जाएंगे

बजट बनाने सरकार ने मांगे सुझाव, पारंपरिक व्यवसाय को बढ़ावा देने पर कर रहे फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अगले साल पेश होने वाले एमपी के बजट को लेकर मोहन सरकार ने प्रदेश के युवाओं, नागरिकों, संगठनों से सुझाव मांगे हैं। यह सुझाव ई मेल और पत्रों के जरिए राज्य सरकार के वित्त विभाग को भेजे जा सकेंगे। सरकार ने कहा है कि उन सभी सुझावों पर सरकार अमल करेगी जो प्रदेश के ग्रामीण विकास, पारंपरिक व्यवसायों के पुनरुद्धार, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता, गोचर भूमि के सुरक्षित उपयोग से जुड़े होंगे। साथ ही स्थानीय पर्यटन, धार्मिक-ऐतिहासिक धरोहरों के विकास, पुराने शहरों के पुनर्विकास, सड़कों एवं गलियारों के चौड़ीकरण, अतिक्रमण मुक्त मॉडल, शहरी अधोसंरचना, प्रशासनिक सुधार और राजस्व वृद्धि वाले सुझावों को भी वरीयता दी जाएगी।

वित्त विभाग द्वारा इन दिनों बजट की तैयारियों को लेकर विभागों के सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अफसरों से चर्चा शुरू की गई है। इस बीच विकसित मध्यप्रदेश 2047 के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 बजट तैयार करने में हर साल की तरह इस वर्ष भी नागरिकों की भागीदारी तय करने का फैसला किया गया। नागरिक अपने सुझाव टोल फ्री नंबर 0755-2700800, डाक के माध्यम से भी भेज सकते हैं। सुझाव देने की अंतिम तारीख 18 दिसम्बर 2025 है।

अर्थव्यवस्था में सुधार पर ध्यान आर्थिक नियोजन की तैयारी

योजनाओं और परियोजनाओं को पूरी करने में जुटी सरकार ने सुझाव मांगने के साथ कहा है कि विकसित प्रदेश बनाने के लिए प्रदेश के वित्तीय प्रशासन का एक मजबूत ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसके लिए अभी से एक आर्थिक नियोजन की तैयारी करना आवश्यक होगा।

इन बिन्दुओं पर जनता से विशेष मार्गदर्शन मांगा

राज्य सरकार ने हरित ऊर्जा के विस्तार, विद्युत वितरण प्रणालियों में सुधार, स्मार्ट मीटर, वास्तविक बिलिंग, पुराने तारों के स्थान पर सुरक्षित केबल लाइन, ई-परिवहन को बढ़ावा और सड़क नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण जैसे क्षेत्रों में जनता से विशेष मार्गदर्शन मांगा है।

कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य एवं पशुपालन, औषधि निर्माण के लिए भी सुझाव मांगे

प्रदेश के नागरिक कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य एवं पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, निर्यात उन्मुख उद्योगों, वनोपज प्रसंस्करण, औषधि निर्माण तथा अन्य संभावित स्थानीय उद्योगों के विकास से जुड़ी अवधारणाओं को साझा करने के लिए भी आमजन को प्रोत्साहित किया गया है। नदियों, तालाबों एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण-संवर्धन तथा स्थानीय पर्यटन, धार्मिक-ऐतिहासिक धरोहरों के विकास से संबंधित सुझाव भी बजट निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

सांसद पाटिल एवं विधायक पटेल ने यात्रियों का किया स्वागत

ओंकारेश्वर में पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने और पर्यटकों को त्वरित, सुगम और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर भोपाल से "पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा" का शुभारंभ किया था। इसके तहत ओंकारेश्वर में शुक्रवार को हेलीकॉप्टर से उज्जैन से पांच तीर्थयात्रियों का आगमन ग्राम कोठी के हेलीपैड पर हुआ।

खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और मांधाता विधायक नारायण पटेल ने हेलीकॉप्टर से आने वाले सभी तीर्थयात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, पुनासा एसडीएम पंकज वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओंकारेश्वर एवं सहायक

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का स्वागत करते सांसद, विधायक

कलेक्टर डॉ. कृष्णा सुशीर, ओंकारेश्वर नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा परिहार तथा जनपद अध्यक्ष पुनासा एवं राजा मांधाता राव पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि पार्षदगण एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे। हेलीकॉप्टर से आए 5 तीर्थ यात्रियों ने ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मुकेश काशिव एवं मंदिर ट्रस्ट के आशीष दीक्षित ने सभी यात्रियों का माल्यार्पण कर एवं प्रसाद श्रीफल भेंट कर स्वागत किया।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोंडागांव

जिले के अटल आवास में रहने वाले युवक ने बीती रात अज्ञात कारणों के चलते घर से कुछ दूरी पर जाकर पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी शनिवार की सुबह आसपास के लोगों को लगी।

पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि चारामा का उत्तम पटेल (35) कई वर्षों से कोंडागांव अटल आवास में निवास कर रहा था, उसके पत्नी और दो बच्चे भी है। कुछ दिन पहले पत्नी से हुए विवाद के बाद पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई। वहीं, ऐसा बताया जा रहा है कि उत्तम के द्वारा ली गई गाड़ी का पैसा जमा नहीं करने के कारण कंपनी के द्वारा गाड़ी भी ले ली गई थी। इन वजहों से वह परेशान चल रहा था। वहीं, बीती रात उत्तम अपने घर से दूर पेड़ पर जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जानकारी लगने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नेशनल हाइवे पर बाइक को मारी टक्कर, फरार

तेज रफ्तार ट्राले ने ली युवती की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

खुर्सीपार थाना क्षेत्र में सुबह नेशनल हाईवे में एक तेज रफ्तार ट्राले ने पीछे से बाइक को ठोकर मार दी। बाइक में सवार युवती सड़क पर गिर गई और ट्रक ने उसे कुचल दिया। युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ट्राला चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना में जुट गई है। वहीं फरार ट्राला चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सुबह युवती साक्षी द्विवेदी भिलाई पावर हाउस से भिलाई 3 जाने के लिए अपने पिता के साथ बाइक पर जा रहे थे। इसी दौरान पावर हाउस ओवर ब्रिज से उतरने के बाद चंद्रा क्रेन के ठीक सामने नेशनल हाईवे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्राले के द्वारा बाइक को ठोकर मार दी गई इस हादसे में साक्षी द्विवेदी सड़क पर गिर गई और ट्राला उसके सिर के ऊपर से गुजर गई। इस घटना में युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतका साक्षी द्विवेदी का विवाह होने के बाद राजनांदगांव में रहती थी और अपनी बीमार मां को देखने मायके

आती थी। मृतका निजी कंपनी में एचआर थी। मृतका शनिवार और रविवार को छुट्टी होने के चलते अपने मायके आती-जाती थी। घटना के समय वह अपने पिता के साथ पावर हाउस से भिलाई 3 जा रही थी। इसी दौरान सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मृतका का शव पंचनामा कार्रवाई करते हुए पीएम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

तेज रफ्तार बुलेट गड्ढे में गिरी, मौत

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ग्रामीण की तेज रफ्तार बुलेट गड्ढे में गिर जाने की घटना में चालक की मौत हो गई। भतीजे की रिपोर्ट पर पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, राम लकड़ा ने लैलूंगा थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि वह बिछीनारा का रहने वाला है। राम ने बताया कि उसका चाचा जोहन लकडा बुलेट से अपनी दादी शाषिता तिग्गा के घर ग्राम पिपराही आया हुआ था। जहां से शाम करीब 5:30 बजे के आसपास वह अपने गांव बिछीनारा लौट रहा था। बाइक सवार जोहान लकड़ा जब ग्राम सुबरा कटंगपारा के पास पहुंचा ही था कि मोड़ आने से वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बाइक गड्ढे में जा गिरी। उसके सिर, नाक और मुंह में गंभीर चोट आने पर उसे अस्पताल ले जाया गया।

राज्यपाल पटेल से मिले प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर

भौतिक सुविधाओं का सुख क्षणिक, अच्छे व्यक्तियों को मिलता है उच्च स्तरीय सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हर समय, हर समाज में अच्छे व्यक्तियों का सदैव सम्मान होता है। संवेदनशीलता पूर्वक किए सेवा कार्यों से आत्मिक आनंद मिलता है। भौतिक सुविधाओं का सुख क्षणिक होता है। पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ सीखना ही भावी जीवन की सफलताओं का आधार है।

प्रशिक्षण के दौरान छोटी सी चूक भविष्य की बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। राज्यपाल पटेल शुक्रवार को राजभवन में आए आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों को

राज्यपाल का संबोधन।

संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और अपर सचिव उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रकृति के जीवों में सबसे शक्तिशाली मानव है, जिसे बुद्धि और वाणी के रूप में अद्वितीय शक्ति मिली है।

सिविल सेवक सरकार और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी

राज्यपाल ने कहा कि भावी जीवन में सदैव सीखने और अनुभवों से समझने का भाव रहना चाहिए। महत्वपूर्ण उपयोगी व्यवहारिक ज्ञान समाज के सबसे वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से ही मिलता है। सुशासन का आधार होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा योजनाओं का निर्माण वंचित, गरीब और पिछड़े व्यक्तियों, समुदायों की मदद और उत्थान के उद्देश्यों से होता है।

पुलिस टीम ने की छापेमारी, मौके से पकड़ाए आरोपी

बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिले में चल रहे ऑपरेशन निश्चय के तहत खरोरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अवैध शराब कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में देशी मदिरा जब्त की गई है। इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना खरोरा पुलिस ने किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भैंसा, अमसेना और खरोरा क्षेत्र में अवैध शराब बेची जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी करते हुए आरोपियों को पकड़ लिया।

कार्रवाई के दौरान खीरलाल ढीढी, निवासी अमसेना, के कब्जे से एक प्लास्टिक बोरी में रखे 62 पौवा शोले देशी मसाला शराब बरामद हुई। इसकी मात्रा 11.160 लीटर बताई गई है और कीमत लगभग 6200 रुपये आंकी गई है। इसी तरह श्रवण कुमार सोनवानी, निवासी खरोरा, से पुलिस ने 40 पौवा अवैध देशी शराब जब्त की, जिसकी मात्रा 7.200 लीटर और बाजार कीमत करीब 4000 रुपये है। जांच के दौरान पुलिस ने गणेश राम नारंग को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से 18 पौवा देशी मसाला शराब बरामद की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 1800 रुपये बताया जा रहा है। आरोपियों से जब शराब रखने के संबंध में दस्तावेज मांगे गए तो कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही शराब जब्त करते हुए तीनों को गिरफ्तार किया और उनकी गिरफ्तारी की सूचना परिजनों को दी। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन निश्चय के तहत अवैध शराब, ड्रग्स, जुआ और असामाजिक गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं। गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है। गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है। इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि माता - पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- **बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**
- **भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्तूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

हर माह 10,000 रुपये की बचत, बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख का फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर लाखों का फंड बना सकते हैं। दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है। आइए जानते हैं...

पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं। आज हम आपको दो ऐसी स्कीम में बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। यह दोनों स्कीम सरकारी स्कीम है। ऐसे में यहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम के बारे में. दोनों ही स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं और दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है।

पीपीएफ और एसएसवाई में रिटर्न

पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है और एसएसवाई में 8.2 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। पीपीएफ में कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है लेकिन एसएसवाई में केवल माता-पिता अपना 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर निवेश कर सकते हैं। दोनों ही स्कीम में 1000 रुपये से 150 लाख रुपये प्रति वर्ष निवेश किया जा सकता है।

ऐसे बढ़ेगा आपका फंड

अगर आप हर महीने 10,000 रुपये की बचत कर 5-5 हजार रुपये दोनों स्कीम में 15 सालों तक निवेश करते हैं तो आप 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक पीपीएफ में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 16.27 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 7.27 लाख रुपये का लाभ होगा। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक एसएसवाई में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 27.71 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 18.71 लाख रुपये का लाभ होगा। इस तरह से आप 15 साल में कुल 43.98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।

लॉन्ग टर्म एसआईपी करोड़पति तो बना देगी, लेकिन उस पर टैक्स कितना भरना पड़ेगा?

एक्सपर्ट्स की राय

बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में करोड़ों का फंड बनाया जा सकता है। आजकल वित्तीय एक्सपर्ट्स भी एसआईपी में निवेश करने की सलाह देते हैं। निवेशकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एसआईपी में निवेश करने के फायदे गिनाऐ जाते हैं। यह सुनकर तो बहुत अच्छा लगता है कि 20-25 साल लगातार एसआईपी में निवेश करने के बाद आपके पास करोड़ों रुपए का फंड जमा हो जाएगा, आप करोड़पति बन जाएंगे। लेकिन आपको यह नहीं बताया जाता है कि एसआईपी रिटर्न जब आपको मिलेगा तब आपको कितना टैक्स भरना पड़ेगा। लॉन्ग टर्म में कमाई गई आई पर आपको टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा जिससे आपका रिटर्न कम हो जाएगा।

रिटर्न के साथ टैक्स का भुगतान

लंबे समय के बाद आप यदि एसआईपी पर भारी भरकम मुनाफा कमाते हैं तो उस पर आपको टैक्स का भुगतान करना ही पड़ेगा। इसीलिए आपको पहले ही समझ जाना चाहिए की लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स सिस्टम के अंतर्गत एसआईपी रिटर्न पर आपको कितना टैक्स देना पड़ेगा और कितना रिटर्न आपको मिल सकता है।

उदाहरण से समझिये पूरा गणित

मान लेते हैं कि आप हर महीने 15000 एसआईपी में निवेश करते हैं। यह एसआईपी लगातार 20 साल तक जारी रखी जाती है। और यदि इस पर आपको 12% की दर से औसतन रिटर्न भी मिले तो 20 साल बाद मिलने वाला ब्याज सहित कुल रिटर्न 1,49,87,219 हो जाएगा। प्लीज रिटर्न पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स का भुगतान करना होगा। नियम के अनुसार यदि आपका लाभ 1 साल से ज्यादा के निवेश पर 1,25,000 से ज्यादा है तो उस पर आपको 12.5% टैक्स के साथ 4% सेस का भी भुगतान करना पड़ेगा। यानी 1,49,87,219 में से 1,25,000 हटाने के बाद बची राशि पर आपको 12.5% टैक्स और 4% सेस का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद भी आपको एक करोड़ से ज्यादा का रिटर्न तो मिलेगा ही लेकिन आपका रिटर्न थोड़ा कम हो जाएगा। इसलिए यदि आप लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी कर रहे हैं तो अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में यह भी शामिल करें कि उसे एसआईपी पर आपको बाद में टैक्स का भुगतान भी करना पड़ेगा।

जॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

नई दिल्ली: भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा। क्योंकि इस पर कैशबैक के साथ ही ईएमआई तक की सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।

योजना

बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट काड्र्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-साथ

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉर्ड्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्तें हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है।

एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अपूर्व नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तबदील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर (म. प्र.)
Phone- 0761-2668554, E-mail: ccfre.jbp@mp.gov.in

क्र. / स्टोर / 2025 / 3348 **ई-निविदा सूचना** जबलपुर, दिनांक / 20.11.25

1. निविदा प्रपत्र म.प्र. शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in से डाउनलोड करें।
2. यह निविदा सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर के अंतर्गत आने वाले जिलों की रोपणियों में पौधा तैयारी कार्यों के सम्पादन में उपयोग होनी वाली सामग्री (पॉलीथिन बैग्स, एल.डी.पी.ई. शीट्स, रूट ट्रेनर ट्रे, रूट ट्रेनर स्टैंड) के क्रय हेतु समस्त सामग्री सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर में प्रदाय हेतु आमंत्रित की जा रही है।
3. सामग्री क्रय हेतु निविदा को निर्धारित प्रारूप में वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑन-लाईन पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है।
4. निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रुपए 500/- है, निविदाऐं ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेंगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होंगी।
5. निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार हैं :-

विवरण	दिनांक	समय
Tender Publishing Date and Time	26-11-2025 03.00 PM	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in तथा www.mpforest.gov.in पर दर्शित है।
Document Download Tender Sale Start Date and Time	27-11-2025 12.00 PM	
Bid Submission Start Date and Time	27-11-2025 05.00 PM	
Pre-Bid Meeting Date and Time	07-12-2025 12.00 PM	
Bid Submission Close Date and Time	11-12-2025 02.00 PM	
Bid Technical Openning Date and Time	12-12-2025 03.00 PM	

G-21834/25 "स्वच्छता ही सेवा" **वनमंडल अधिकारी सामाजिक वानिकी वृत्त, जबलपुर**

बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी विधायक हुमायूं ने किया यह ऐलान

6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे, भाजपा ने कहा- नामंजूर

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी के विधायक हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी जाएगी, जिसमें करीब दो लाख लोग शामिल होंगे, जिनमें 400 प्रमुख हस्तियां मंच पर उपस्थित रहेंगी। । उन्होंने कहा कि इस मस्जिद के निर्माण में 3साल का समय लगेगा। टीएमसी विधायक के इस बयान पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। इस बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और इसे टीएमसी की तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति करार दिया।

कबीर ने कहा मस्जिद के निर्माण में 3 साल लगेंगे

भाजपा बोली- टीएमसी कर रही तुष्टिकरण और धर्म की राजनीति

यह भी बोले- 40 प्रमुख हस्तियां आएंगी

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर

6 दिसंबर को विशाल रैली करेगी टीएमसी

टीएमसी बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर 6 दिसंबर को एक विशाल रैली आयोजित करने जा रही है। इसे एकता दिवस नाम दिया गया है। टीएमसी का कहना है कि इस बार पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इसकी जिम्मेदारी अपने छात्र और युवा विंग को सौंपी है।

बाबर लुटेरा था, कुछ भी अस्वीकार्यः सिंह

भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने कहा कि 'अगर कहीं बाबरी मस्जिद बनती है, तो हम वहां मंदिर बनाएंगे। उन्होंने कहाकि बाबर एक लुटेरा था और उसके नाम पर कुछ भी बनाना अस्वीकार्य है। कबीर के विरोध में बरहामपुर में राम मंदिर बनाने का ऐलान किया है।

टीएमसी धर्म के नाम पर राजनीति कर रहीः पॉल

भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कोई भी मंदिर-मस्जिद का निर्माण करा सकता है, लेकिन टीएमसी धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है। सवाल ये है कि टीएमसी ने अब तक अल्पसंख्यकों के लिए क्या किया?

मस्जिद का राजनीतिकरण किया जा रहाः सिन्हा

भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि 'कोई भी मस्जिद बना सकता है, लेकिन इसकी सही जगह होनी चाहिए। कोई अपने धर्म का पालन करता है तो हमें उससे कोई दिक्कत नहीं है। जो मस्जिद का राजनीतिकरण कर रहे हैं, वे मुस्लिम धर्म का अपमान कर रहे हैं।

बाबर के समर्थक सिर्फ बाबरी की बात करेंगेः जिलानी

भाजपा नेता यासर जिलानी ने कहा कि बाबर के चाहने वाले बाबरी की बात करेंगे। उन्हें नहीं पता कि बाबर और बाबरी का इतिहास दोहराया नहीं जा सकता। टीएमसी के अंदर भगदड़ मची हुई है। उन्हें पता है कि इस बार बनर्जी की सरकार गिर रही है।

कांग्रेस संविधान की बात करती हैः अजय लल्लू

कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने कहा कि हम पूरी तरह से स्पष्ट हैं। हम रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, महिलाएं, किसानों के साथ समावेशिता और समानता की बात करते हैं। कांग्रेस हमेशा से संविधान की बात करती है और चुनाव भी इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाए।

संत समाज में आक्रोश

तो चली जाएगी ममता बेनर्जी की सरकार

मस्जिद निर्माण पर अयोध्या के कुछ संतों का कहना है कि 'बाबरी' नाम स्वीकार्य नहीं है। यह पुराने विवादों को दोबारा उभारने का प्रयास है। समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होगा। इसकी जांच हो किसमर्थन कौन दे रहा है। विवाद बढ़ा तो ममता सरकार खतरे में पड़ सकती है।

खबर संक्षेप

37 साल के सिंगर हरमन सिद्धू की मौत

मानसा। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी एक दिल दहला देने वाली खबर है। फेमस गायक हरमन सिद्धू का 37 वर्ष की आयु में सड़क हादसे में निधन हो गया। यह भीषण दुर्घटना शुक्रवार देर शाम हुई, जब वे मानसा से पैतृक गांव ख्याला लौट रहे थे। रास्ते में उनकी कार की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

9वीं मंजिल से गिरने से कोटा में छात्र की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले से एक और इंजीनियरिंग छात्र की मौत की खबर है। जवाहर नगर इलाके में शुक्रवार को हाईराइज़ इमारत से एक 17 वर्षीय छात्र गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उसने आत्महत्या की है या फिर यह कोई हादसा था। फिलहाल शहर में सनसनी फैल गई है।

तुझे जान से मार दूंगी प्रिंसिपल ने दी धमकी

हापुड़। उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ से गुरू-शिष्या का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें गुरु अपनी शिष्या को धमकी दे रही हैं। इसमें वह कह रही हैं कि मुझसे बदतमीजी की, या मेरा हाथ पकड़ा, तो तुझे अभी यहीं जान से मार दूंगी। इस धमकी के बाद से शिष्या काफी डरी हुई है, जबकि अभिभावक भी इस धमकी से सन्न हैं।

मुंबई व आसपास क्षेत्रों में तेंदुए की दहशत

मुंबई। महाराष्ट्र में तेंदुए को लेकर इमरजेंसी जैसे हालात हैं। एक तरफ राज्य कैबिनेट तेंदुए को राज्य आपदा के तौर पर घोषित करने जा रही है तो वहीं अब ग्रामीण इलाकों से दूर मुंबई के आसपास के एमएमआर रीजन इलाकों में भी तेंदुआ दिखाई देने लगा है, जिसके चलते गाववाले और स्थानीय शहर के लोग दहशत में हैं।

मेट्रो रेल परियोजनाओं पर पुनर्विचार करें पीएम

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके.स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को खारिज करने के केंद्र सरकार के फैसले के प्रति अपनी निराशा जताई। स्टालिन ने मोदी से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि इसे लेकर जनता में भारी नाराजगी है।

संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार लाएगी 10 नए बिल

परमाणु क्षेत्र में निजी कंपनियों के प्रवेश की राह होगी आसान, उच्च शिक्षा में भी होंगे बदलाव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार कई नए बिल पेश करने वाली है। इसके साथ पिछले सत्र के दो बिल भी इस बार विचार और पारित होने के लिए सूचीबद्ध हैं। वित्त वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी पेश किया जाएगा। शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है और सरकार इस बार 10 नए विधेयक (बिल) पेश करने की तैयारी में है। इनमें सबसे अहम है 'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025', जो देश के नागरिक परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का रास्ता बनाएगा। अब तक यह क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहा है। सरकार का कहना है कि यह नया कानून परमाणु ऊर्जा के उपयोग, नियमन के ढांचे को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे देश में ऊर्जा उत्पादन और तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल हैं। परमाणु ऊर्जा विधेयक परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है।

सत्र 1 से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा

इस सत्र में 15 बैठकें होने की संभावना

मध्यस्थता कानून में भी संशोधन का प्रस्ताव

संसद भवन

सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में भी बदलाव लाने पर विचार कर रही है। ज्यादा स्पष्टता के लिए एक समिति को इसकी समीक्षा का काम दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी तथा सेक्शन 34 में संशोधन की आवश्यकता को देखते हुए नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

सड़कों, कंपनियों और बाजार से जुड़े अहम संशोधन

सरकार कुछ पुराने कानूनों को भी आसान और आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाने जा रही है। इसमें कई अहम बिल शामिल हैं।

- नेशनल हाईवेज (संसोधन) बिल- राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए जमीन अधिग्रहण को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने का लक्ष्य।
- कॉरपोरेट लॉज (संसोधन) बिल, 2025- कंपनियों अधिनियम 2013 और एलएलपी एक्ट 2008 में बदलाव के जरिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना।
- सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड बिल, 2025- सेबी अधिनियम, डिपॉजिटरी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध विनियमन अधिनियम-पुराने कानूनों को एक ही 'सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड' बनाने का प्रस्ताव। इससे बाजार से जुड़े नियम सरल-समान होंगे।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी

परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, शायद सबसे महत्वपूर्ण विधेयक है, जिसका उद्देश्य भारत के बहुत ज्यादा प्रतिबंधित परमाणु ऊर्जा उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलना है। इसके अलावा सरकार कई और विधेयक ला सकती है, जिसमें मार्केट्स कोड बिल काफी महत्वपूर्ण है। इसके जरिए सरकार महत्वहीन हो चुके पुराने कानूनों में बदलाव कर उसे आसान बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को ज्यादा स्वायत्तता मिलेगी

सत्र के एजेंडे में हायर एजुकेशन कमीशन ऑफ इंडिया बिल भी शामिल है। लोकसभा के बुलेटिन के मुताबिक यह बिल ऐसे आयोग की स्थापना करेगा, जो विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अधिक स्वायत्तता दे, उन्हें स्वतंत्र और स्वयं-शासित संस्थान बनने में मदद करे और मान्यता की प्रक्रिया को पारदर्शी और मजबूत बनाए। यह प्रस्ताव काफी समय से सरकार की योजना में रहा है और अब इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में शामिल

विधि मंत्रालय ने कहा कि कानून की धारा 34 में प्रस्तावित संशोधन और कंपनी निदेशकों पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के कारण सरकार को इस मुद्दे को एक समिति के पास भेजना पड़ा है। प्रस्तावित संशोधन इसी का परिणाम है। पिछले सत्र के दो विधेयक भी विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध हैं। बुलेटिन के अनुसार, वर्ष का पहला अनुपूरक बजट भी एजेंडे में है।

नड्डा बोले भाजपा ने दिलाया सम्मान

एकता दौड़ को भाजपा अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को भुलाया,जान-बूझकर दबाया

'एट द रेट 150 यूनिटी मार्च' शुरू किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका को याद करते हुए आरोप लगाया कि स्वतंत्रता के बाद चार दशकों तक कांग्रेस ने पटेल के योगदान को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही वह नेता हैं जिन्होंने सरदार पटेल को सही सम्मान दिलाया है। कार्यक्रम में नड्डा ने 'एट द रेट 150 यूनिटी मार्च' को हरी झंडी दिखाकर पटेल की जयंती का शुभारंभ भी किया। नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी के समय देश 562 रियासतों में बंटा था और ब्रिटिश शासन चाहता था कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। लेकिन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर हमला

नड्डा ने आरोप लगाया कि 1950 से 1991 तक कांग्रेस सत्ता में रही, लेकिन किसी प्रधानमंत्री ने पटेल को भारत रत्न देने का निर्णय नहीं लिया। राजनीतिक साजिशें रची गईं ताकि पटेल को इतिहास में वह स्थान न मिले।इस अन्याय को खत्म करने का काम मोदी ने किया है।

मोदी सरकार ने दिया उन्हें उचित सम्मान

नड्डा ने कहा कि मोदी ने पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए केवड़िया में दुनिया की सबसे ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रतीक भी है। मोदी ने ही पटेल को सही सम्मान दिया।

पटेल की विरासत पर जोर

नड्डा ने कहा कि पटेल ने विभाजित हिंदुस्तान को एक मजबूत राष्ट्र में बदल दिया। देश को विदेशी मानसिकता और बिखराव से आजाद किया। आज जब देश उनकी जयंती मना रहा है, तब यह याद करना जरूरी है कि उनका योगदान देश की एकता और अखंडता की नींव है।

एकता मार्च का संदेश

नड्डा ने कहा कि ' यूनिटी मार्च' का उद्देश्य युवा पीढ़ी को पटेल के योगदान से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि देश आज जिन चुनौतियों से गुजर रहा है, उसमें पटेल की सोच और निर्णायक नेतृत्व प्रेरणा का स्रोत है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

पीएमएलए के तहत आरोपी न होने के बावजूद ईडी को तलाशी का अधिकार

अपीलेड ट्रिब्यूनल के आदेश के विरुद्ध ईडी की अर्जी पर की सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में तलाशी लेने के धन शोधन एक्ट (पीएमएलए) के प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम निर्णय पारित किया है। पीएमएलए अपीलेड ट्रिब्यूनल के आदेश के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि अभियोजन शिकायत में नाम न होने पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीएमएलए के तहत तलाशी हो सकती है। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी व न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा कि तलाशी का प्रावधान उन पर भी लागू होता है, जो संबंधित अपराध या मनी लॉन्ड्रिंग का अपराधी न हों।

कोर्ट ने धारा को परिभाषित किया

दिल्ली हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि धारा-17 यह नहीं कहती कि तलाशी केवल उस व्यक्ति के परिसरों में की जा सकती है, जिसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई हो या रिपोर्ट संबंधित मजिस्ट्रेट कोर्ट को भेजी गई हो।

पांडेय के मामले में अदालत ने यह कहा

अदालत ने उक्त टिप्पणी दिवंगत अमलेंदु पांडेय के परिसर से जब्त नकदी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को डी-फ्रीज करने के ट्रिब्यूनल के निर्देश के विरुद्ध ईडी की अपील याचिका पर की।

ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द किया

ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द करते हुए पीठ ने कहा कि ईडी ने इस मामले में तलाशी इसलिए ली थी क्योंकि संबंधित अधिकारी को पता था कि मनी लांड्रिंग गतिविधियां अभी भी चल रही थीं। तलाशी फरवरी 2016 की थी और यह 2011 में पहले से अदालत में भेजी गई शिकायत के परिणामस्वरूप हुई थी। अदालत ने ट्रिब्यूनल को ए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया।

राष्ट्रपति ने सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया

लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने को प्रेरित किया, मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा बताया

निस्वार्थ सेवा कर निस्वार्थ प्रेम का संदेश दें

एजेंसी ▶▶ पुट्टपर्थी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश में सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में राष्ट्रपति ने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने इस विश्वास पर जोर दिया कि 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। उन्होंने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

सत्यसाईं समारोह में राष्ट्रपति

आध्यात्मिकता को जन कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया था। इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं।

विश्व हमारी पाठशाला है मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम

श्री सत्य साईं बाबा के जीवन और उसके संदेश पर राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साईं बाबा का संदेश, सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव सहायता करो और कभी किसी को कष्ट न पहुंचाओ, शाश्वत और सार्वभौमिक है। सत्य साईं का मानना था कि विश्व ही हमारी पाठशाला है और सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा ये 5 मानवीय मूल्य हमारे पाठ्यक्रम हैं।

ट्रंप-ममदानी की मुलाकात पर थरूर ने किया पोस्ट

भाजपा ने लिया हाथोंहाथ और राहुल से कहा- 'संदेश मिला क्या?

थरूर ने लोगों का सम्मान करने, राष्ट्रहित में काम करने की कही थी बात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क मेयर जोहरान ममदानी की मुलाकात को लेकर किए गए पोस्ट को भाजपा ने हाथोंहाथ लिया है। भाजपा ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सवाल दागा कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'संदेश समझ में आएगा'? थरूर ने अमेरिका में राजनीतिक साझेदारी के प्रदर्शन की तारीफ की थी। ट्रंप की व्हाइट हाउस में न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर और अपने कट्टर आलोचकों में से एक ममदानी से मुलाकात वाली एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने मतदाताओं की इच्छा का सम्मान करने और राष्ट्र के बेहतर हित के लिए काम करने की बात कही थी।

मैं अपनी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा

शशि थरूर

थरूर ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकतंत्र को इसी तरह काम करना चाहिए। बयानबाजी पर बिना किसी रोक-टोक के चुनावों में अपने नजरिए के लिए जोश से लड़ें, लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हो जाए और लोग अपना जनादेश दे दें, तो उस देश के साझा हितों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें जिसकी सेवा करने का आप दोनों ने संकल्प लिया है। मैं भारत में भी ऐसा ही देखना चाहूंगा और मैं अपनी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

भाजपा का राहुल पर निशाना, देश को प्राथमिकता दें

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल पर निशाना साधा। पूनावाला ने थरूर की पोस्ट को टैग करते हुए कहा, थरूर ने कांग्रेस को याद दिलाया परिवार को नहीं, भारत को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कांग्रेस ने बनाई थरूर के बयानों से दूरी

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब थरूर के किसी बयान या टिप्पणी पर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा हो। कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने थरूर को पाखंडी बताते हुए सवाल पूछा था कि आप कांग्रेस में क्यों हैं? कांग्रेस की ओर से कहा गया ये बयान उनके निजी हैं और पार्टी का इससे लेना-देना नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मार

बदले गए ग्रैप के नियम, अब लागू होगा वर्क फ्रॉम होम?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर और आसपास के इलाकों के लिए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) में बड़े बदलाव किए हैं। प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को एक स्टेज पहले कर दिया है। जो पाबंदियां पहले सबसे खराब हवा होने पर लगती थीं, अब वे उससे थोड़ी बेहतर हवा होते ही लागू हो जाएंगी। ग्रैप -4के तहत 'गंभीर' एक्यूआई के लिए लागू किए जाने वाले उपाय ग्रैप 3 के तहत लागू किए जाएंगे। ग्रेप-4 के तहत उपाय अब ग्रेप-3 के तहत लागू होंगे, इसलिए राज्य सरकारें तय करेंगी कि क्या सरकारी, नगर निगम और प्राइवेट ऑफिसों में 50 फीसदी कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा जा सकता है। वहीं केंद्र के कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने पर निर्णय ले सकती है।

दिल्ली में इस तरह फैला प्रदूषण

श्री शिव समाराधन महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में जय हनुमान ज्ञान गुन सागर... का गान

जीवन में किसी को स्थान देना है तो महादेव को दें : श्री गिरि बापुजी

हरिभूमि जबलपुर।

संस्कारधानी के घड़ी चौक विजय नगर स्थित नर्मदा एक्सीलेंस कॉलेज परिसर में आयोजित श्री शिव समाराधन महायज्ञ में श्री शिव महापुराण कथा में शुक्रवार को कथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक पूज्य श्री गिरि बापु जी महाराज अपने ओजस्वी श्रीमुख हनुमान चालीसा का गायन किया गया। उन्होंने कहा देवताओं का वैभव महादेव को कभी भ्रमित नहीं करता है। चूंकि महादेव ने दिया है शिव जी अपने में निरंतर स्थिर रहते हैं। हम लोग अन्य लोगों का चिंतन चलता है। हम अपने जीवन कितने लोगों को स्थान देते हैं पता नहीं। इसलिए जीवन में किसी को स्थान देना है तो महादेव को दें। सब को जीवन में स्थान देने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए स्वयं में स्थिर रहिए ऐसे में आप भ्रमित नहीं होगे ये महादेव जी का संदेश है। जो भ्रमित रहता है वह भयभीत रहता है ज्यादातर हम लोग भयभीत रहते हैं। शिव जी सबसे अलग है शिव जी सबसे अलग चरित्र है। शिव जी का जीवन ही देवताओं के लिए आदरणीय है। शिव जी के पास ऐसा कोई गणवेश नहीं है कि सभी देवताओं से भ्रमित रहे। दूसरों को आकर्षित और भ्रमित करने के लिए गणवेश की आवश्यकता नहीं गुणवेश की आवश्यकता है। हर मनुष्य के लिए कहा है कि एक सद्गुण को रोज ग्रहण करें और दुगुर्ण को बाहर करें। जितने दुगुर्ण है उनका पता हममें कितने दुगुर्ण इन्हें धीरे धीरे दूर करें। दुगुर्ण को दूर करने के बाद मनुष्य शिव जी के पास नहीं पहुंचता स्वयं शिव जी का रूप ले लेता है यह शिव जी का संदेश है। उनके सामने कोई भेदभाव नहीं है सब भगवान महादेव के पूजा के अधिकारी है। यह भगवान को श्रेष्ठ संदेश है। इसलिए शिव जी की कथा और उनका सदा स्मरण करना चाहिए। इससे मनुष्य का कल्याण होता है।

यज्ञ से होती है पर्यावरण की शुद्धि : स्वामी महेंद्रानंद महाराज

स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने मां नर्मदा संरक्षण समिति नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए अभियान के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने यज्ञ की महिमा को बताते हुए कहा यज्ञ नारायण का श्लोक है अग्नि में दी गई आहूति आदित्य लोक में स्थित होती है। आदित्य लोक से वृष्टि होती है और वृष्टि से अन्न और अन्न से प्रजा का पालन होता है। यज्ञ से पर्यावरण की शुद्धि होती है। ऋषि-मुनियों ने यज्ञ अनुष्ठान किए बड़े तपस्पियों ने मनुष्य के कल्याण के लिए नर्मदा तट पर यज्ञ किए। जो यज्ञ नहीं करता वह निश्चेत होता है। यज्ञ से अंत प्रण की शुद्धि होती है। सृष्टि के आदि में प्रजा के साथ ब्रम्हा ने यज्ञ का भी सजृन किया है। उन्होंने कहा यज्ञन का अनुष्ठान करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। महाराज श्री ने नर्मदा नदी को प्रदूषण मुक्त रखने को लेकर कहा कि सभी व्यक्ति को नर्मदा में मिलने वाली गंदगी को रोकने के लिए जुटना चाहिए। नर्मदा के दोनों तरफ मिलने वाली गंदगी को रोकने के लिए दोनों तरफ नालियों को विपरीत दिशा में निकासी हो ऐसा बनाना चाहिए। स्वामी महेन्द्रानंद महाराज ने सभी शिवभक्तों से आग्रह किया है प्रतिदिन सुबह 9 बजे यज्ञ का आयोजन चल रहा है, जिन्हें इसमें शामिल होना है वे समय पर पहुंचकर इसका लाभ लें। आज भंडारा प्रसाद वितरण नशा मुक्ति केंद्र जबलपुर मनोहर सेन द्वारा प्रसादी वितरण किया गया। कल का भंडारा वितरण डॉ. मुकुल तिवारी द्वारा किया जाएगा। शनिवार को कथा समापन के बाद पूज्य गिरि बापु जी नर्मदा के गौरीघाट तट पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने नर्मदा की महाआरती की। इस अवसर पर उनके साथ स्वामी महेंद्रानंद महाराज सहित आयोजन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

संगठन ने किया स्थल निरीक्षण, सरकार को भेजा सुझाव

मदन महल पहाड़ी के पास गोंड़ संस्कृति विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव

जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ, संभाग जबलपुर ने ऐतिहासिक मदन महल पहाड़ी क्षेत्र में गोंडवाना शोध एवं संस्कृति विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। संगठन ने 22 नवंबर 2025 को स्थल निरीक्षण कर मदन महल दरगाह के नीचे स्थित खाली भूमि को उपयुक्त स्थान के रूप में चयनित किया।

संगठन का कहना है कि मदन महल की पहाड़ी, जहाँ रानी दुर्गावती का ऐतिहासिक किला स्थित है, पहले ही पर्यटन विकास के लिए 100 करोड़ की परियोजना में शामिल है। इसी क्षेत्र में गोंड़ संस्कृति से जुड़े शोध और शिक्षण संस्थान की स्थापना जनजातीय विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण होगी। संगठन द्वारा उच्च न्यायालय में 306 हेक्टेयर भूमि खाली कराने के लिये दायर जनहित याचिका पर कार्रवाई के बाद क्षेत्र से अतिक्रमण हटाए गए हैं, जिससे यहाँ का पर्यावरण भी स्वच्छ हुआ है। संगठन ने सरकार से विश्वविद्यालय की स्थापना पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। निरीक्षण के दौरान संभागीय अध्यक्ष किशोरी लाल भलावी, एड. बालकिशन चौधरी, उत्तम सिंह ताराम, गया प्रसाद धुर्वे, अंजना इनवाती, दिशा इनवाती, नेम सिंह मरकाम, अजय झारिया, राजेन्द्र चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री राम महाविद्यालय में विज्ञान विभाग का कार्यक्रम सम्पन्न

"प्रज्ञान 1.0" में विद्यार्थियों में जिज्ञासा व नवाचार को मिली नई उड़ान

जबलपुर। श्री राम महाविद्यालय में विज्ञान विभाग द्वारा 22 नवम्बर को "प्रज्ञान 1.0" कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. सरदूल सिंह संधू ने विज्ञान को समाजसेवा और मानव कल्याण से जोड़ते हुए शोध एवं पेटेंट के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. भरत सोलंकी ने छात्रों को विज्ञान व संस्कृति के साथ आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में पोस्टर, रंगोली और मॉडल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मॉडल में शिव कुमार गुप्ता एवं टीम प्रथम, रिंकी साहू द्वितीय और कशिश श्रीवास्तव एवं टीम तृतीय रहे। पोस्टर में काजल दुबे एवं टीम प्रथम और रंगोली में अंकिता मेहरा प्रथम स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन आफरीन नाज़ अंसारी व जया पांडेय ने किया तथा आयोजन डॉ. वर्षा दुबे के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

रायन इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने जरूरतमंदों में बांटी ब्रेड पैकेट्स

जबलपुर। रायन इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने हाल ही में 'जॉय ऑफ गिविंग' अभियान के तहत समाज के जरूरतमंद लोगों तक अपनी सेवा पहुँचाई। इस पहल के दौरान छात्रों ने अपने स्तर पर ब्रेड पैकेट तैयार किए और उन्हें शहर के गरीब परिवारों, मजदूरों और राहगीरों तक वितरित किया। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में सेवा भाव, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को समाज के प्रति संवेदनशील बनने और दूसरों की मदद करने का महत्व समझाया गया। स्कूल प्रबंधन ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि रायन इंटरनेशनल स्कूल हमेशा से अपने छात्रों को अच्छे नागरिक और जिम्मेदार मानव बनाने के लिए प्रेरित करता है।

कोरी समाज ने वीरांगना झलकारी बाई जयंती मनाई

जबलपुर। कोरी समाज संगठन जबलपुर के तत्वावधान में 22 नवंबर को झलकारी महिला मंडल द्वारा वीरांगना झलकारी बाई तिराहे पर वीरांगना झलकारी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोरी समाज के अध्यक्ष शंकर लाल कोरी ने बताया कि संगठन की उपाध्यक्ष एवं महिला मंडल की अध्यक्ष सिया कोरी, सचिव गोपाल दास, कोषाध्यक्ष अशोक कोरी के साथ समाज के वरिष्ठ नेता महेश प्रसाद कोरी और संगठन के सभी सदस्यों के साथ महिला मंडल की सदस्य संध्या, मोहिनी, निशा, मीरा राज, छाया, राज कुमारी, मालती, दीपिका, संतोषी, सीता, रेखा, उर्मिला, प्रीति, सूर्या, कल्पना, सुषमा आदि महिला सदस्यों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर उत्तर मध्य के विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय, अध्यक्ष शंकर लाल कोरी और मयंक कोरी ने भी वीरांगना झलकारी के चित्र पर माल्यार्पण किया।

पूजा के साथ आस्था व समर्पण जरूरी

जबलपुर। श्रीराम मानस महिला मंडल के तत्वावधान में अनंत श्री विभूषित परम पूज्य स्वामी राम प्रपन्नाचार्य महाराज के कृपा पात्र शिष्य मानस प्रपन्न भानु देवाचार्य महाराज ने संगीतमय श्रीराम कथा के विश्राम दिवस पर व्यास पीठ की आसंदी से कहा कि पूजा के साथ आस्था व समर्पण का होना जरूरी है। पूजा के साथ हमारी श्रद्धा आस्था और समर्पण होने पर ही हमारे दोषों का निवारण होता है, हम जितनी शुद्धता के साथ प्रार्थना उपासना करेंगे उतनी ही जल्दी हमारे पापों का शयन होगा। प्रभु को मन में खोजो और अपने करीब रखो, मन को पूर्ण रूप से प्रभु में लगाने से पूजा सार्थक हो जाती है। आपने कहा कि जीवन में भजन बहुत जरूरी है, सुबह-शाम भजन करने से ऊर्जा मिलती है, शक्ति मिलती है, अतः प्रत्येक व्यक्ति को भजन अवश्य करना चाहिए। कथा प्रारम्भ के पूर्व व्यास पीठ का पूजन अर्चन अरविंद, सरिता अनुभव शुक्ला, गणेश दत्त दुबे, संध्या दुबे, एडवोकेट अमोल सिंह राजपूत, सुधा राजपूत ने किया। इस अवसर पर आचार्य पं. रमेश दुबे, पं. अशोक पाण्डेय, ज्योतिषाचार्य पं. संतोष शास्त्री महाराज का मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के भतीजे तनिष्क राणा सिंह, पूर्व पार्षद संजय तिवारी ने पहुंचकर व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ में राजेश पटेल, देवेन्द्र कुमार तिवारी, जवाहर पटेल, भानुप्रताप सिंह, विराज तिवारी, एड. राजकुमार अवस्थी, नितिन बसेडिया, एड. विनीत टहनगुरिया, डॉ. अजय फौजदार, सौरभ सिंह, राज चोपड़ा, माधवी फौजदार, मृदुला शर्मा, सरोज विश्वकर्मा, रामवती चौबे के साथ ही डॉ. अरुण मिश्रा, दीपांशु शुक्ला की उपस्थिति रही।

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा सौंदर्य प्रदर्शनी का पुरस्कार वितरण आज

जबलपुर। कार्तिक पूर्णिमा में हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से आयोजित का नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा के दौरान नर्मदा सौंदर्य प्रतियोगिता का पुरुस्कार का वितरण 23 नवम्बर रविवार को आर्य समाज भवन बाराट रोड रसल चौक में सुबह 9:00 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के पं बृजेश मिश्रा महाराज संस्थापक हनुमानबाग गढ़ा स्वामी रामचंद्र दास महाराज भेड़ाघाट नीरज सिंह कमांडेंट अल्केश चतुर्वेदी प्रचाये पीएम महाकौशल कॉलेज मुकेश अग्रवाल पं रोहित दुबे ज्योतिषाचार्य शरद अग्रवाल अध्यक्ष बड़ी खेरमाई ट्रस्ट जबलपुर के सानिध्य में किया जाएगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक सुषमाशंकर पटेल मनमोहन दुबे प्रणव अग्रवाल सी ए दीपक असरानी आदि ने की है।

पड़ोसियों के अधिकार अभियान "आदर्श पड़ोस, आदर्श समाज"

जबलपुर। जबलपुर जमाअते इस्लामी हिंद द्वारा पूरे देश में "पड़ोसियों के अधिकार" शीर्षक पर आधारित एक सामाजिक जागृति का अभियान चलाया जा रहा है, यह अभियान 21 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक चलाया जाएगा। इस्लाम पड़ोसियों के अधिकारों पर विशेष जोर देता है, कुरान व हदीस में यह शिक्षाएं विस्तार् ूर्वक बयान की गई हैं यदि हम इन शिक्षाओं का पालन करें तो हमारा समाज एक आदर्श समाज बन सकता है। पड़ोसियों के छोटे-छोटे समूह आपस में आदर्श संबंध बना लें तो एक आदर्श इंसानी समाज का निर्माण स्वतः ही शुरू हो जाएगा। जब पड़ोसी एक दूसरे के साथ दया, क्षमा और इंसाफ के साथ पेश आते हैं, तो इससे उठने वाली लहर पूरे समाज को परिवर्तित कर देती है, हमें उम्मीद है कि यह मुहिम न सिर्फ पड़ोसियों के बीच के झगड़ों को सुलझाएगी, बल्कि दया और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे इस्लामी मूल्यों का एक मजबूत सबूत भी बनेगी। दुर्भाग्यवश, इस समय स्थिति बिलकुल विपरीत है, पड़ोसियों के आपसी झगड़ों के कारण समाज भी बिखर रहा है जो इस्लाम की शिक्षाओं के अनुरूप नहीं है, पड़ोसियों के प्रति दयालुता के साथ व्यवहार करने को लेकर जागरूकता बढ़ाने और इस्लामी शिक्षाओं का प्रसार करना भी आवश्यक हो गया है विशेष रूप से यातायात और मार्ग के शिष्टाचार एवं पर्यावरण स्वच्छता आदि के संबंध में। प्रेस वार्ता में उबैदुल्लाह, आमिर, शहीद अहमद, मेहंदी हसन, वकार अहमद, नसीम अली, जाम मोहम्मद, शकील अहमद आदि लोग उपस्थित थे।

सिहोरा कृषि उपज मंडी ने जप्त की 300 क्विंटल धान, उत्तर प्रदेश से आई थी धान की खेप

सिहोरा। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के पहले से ही अवैध रूप से धान का भंडारण व परिवहन करने वाले व्यक्तियों,दलालों,व्यापारियों और बिचौलियों पर प्रशासन की पैनी नजर है। इनके कुत्सित मंसूबों पर लगाम लगाने हेतु संयुक्त संचालक शाहिद खान,मंडी बोर्ड आंचलिक कार्यालय के मार्गदर्शन में एंव सविता धुर्वे सचिव कृषि उपज मंडी समिति के निर्देशन में 21 नवम्वर को निरीक्षण के दौरान सिहोरा मंडी क्षेत्र के अंतर्गत मंडी उड़नदस्ता दल द्वारा वाहन निरीक्षण करने पर वाहन क्रमांक यूं पी 90 टी 6306 में कृषि उपज-धान कुल वजन 300 क्विंटल फर्म जय मां शारदा ट्रेडर्स उत्तर प्रदेश बगैर मंडी अनुज्ञा पत्र के अवैध परिवहन करते हुए पाई गई। उड़नदस्ता दल ने धान के अवैध परिवहन पर म.प्र कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) उक्त वाहन का प्रकरण तैयार कर पांच गुना मण्डी शुल्क सहित समझौता शुल्क व्यापारी से 38 हजार 840 रूपये के दांडिक शुल्क को कार्यालय मे जमा कराया गया है।

करणी सेना परिवार की विशाल बैठक सम्पन्न

मझौली। नगर मझौली बाजार प्लाट में करणी सेना परिवार की विशाल बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जीवन सिंह शेजपुर के आगमन पर पारंपरिक स्वागत और पूजन-अर्चन किया गया। कार्यक्रम में 21 दिसंबर को हरदा में होने वाले राजन क्रांति न्याय आंदोलन को सफल बनाने हेतु रणनीति पर चर्चा की गई तथा अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने की अपील की गई।

नर्मदा परिक्रमा से वापस लौटे 38 यात्री

सिहोरा। नर्मदा नमामि परिक्रमा में खितौला से 38 यात्रियों की टीम के गत दिवस वापस लौटने पर नरसिंह मंदिर में सभी का पुष्प माला से भव्य स्वागत किया गया। नर्मदा परिक्रमा वासियों की यात्रा ओंकारेश्वर से प्रारम्भ होकर अंकलेश्वर होते हुए खंबाद की खाड़ी, समुद्र पार, सोमनाथ, द्वारिका, डकोर, महेश्वर, नेमावर, ग्वारी घाट, अमरकंटक, माई की बगिया, मंडला महाराजपुर, होशंगाबाद, धूनी वाले बाबा खंडवा से ओंकारेश्वर में यात्रा का समापन, जल अर्पण कर हवन भंडारे का आयोजन करके उज्जैन महाकाल, कुबरेश्वर दर्शन कर वापस आये। तथा सभी ने अपने अनुभव साझा किए।

संकीर्तन की अलख जागने वालों का सम्मान आज

जबलपुर। जबलपुर नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा समिति भेड़ाघाट के द्वारा जबालीपुरम में प्रभात फेरी संकीर्तन के माध्यम से अलख जगाने वालो का 23 नवम्बर प्रातः 9 बजे हनुमान बाग के संस्थापक पं बृजेश मिश्रा, कमांडेंट नीरज सिंह महाकौशल प्राचार्य डॉ अल्केश चतुर्वेदी पूर्व कमिश्नर वेद प्रकाश रोहित महाराज बड़ी खेरमाई अध्यक्ष शरद अग्रवाल उद्योगपति मुकेश अग्रवाल के सानिध्य में आर्य समाज भवन भवन बाराट रोड रसल चौक के पास सम्मान समारोह किया जाएगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक सुषमा शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे संतोष अग्रहरि श्याम मनोहर पटेल सत्य प्रकाश नामदेव देवेंद्र नेमा देववृत्त सोनी विनोद दीवान मोहित तिवारी पवन साहू मनोज गुलब्बानी आदि ने की है।

श्री अशोक कुमार चिमनानी- शिवार्थ एलेंजा तिलहरी निवासी श्री अशोक कुमार चिमनानी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुरप्रीत सिंह सलूजा- गोरखपुर हाउबाग स्टेशन रोड निवासी श्री परमजीत सिंह सलूजा के पुत्र श्री गुरप्रीत सिंह सलूजा (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री जनार्दन मिश्रा- कुदवारी अमखेरा निवासी श्री जनार्दन मिश्रा (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रितपाल सिंह पाल- गोरखपुर निवासी श्री प्रितपाल सिंह पाल (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती बत्तो बाई- लक्ष्मी कॉलोनी गोरखपुर निवासी श्री ददई की धर्मपत्नी श्रीमती बत्तो बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सरोज नामदेव- राधाकृष्णन वार्ड सिद्धबाबा रोड निवासी श्री महेश नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज नामदेव (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश गोंटिया- तिलहरी पीली बिल्डिंग निवासी श्री सुरेश गोंटिया (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश सोनी- कोतवाली जवाहरगंज वार्ड निवासी श्री महेश सोनी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रहलाद श्रीवास्तव- गली नं. 16, सदर निवासी श्री प्रहलाद श्रीवास्तव (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिवम सोनगोत्रा- भगवानदास शर्मा स्कूल के सामने शीतलामाई कांचघर रोड निवासी श्री राजू सोनगोत्रा के पुत्र श्री शिवम सोनगोत्रा (24) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सावित्री- रविदास नगर पोलीपाथर निवासी श्री केदारनाथ की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अच्छे लाल सेन- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री अच्छे लाल सेन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जय नारायण तिवारी- गोल बाजार निवासी श्री जय नारायण तिवारी (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमित्रा टुले- इंद्रा नगर व्हीकल निवासी श्री रामाराव टुले की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा टुले (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती निर्मला शर्मा- विक्टोरिया अस्पताल के सामने निवासी श्री राम गोपाल शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला शर्मा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

माध्यमिक शिक्षकों की प्रथम व द्वितीय क्रमोन्नति सूची जारी की जाए, मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि अध्यापक संवर्ग के माध्यमिक शिक्षक जो की अपनी सेवा के 18 से 20 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके हैं और कुछ माध्यमिक शिक्षकों ने अपनी सेवा के 24 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं, परंतु आज दिनांक तक इनकी 12 वर्ष और 24 वर्ष की क्रमोन्नति नहीं लग पाई जिससे इन शिक्षकों में रोष व्याप्त है। संघ ने बताया कि इन माध्यमिक शिक्षकों की प्रथम क्रमोन्नति और द्वितीय क्रमोन्नति की सूची जारी नहीं होने से ये शिक्षक हैरान, परेशान और हलाकान हैं कि इतने लम्बे समय की सेवा अवधि के बाद भी आज दिनांक तक प्रथम और द्वितीय क्रमोन्नति की सूची जारी नहीं की गयी आखिर क्यों? संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, दिनेश गोंड़, गुडविन चार्ल्स, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, हेमंत ठाकरे, विनोद सिंह, फिलिप अन्थोनी, सुनील झारिया, एनोस विक्टर, उमेश सिंह ठाकुर, रवि जैन, अफरोज खान, मानसिंह आर्मो, मनमोहन चौधरी, उमेश ठाकुर, सुनील झारिया, संतोष चौरसिया, धनराज पिल्ले, देवेन्द्र भट्ट, सुधीर अवधिया, आशीष कोरी आदि ने संयुक्त संचालक लोक शिक्षण जबलपुर संभाग जबलपुर से मांग की है कि माध्यमिक शिक्षकों की प्रथम एवं द्वितीय क्रमोन्नति की सूची अतिशीघ्र जारी की जाए।

पुनर्गठन आयोग को सौंपा ज्ञापन

सिहोरा जिले के साथ मझगवां, गोसलपुर गांधीग्राम को तहसील बनाने की मांग

सिहोरा। सिहोरा जिला के लिए लगातार संघर्ष कर रही लक्ष्य जिला आंदोलन समिति ने प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग भोपाल को सिहोरा जिला बनाए जाने की प्रत्येक दक्षता का बिंदुवार विवरण देते हुए सिहोरा को जिला बनाए जाने का दावा प्रस्तुत किया।समिति ने अपने दावे में मंझगवा ,गोसलपुर और गांधीग्राम को सिहोरा जिले की तहसील बनाए जाने की मांग करने के साथ दावे एवं सुझाव प्रस्तुत किए तथा आयोग के अध्यक्ष एस एन मिश्रा को अपना दावा पत्र सौंपा।

मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया था जो मध्य प्रदेश के प्रत्येक संभाग, जिला,तहसील और ग्राम की सीमाओं को जन सुविधा की दृष्टि से पुनर्गठित करने का सुझाव मध्य प्रदेश सरकार को प्रस्तुत करेगा। तथा सरकार आयोग की अनुशंसा के आधार पर मध्य प्रदेश के सभी निकायों की सीमाओं के पुनर्गठन का निर्णय लेगी।ऐसी स्थिति में अनेक नए जिले भी बनाए जाने की संभावना है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि 1 जनवरी 2026 की जनगणना प्रारंभ होने के पूर्व ही मध्य प्रदेश सरकार गठित आयोग की अनुशंसाओं को लागू कर सकती है। जिला समिति कि कहना है कि सरकार चाहती है कि किसी भी ग्राम की उसके जिला मुख्यालय से दूरी 70 किलोमीटर से अधिक ना हो इसी को आधार बनाकर समिति ने गांधीग्राम, मझौली, स्लीमनाबाद, बहोरीबंद, बाकल, सिलोंडी, ढीमरखेड़ा, खमतरा, बचैया आदि को सिहोरा जिले में शामिल करते हुए सिहोरा का दावा प्रस्तुत किया है।

सोते-सोते मिट जाएंगी बुरी यादें? वैज्ञानिकों ने खोजा दिमाग का इनडू बटन

वॉशिंगटन। हमारी याददाश्त हमारे रोजमर्रा के अनुभव, भावनाएं और यहां तक कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य को भी बनाने में बहुत जरूरी है। ऐसे में बड़ा सवाल आता है कि क्या हो, अगर हम सोते समय हमारा दिमाग जिस तरह से यादों को बनाता या संभालता है, उसे बदल सकें। एक पत्रिका में एक नई खोज छपी है, जो इस बात की उम्मीद जगाती है। इस शोध से पता चला है कि नींद के दौरान दिए गए संकेत हमारी बुरी यादों को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह खोज पीटीएसडी, चिंता और अवसाद जैसी बीमारियों के इलाज में नींद को एक दवा की तरह इस्तेमाल करने का रास्ता खोल सकती है।

नींद में बदलें अपनी यादें

यादों को पक्का करने के लिए नींद बहुत जरूरी है। यह वह प्रक्रिया है, जिससे दिमाग नई जानकारी को पुरानी जानकारियों से जोड़ता है। नई खोज बताती है कि नींद सिर्फ यादों को संभालती नहीं है, बल्कि उन्हें बदलने की शक्ति भी रखती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि सोते समय दिमाग सकारात्मक यादों को नकारात्मक यादों के मुकाबले ज्यादा महत्व दे सकता है। ऐसा खासकर गैर-आरईएम नींद के दौरान होता है।

नींद में यादों को कैसे बदला गया?

अध्ययन का मुख्य परिणाम यह है कि नींद के दौरान दिए गए खास संकेत हमारी यादों को याद करने के तरीके को बदल सकते हैं। प्रयोग में लोगों को नकारात्मक और सकारात्मक दोनों तरह की तस्वीरें दिखाई गईं। इन तस्वीरों को तटस्थ संकेतों से जोड़ दिया गया। उनके दिमाग ने उन संकेतों को नई सकारात्मक तस्वीरों के साथ जोड़ना शुरू कर दिया। गैर-आरईएम नींद के दौरान इन संकेतों को उनके दिमाग में बार-बार दोहराया गया। इससे उनके दिमाग को सकारात्मक बातों को मजबूत करने का बढ़ावा मिला।

कैसे किया गया ये प्रयोग?

एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने जांच की कि शब्द, खुशबू या आवाज जैसे संकेत यादों को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने गैर-आरईएम नींद के दौरान लोगों को धीरे से कुछ संकेत सुनाए। इस तरीके से वे प्रतिभागियों की यादों को ज्यादा सकारात्मक बातों की ओर मोड़ पाए। इस तकनीक ने बुरी यादों को पूरी तरह मिटाया नहीं, लेकिन उन बुरी यादों को याद करने की शक्ति को कम कर दिया। इससे ज्यादा सकारात्मक अनुभवों को नया बल मिला.।

कजाकिस्तान में मिला 3500 साल पुराना शहर
मिट्टी के नीचे दफन थी प्राचीन सभ्यता

अस्ताना। वैज्ञानिकों को उत्तर-पूर्वी कजाकिस्तान में एक बहुत बड़ा 3,500 साल पुराना शहर मिला है। इस खोज से यूरेशियन मैदान के इतिहास को फिर से समझने की जरूरत पड़ सकती है। इस शहर का नाम सेमियार्का है, जिसे 7 खाइयों का शहर भी कहा जाता है। यह इस इलाके में मिली सबसे बड़ी, पुरानी और योजना बनाकर बसाई गई बस्ती है। यह शहर लगभग 140 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला था और कांस्य युग का बड़ा केंद्र था, जहां बड़े पैमाने पर कांसा बनाया जाता था। इसकी खोज डरहम विश्वविद्यालय और कजाकिस्तान के तोराघीरोव विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने की है।

कब बसा था ये शहर?

यह शहर लगभग 1600 ईसा पूर्व से समय का है। आमतौर पर माना जाता था कि उस समय लोग एक जगह से दूसरी जगह घूमने वाले थे और अस्थायी शिविरों या छोटे गांवों में रहते थे। लेकिन, सामिया शहर एक स्थिर और बहुत ही व्यवस्थित आबादी को दिखाता है जो बड़े और स्थायी घर बनाने में सक्षम थी। यहां मिट्टी के टीलों की लाइनें मिली हैं, जो बताती हैं कि घर कई कमरों वाले थे।

वैज्ञानिकों की इसपर क्या राय है?

शोधकर्ताओं ने शहर में टीन-कांसा धातु बनाने के लिए एक खास औद्योगिक क्षेत्र खोज निकाला है। यह इस पूरे इलाके में अपनी तरह का पहला इतना बड़े पैमाने पर चलने वाला काम था। प्रमुख पुरातत्वविद् डॉ. मिलजाना रेडिवोजेवी ने कहा है कि सेमियार्का दशकों की सबसे बड़ी

सेमियार्का कैसे था इकना पावरफुल?

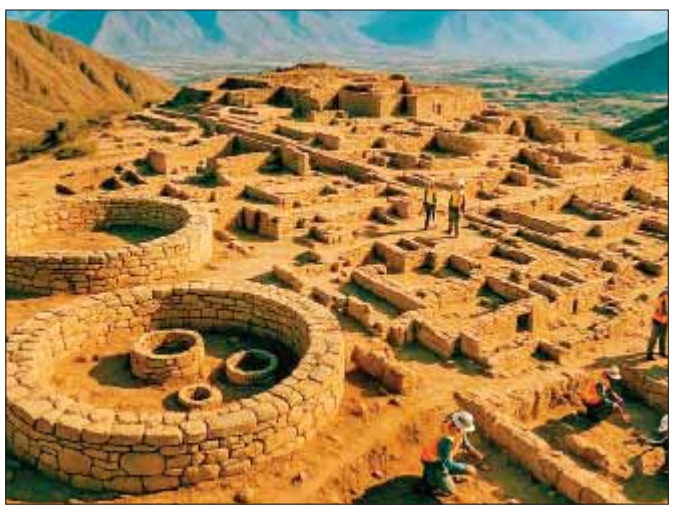

यह शहर इतरिस नदी के ऊपर पहाड़ी क्षेत्र पर बनाता और इसी वजह से यह अल्ताई पर्वतों में मौजूद तांबे और टिन के स्रोतों के बहुत करीब था। इसी वजह से सेमियार्का क्षेत्र का बड़ा केंद्र और व्यापार की शक्ति बन गया। यहां धातु गलाने का बर्तन, धातु का कचरा और टिन से बनी कांसे की चीज मिली है। ये चीजें बताती हैं कि यहां कांसा बनाने का काम बहुत व्यवस्थित था।

वैज्ञानिकों को और क्या-क्या मिला?

शोधकर्ताओं ने शहर के आस-पास दफनाने की जगहें और थोड़े समय के लिए बनाए गए शिविर भी ढूंढे हैं। इन चीजों से पता चला है कि बस्ती कितनी दूर तक फैली हुई थी और कितनी उन्नत थी। वैज्ञानिकों को आगे उम्मीद है कि इससे प्राचीन कजाकिस्तान में धातु बनाने के तरीके, अर्थव्यवस्था और समाज के बारे में और ज्यादा जानकारी मिलेगी।

VIT®
CHENNAI
Vellore Institute of Technology

वीआईटी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगः सस्टेनेबिलिटी 2026 में वैश्विक स्तर पर 352वें स्थान पर; भारत में 7वां स्थान

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगः सस्टेनेबिलिटी 2026 में भारत में 7वां और वैश्विक स्तर पर 352वां स्थान हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

पर्यावरणीय प्रभाव श्रेणी में, वीआईटी ने वैश्विक स्तर पर 194वां स्थान प्राप्त करके अपनी और भी विशिष्ट पहचान बनाई है। 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंगः सस्टेनेबिलिटी 2026 क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा जारी की गई है। इस समर्पित सस्टेनेबिलिटी श्रेणी में - जो क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का हिस्सा है - संस्थानों का मूल्यांकन आठ प्रदर्शन मानदंडों के आधार पर किया जाता हैः समानता, ज्ञान का आदान-प्रदान, शिक्षा का प्रभाव, रोजगार और अवसर, स्वास्थ्य और कल्याण, पर्यावरणीय स्थिरता, पर्यावरणीय शिक्षा, पर्यावरणीय अनुसंधान और सामाजिक प्रभाव' वीआईटी ने कुल मिलाकर 74.9 अंक प्राप्त किए हैं, जिससे यह विश्व स्तर पर 352वें और भारतीय संस्थानों में 7वें स्थान पर पहुँच गया है। विश्वविद्यालय ने विशेष रूप से सामाजिक प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव और शासन की तीन श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पर्यावरणीय प्रभाव में वीआईटी का 78.1 का स्कोर एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिससे इसे विश्व स्तर पर 194वीं रैंक प्राप्त हुई है। यह एक महत्वपूर्ण छलांग है - क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग 2025 में वैश्विक स्तर पर 396वें स्थान से 2026 में 352वें स्थान पर, यानी 44 स्थानों की ऊपर की छलांग। 2026 के संस्करण में 106 देशों और क्षेत्रों के 2,000 से अधिक विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया गया। इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए, वीआईटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा कि वैश्विक शीर्ष 400 में स्थान प्राप्त करना - वीआईटी द्वारा प्राप्त अब तक की सर्वोच्च स्थिरता रैंकिंग - पर्यावरणीय जिम्मेदारी, अनुसंधान उत्कृष्टता और सामाजिक कल्याण के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

सिर्फ 2 सेकंड के लिए रुक जाए टाइम तो मचेगा कोहराम!

वॉशिंगटन। समय एक ऐसी चीज है, जो हर पल को जोड़कर रखती है। हमने कहानियों और फिल्मों में देखा है कि समय अचानक रुक जाता है। लेकिन, क्या आपने सोचा है कि सिर्फ 2 सेकंड के लिए समय रुक जाए तो क्या होगा। क्या हमें रुकावट महसूस होगी? या फिर यह घटना इतनी खतरनात होगी कि सब कुछ टूटकर बिखर जाएगा? समय एक ऐसा रहस्यमय डाइमेंशन है, जो हमारे जीवन और पूरे ब्रह्मांड को कंट्रोल करता है। हम सब ने कभी न कभी सोचा होगा कि क्या होगा अगर समय अचानक रुक जाए। हॉलीवुड की फिल्मों में तो अक्सर नायक समय रोककर दिखाते हैं। लेकिन, अगर असल में समय रुका तो क्या होगा? सबसे पहले तो यह कि आप समय रुकने का एहसास नहीं कर पाएंगे। कल्पना कीजिए कि जब समय रुकता है तो आपके शरीर के हर अणु, हर न्यूरॉन के हर एटम और हर कोशिका की गति भी थम जाएगी। आपकी आंखें नहीं झपकेंगी, खून नहीं बहेगा और आपका दिमाग भी उस समय रुक जाएगा। टाइम दोबारा शुरू होने पर क्या होगा? जब 2 सेकंड बीतने के बाद समय दोबारा स्टार्ट होगा तो आपके लिए यह 2 सेकंड अस्तित्वहीन होंगे। यह ठीक वैसा ही होगा जैसा आप गहरी नींद से जागे हों और आपको पता भी ना चले कि बीच में कुछ हुआ था।

स्पाइन केयर में नई दिशा : सही देखभाल और समय पर इलाज से मिल सकती है दर्द से राहत

डॉ. मोहम्मद फैज़ान ने दिए सुझाव, आधुनिक तकनीक से बेहतर हुआ उपचार

जबलपुर। आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में पीठ और गर्दन का दर्द आम समस्या बन गई है। गलत मुद्रा, लंबे समय तक बैठकर काम करना और शारीरिक गतिविधि की कमी इसकी बड़ी वजहें हैं। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर के डायरेक्टर – स्पाइन सर्जरी डॉ. मोहम्मद फैज़ान ने कहा कि रीढ़ की हड्डी की देखभाल में रोकथाम, जागरूकता और समय पर इलाज सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि लगातार दर्द, झनझनाहट, अकड़न या चलने-फिरने में कठिनाई जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि समस्या बनी रहती है तो विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें। सही मुद्रा अपनाना, नियमित स्ट्रेचिंग और सक्रिय जीवनशैली स्पाइन संबंधी बीमारियों के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं। डॉ. फैज़ान ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों—जैसे इंट्राऑपरेटिव नेविगेशन सिस्टम, हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग, न्यूरोमॉनिटरिंग और विशेष ऑपरेटिंग सुइट—ने स्पाइन सर्जरी को अधिक सुरक्षित और सटीक बना दिया है। मिनिमली इनवेसिव और एंडोस्कोपिक सर्जरी से मरीज कम दर्द, कम रक्तस्राव और कम अस्पताल प्रवास के साथ जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं।

13,000 साल पहले कॉस्मिक धमाका! एक पूरी जनजाति और विशालकाय जानवर हुए थे लुप्त

वॉशिंगटन। प्लीस्टोसीन युग के आखिरी समय में दुनिया में मौसम और माहौल में बहुत बड़े बदलाव आए थे। यहीं वह समय था जब कई बड़े स्तनधारी जानवर विलुप्त हो गए थे और यह सब महज मौसम की वजह से नहीं हुआ था। एक रिसर्च से पता चला है कि ऊनी मैमथ और मैस्टोडॉन जैसे जानवरों के खत्म होने के लिए एक धूमकेतु कुछ हद तक जिम्मेदार था। लगभग 13,000 साल पहले यह धूमकेतु फटा जिससे मौसम में अचानक और बड़ा बदलाव आ गया। इस विस्फोट के कारण हालात फिर से बदल गए और मौसम लगभग हिमयुग जैसा हो गया। यह ठंड का दौर करीब 1,000 साल तक चला।

वैज्ञानिकों को क्या मिले सबूत?

एक पत्रिका में एक रिसर्च में छपी है। इस रिसर्च में अमेरिका की 3 खास क्लोविस जगहों पर शॉक्ड कॉट्र्ज मिला है। ये रेत के ऐसे कण होते हैं, जो बहुत ज्यादा गर्मी और दबाव से बदल जाते हैं। यूसी सांता बारबरा के प्रोफेसर जेम्स केनेट और उनकी टीम ने यह खोज की है। ये तीनों जगहें उत्तरी अमेरिका में विशालकाय जानवरों के खत्म होने और क्लोविस संस्कृति के गायब होने की जांच और सबूत जुटाने के लिए बहुत अच्छी थीं।

इसका क्या पड़ा असर?

यह माना जाता है कि इसी धूमकेतु के विस्फोट की वजह से उत्तरी अमेरीका की क्लोविस संस्कृति के लोग भी अचानक गायब हो गए थे। आज से लगभग 13,000 साल पहले एक धूमकेतु के फटने से मौसम में अचानक बड़ा बदलाव आया और 1,000 साल तक ठंडी पड़ गई। इसी वजह से ऊनी मैमथ और मैस्टोडॉन जैसे बड़े जानवर और उत्तरी अमेरिका की क्लोविस संस्कृति खत्म हो गई।

धरती पर क्या हुआ था?

इस विस्फोट से पैदा हुई बहुत तेज गर्मी और शॉक वेव्स ने पूरी पृथ्वी को अपनी चपेट में ले लिया। प्रोफेसर केनेट ने कहा, दूसरे शब्दों में कहें तो समझो तबाही आ गई हो। इससे हर चीज जलने लगी जिससे बहुत ज्यादा धुआं और कालिख निकली। इस बल की वजह से धूल भी उड़ी, जिसने धीरे-धीरे सूरज को ढक लिया।

चीन में मिल रही है तिलचट्टे वाली कॉफी, छिड़का जाता है कॉकरोच का बुरादा

बीजिंग। चीन की अक्सर अजीबोगरीब खान-पान के लिए दुनियाभर में चर्चा होती है। चीन की राजधानी बीजिंग में एक ऐसी कॉफी वायरल हो रही है, जिसने लोगों को हैरत में डाल दिया है। बीजिंग के एक म्यूजियम में एक अनोखी कॉफी बिक रही है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इससे ऊपर पिसे हुए कॉकरोच का पाउडर छिड़का जाता है। अब सोशल मीडिया पर कॉकरोच वाली कॉफी की चर्चा हो रही है। बीजिंग में स्थित एक कीट संग्रहालय के कॉफी शॉप में 'क्रॉली-क्रॉली' कॉफी बिक रही है। इसे 'कॉकरोच कॉफी' नाम दिया गया है, जिसकी एक कप की कीमत करीब 500 रुपए है। इसमें सिर्फ कॉकरोच का पाउडर ही नहीं, बल्कि सूखे पीले मीलवॉर्म्स (एक तरह के कीड़े) भी डाले जाते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राहकों का कहना है कि इस अनोखी कॉफी का स्वाद जला हुआ और हल्का खट्टा होता है। संग्रहालय के एक कर्मचारी ने बताया, शॉप ने कॉफी जून के अंत में लॉन्च की थी और अब यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी है। कर्मचारी के मुताबिक, इस दुकान की नई सीरीज में घटपर्णी पौधे के पाचक रस का इस्तेमाल करके बनाए गए विशेष पेय और सीमित समय के लिए चींटियों से बना ड्रिंक भी शामिल है।

वैवाहिकी
परिचय सम्मेलन
म.प्र. राजपूत समाज
8वां अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 14 दिसंबर 2025
महाराणा प्रताप भवन, ... मेन रोड नं. 3 भोपाल-16 (म.प्र.)
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 07 दिसंबर 2025

हरिभूमि
वैवाहिकी

वधु चाहिए
वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'-11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000 मासिक, युवक हेतु उच्च जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें-
9827114645
9131139179
(मैरिज ब्यूरो क्षमा)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
9131453175

राशिफल

मेष – मन अशान्त रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों के साथ वाद-विवाद से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष – मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क – मन अशान्त रहेगा। मन में निराशा एवं असन्तोष भी हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा, परन्तु कुछ कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह – आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है।

कन्या – नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है। आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। सहयोग मिलेगा।

तुला – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु मन अशान्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के क्रोध से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु – व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। विदेशी कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मकर – आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगा। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। पिता का साथ मिल सकता है।

मीन – अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता

शब्द पहेली - 6056

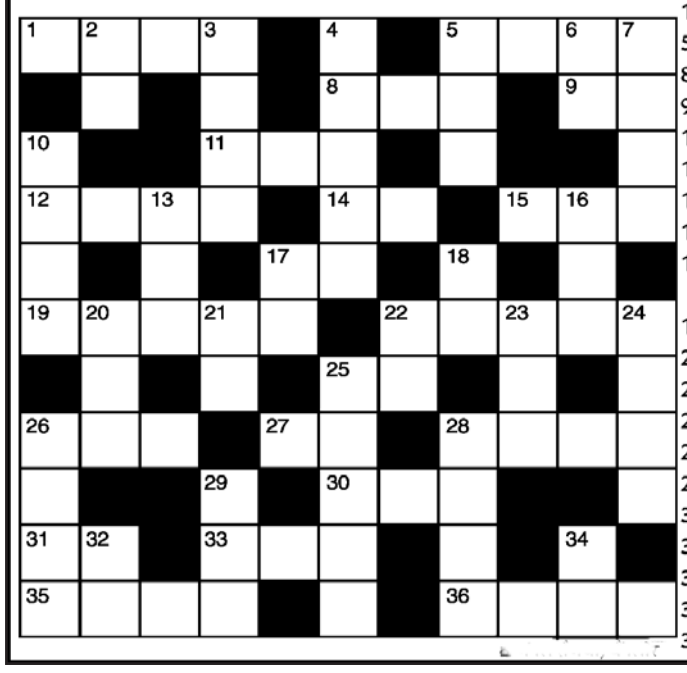

बाएँ से दाएँ
1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे
2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र, बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान, जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह, जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली- 6055 का हल

■	त	था	क	थि	त	■	क	या	म	त
ना	प	■	ह	■	र	का	बी	■	त	र
मु	■	त	वा	य	फ	■	ला	वा	■	खा
ना	पा	क	■	■	दा	नी	■	दा	म	न
सि	■	दी	■	प	र	■	सा	■	हि	■
ब	ह	र	हा	ल	■	नि	य	ला	प	न
■	र	■	नि	■	आ	शा	■	ज	■	ज
अ	म	र	■	अ	तं	■	■	वा	न	र
मा	■	मा	न	■	क	र	त	ब	■	बं
न	या	■	ज	ल	वा	■	ना	■	क	द
त	क	दी	र	■	द	शा	व	ता	र	■

सूडोकु नवताल - 6066

मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6065 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 23 नवंबर 2025

बदल रहा मौसम का मिजाज

बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और

औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट

स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेयर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्ची एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

- शोभना श्याम

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं। यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/ किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह),
रचनाकार: ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए,
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सच्चाई

एआई इमेज

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

खबर संक्षेप

वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने गोलोवकिन

वाशिंगटन। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं। गोलोवकिन ने कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों।'

यह ट्रैक हमारे ढांचे को अधिक रास आएगा : डोइशे

गुवाहाटी। भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा कि बरसापारा स्टेडियम की पिच भारतीय टीम को अधिक रास आयेगी लेकिन कहा कि टेस्ट मैच का नतीजा टीम के प्रदर्शन पर निर्भर करता है, पिच पर नहीं । दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरे टेस्ट के पहले दिन रन बनाना मुश्किल हो रहा था। उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को भुना नहीं सके। टेन डोइशे ने कहा,' मेरा निजी मानना है कि विकेट यह तय नहीं कर सकता कि कौन जीतेगा। अगर हम कोलकाता में अच्छा खेलते तो उस पिच पर टेस्ट जीत जाते।' उन्होंने कहा,'आपको हालिया नतीजों पर नजर डालनी होगी। इस तरह के विकेट हमे अधिक रास आते हैं।'

गुवाहाटी टेस्ट पहला दिन : अफ्रीकी टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम

कुलदीप का जादू, दक्षिण अफ्रीका के 6 विकेट धड़ाम, भारत की दमदार वापसी

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में 3 विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को अच्छी वापसी की। भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा। खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट पर 247 रन बनाए थे। पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए।

कुलदीप ने झटके 48 रन देकर 3 विकेट

दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज तीन गेंद के अंदर आउट

भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मारक्रम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था। तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

गुवाहाटी में टूटा 148 साल पुराना रिवाज

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में गुवाहाटी के मैदान पर एक नया इतिहास बना। दरअसल, क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारुप के 148 साल के इतिहास में पहली बार एक नियमित टेस्ट मैच में लंच से पहले चाय का ब्रेक लिया गया। डे-नाइट टेस्ट में चाय डिनर से पहले ली जाती है, लेकिन अपना पहला टेस्ट आयोजित कर रहे गुवाहाटी ने एक नया उदाहरण पेश किया और लंच से पहले टी ब्रेक लिया। यह असामान्य निर्णय भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से में जल्दी सूर्योदय और सूर्यास्त होने के कारण लिया गया। नतीजतन, टेस्ट मैच का पहला सत्र सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खेला गया, जिसके बाद 11 बजे से 11:20 बजे तक चाय का ब्रेक रखा गया।

जडेजा ने 6 साल में 79 बार फेंकी नो बॉल

भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की नो बॉल सिरदर्द बन गया है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में उनकी एक गेंद नो बॉल रही। यह साल 2025 में अभी तक की उनकी 14वीं नो बॉल है। साथ ही पिछले छह साल में 79वीं बार वे ओवरस्टेप (क्रीज से बाहर पैर) कर चुके हैं। पिछले कुछ सालों में रवींद्र जडेजा की लगातार इस तरह की गेंदें देखने को मिली है। एक स्पिनर से उम्मीद की जाती है कि वह कोई एक्स्ट्रा न दे। लेकिन जडेजा इस कमी पर काम नहीं कर पा रहे हैं।

क्रिकेट

न्यूजीलैंड ने दर्ज की हैट्रिक जीत वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराया

एजेंसी ⏭ हैमिंटन

तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को चार विकेट से हरा दिया। मैट हेनरी ने 4 विकेट लिए और मार्क चैपमैन ने 64 रनों की शानदार पारी खेली। इसी के साथ ने तीन मैचों की वनडे सीरीज पर 3-0 से कब्जा कर लिया।

हैमिल्टन में वेस्टइंडीज की टीम एक बार फिर शुरू में ही लड़खड़ा गई और महज 161 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य आसानी से 30.2 ओवर में ही 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शुरुआत में न्यूजीलैंड के भी तीन विकेट जल्दी गिर गए थे और स्कोर 32 पर 3 हो गया था, लेकिन चैपमैन ने संभलकर खेला। माइकल ब्रेसवेल ने नाबाद 40 रन बनाए और दोनों ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचा दिया। इस सीरीज का यह सबसे एकतरफा मैच रहा। इससे पहले टी-20 सीरीज में भी न्यूजीलैंड ने 3-1 से जीत हासिल की थी। अब दोनों टीमों के बीच तीन टेस्ट मैच होने हैं, पहला मैच 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा।

विंडीज की बैटिंग फ्लॉप

वेस्ट इंडीज ने टॉस जीता था, लेकिन उनके बल्लेबाज फिर से नहीं टिक पाए। पूरी सीरीज में टीम की यही समस्या रही। कप्तान शे होप ने दूसरे मैच में शतक लगाया था, लेकिन इस मैच में सिर्फ 16 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने कहा, "हम बल्ले से बिल्कुल नहीं चल पा रहे। हालात को समझने और उस हिसाब से खेलने में हम पीछे रह गए। सिर्फ 36.2 ओवर तक बल्लेबाजी करना बिल्कुल स्वीकार नहीं है. हम रन बनाने की स्पीड ही नहीं बना पाए।

संधू का शानदार प्रदर्शन, राइफल थ्री पोजीशन में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टोकियो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता, जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुजाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

फिडे ने दी 'ड्रेस संहिता' में ढील

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने अगले महीने दोहा में होने वाली विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप के लिए आराम को तरजीह देने वाली ड्रेस संहिता की घोषणा की है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 'क्लासिक नॉन-डिस्ट्रेस्ड जींस' पहनने की अनुमति होगी। एक साल पहले इसी टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन के जींस पहनने से 'जींसगेट' विवाद खड़ा हो गया था। विश्व शतरंज संचालन संस्था के अपडेट हुए नियमों के अनुसार 25 से 30 दिसंबर तक दोहा में होने वाली प्रतियोगिता के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए गहरे रंग के 'बिजनेस-कैजुअल ट्राउजर' पहनने की

कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में बर्ग्स को हराया, डेविस कप फाइनल में इटली

एजेंसी ⏭ बोलोग्ना

पलेवियो कोबोली ने नाटकीय सेमीफाइनल में सात मैच प्वाइंट बचाने के बाद बेल्जियम के जिजोउ बर्ग्स को 6-3, 6-7 (5), 7-6 (15) से हराकर दो बार के गत चैंपियन इटली को डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा दिया। कोबोली ने खुद छह मैच प्वाइंट गंवाए लेकिन आखिर में इटली को जीत दिलाने में सफल रहे। उन्होंने शर्ट उतारकर अपने साथियों के साथ जश्न मनाया और फिर बर्ग्स को सांत्वना देने गए, जो कुर्सी पर बैठकर आंसू बहा रहे थे। डेविस कप के इतिहास में 17-15 का अंतिम सेट टाईब्रेक छठा सबसे लंबा था। कोबोली ने कहा, 'हमने अपने देश के लिए, इस जीत के लिए संघर्ष किया, लेकिन आखिरकार मेरा सपना साकार हुआ। मैं अपनी पूरी टीम और अपने परिवार के लिए खेला। यह मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक है।' कोबोली की जीत से युगल मुकाबला खेलने की जरूरत नहीं पड़ी क्योंकि उन्होंने इटली को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

JOIN THE INDIAN AIR FORCE

DISHA INDIAN AIR FORCE

For Technical Branch aspirants: Aeronautical Engineering (Mechanical) & (Electronics)

An aspirant can join the Aeronautical Engineering branch of the Indian Air Force through any one of the following:

JOIN THE TECHNICAL BRANCH OF THE IAF

AIR FORCE COMMON ADMISSION TEST (AFCAT) 01/2026

Nationality: Indian
Gender: Men and Women
Marital Status: Unmarried

Age Limit:
20 to 26 years as on date of commencement of training.

EDUCATIONAL QUALIFICATIONS

AERONAUTICAL ENGINEER (ELECTRONICS) (AE(L))

Candidates with a minimum of 50% marks each in Physics and Mathematics at 10+2 level, MSc Electronics with a minimum of 50% marks with BSc in Physics with a minimum of 60% OR a minimum of four years degree graduation/integrated post-graduation qualification in Engineering/ Technology from recognized University OR cleared Sections A and B examination of Associate Membership of Institution of Engineers (India) or Aeronautical Society of India or Graduate membership examination of the Institution of Electronics and Telecommunication Engineers by actual studies with a minimum of 60% marks or equivalent in the following disciplines: Advanced Computer Application, Artificial Intelligence (AI) and Data Science, Artificial Intelligence and Machine Learning, Computer and Communication Engineering, Computer Science and Applied Mathematics, Computer Engineering, Computer Engineering (Software Engineering), Computer Engineering and Application, Computer Science and Design, Computer Networking, Computer Science and Engineering, Cyber Physical Systems, Computer Science, Computer Science and Engineering (Internet of Things and Cyber Security Including Block Chain Technology), Computer Science and Technology, Robotics and AI, Computer Science and Engineering (Internet of Things), Computer Science and Information Technology, Computer Science and Engg. (AI & Machine Learning), Computer Science and Engineering (Cyber Security), Computer Science and Systems Engineering, Computer Science and Engineering (Networks), Computer Science and Engineering (Data Science), Computer Science and Engineering (AI), Computer Technology, Electrical and Computer Engineering, Electronics and Computer Science, Electronics and Computer Engineering, Mathematics and Computing, Software Engineering, Information and Communication Technology, Information Engineering, Information Science and Engineering, Information Science and Technology, Information Technology, Information Technology and Engineering, Electrical and Electronics (Power System), Electrical and Electronics Engineering, Electrical Power Engineering, Electrical and Instrumentation Engineering, Electrical, Electronics and Power Engineering, Electrical and Mechanical Engineering, Electrical and Power Engineering, Electrical Engineering, Electrical Engineering (Electronics and Power), Electrical Engineering Industrial Control, Electrical Instrumentation and Control Engineering, Electrical, Electronics and Power, Electronics and Electrical Engineering, Electronics and Power Engineering, Electronic Engineering, Electronic Science and Engineering, Electronics, Electronics and Control Systems, Electronics Engineering (VLSI Design and Technology), Electronics Design Technology, Electronics Instrument and Control, Electronics Engineering, Electronics System Engineering, Electronics Technology, Optics and Optoelectronics, Power Electronics, Power Electronics Engineering, Radio Physics and Electronics, Advanced Communication and Information System, Advanced Electronics and Communication Engineering, Applied Electronics and Communications, Electronics and Communication (Communication System Engineering), Communication Engineering, Electronics and Communication Technology, Electronics and Communication Engineering, Electronics and Communication Engineering (Industry Integrated), Electronics and Tele-Communication Engineering, Electronics and Telecommunications Engineering, Electronics and Telecommunication, Electronics and Telecommunication Engineering, Electronics and Communication Engineering (Microwaves), Electronics Communication and Instrumentation Engineering, Electronics and Telematics Engineering, Telecommunication Engineering, Applied Electronics and Instrumentation Engineering, Automation and Robotics, Automation Engineering, Electronic Instrumentation and Control Engineering, Electronics and Instrumentation Engineering, Electronics Instrumentation and Control Engineering, Power Electronics and Instrumentation Engineering, Instrument Technology, Instrumentation, Instrumentation and Control Engineering, Instrumentation and Electronics, Instrumentation Engineering, Instrumentation Technology, Robotics and Automation.

AERONAUTICAL ENGINEER (MECHANICAL) (AE(M))

Candidates with a minimum of 50% marks each in Physics and Mathematics at 10+2 level and a minimum of four years degree graduation/integrated Post-graduation qualification in Engineering/Technology from a recognised University or cleared sections A and B examination of Associate Membership of Institution of Engineers (India) or Aeronautical Society of India by actual studies from a recognised University with a minimum of 60% marks or equivalent in disciplines including: Aero Space Engineering, Airline Management, Aeronautical Engineering, Mechanical Engineering (Industry Integrated), Mechanical Engineering (Automobile), Mechanical Engineering (Welding Technology), Mechanical and Mechatronics Engineering, Mechanical Engineering (Manufacturing Engineering), Mechanical Engineering, Mechanical Engineering Design, Mechanical Engineering (Repair and Maintenance), Power Engineering, Industrial and Production Engineering, Machine Engineering, Manufacturing Engineering, Manufacturing Engineering and Automation, Manufacturing Engineering and Technology, Manufacturing Process and Automation Engineering, Industrial Production Engineering, Manufacturing Science and Engineering, Manufacturing Technology, Mechanical Engineering (Production), Precision Manufacturing, Production and Industrial Engineering, Production Engineering, Automobile Engineering, Automotive Technology, Mechanical Engineering Automobile, Industrial Engineering, Mechanical and Automation Engineering, Mechanical and Mechatronics Engineering (Additive Manufacturing), Mechanical and Smart Manufacturing, Mechatronics, Mechatronics Engineering, Material Science and Technology, Metallurgical and Materials Engineering, Metallurgy and Material Technology, Advanced Mechatronics and Industrial, Automation.

Online test only for AFCAT entry for Ground Duty (Technical) and other branches
Registration dates ***changed from 10 Nov-09 Dec 2025 to 17 Nov-14 Dec 2025***
Aadhaar card is mandatory for online registration
For updates, follow us on
For more details refer to the Employment News dated 08 Nov 2025
To learn more about other branches and for detailed notifications and registration, please visit our official websites: careerairforce.gov.in and afcat.edcil.co.in.

'DISHA' Cell, Air Headquarters, Vayu Bhawan, Motilal Nehru Marg, New Delhi - 110106 Tel: 011-23013690 | Toll-free No.: 1800-11-2448 | E-mail: careeriniaf@gmail.com

cbc 10801/13/0022/2526

हाई कोर्ट ने संज्ञान आधारित जनहित याचिका पर पर दिए निर्देश

प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों के जजों व उनके परिवारों की सुरक्षा को गंभीरता से लें

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों के जजों व उनके परिवारों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अमले को गंभीरता बरतने के निर्देश दिए हैं। मामला घटना विशेष पर संज्ञान लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई से संबंधित है। राज्य शासन की ओर से उप महाधिवक्ता ने इस सिलसिले में राज्य शासन से दिशा-निर्देश प्राप्त करने समय चाहा। इस निवेदन को स्वीकार कर अगली सुनवाई चार दिसंबर को नियत कर दी गई।

उल्लेखनीय है कि 23 जुलाई, 2016 को मंदसौर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिला अदालत के न्यायाधीश राजवर्धन गुप्ता के साथ अशोभनीय घटना हुई थी। जिसे लेकर जांच के निर्देश जारी हुए थे। तत्कालीन रजिस्ट्रार जनरल ने जांच रिपोर्ट हाई कोर्ट में पेश की थी। इसी रिपोर्ट पर संज्ञान लेकर हाई कोर्ट जजों व उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सुनवाई कर रहा है।

पूर्व में जारी हुए थे दिशा-निर्देश

इस मामले में पूर्व में दिशा-निर्देश जारी किए गए थे कि कोर्ट परिसरों के चारों ओर पर्याप्त ऊंचाई की बाउंड्री बनाई जाए। कोर्ट परिसरों में पुलिस चौकियां स्थापित की जाएं। जजों के आवासीय परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाए।

जज आवास पर हमले व चोरी की नई घटनाओं पर जताई चिंता

हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अनूपपुर में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अमनदीप सिंह छाबड़ा के सरकारी आवास पर जमानत आवेदन निरस्त करने की वजह से हुए हमले पर चिंता जताई। इसी तरह कुछ जिला जजों के घरों पर चोरी की घटनाओं को भी गंभीरता से लेने पर बल दिया।

हाईकोर्ट ने कहा-मरीज मौत के बिस्तर पर है और अपनी जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा है

राज्य शासन की एनओसी के बिना अस्पताल किडनी ट्रांसप्लांटेशन की प्रक्रिया प्रारंभ करें

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि मरीज मौत के बिस्तर पर है और अपनी जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा है। लिहाजा, राज्य शासन की एनओसी के बिना अस्पताल किडनी ट्रांसप्लांटेशन की प्रक्रिया प्रारंभ करें। कोर्ट ने साफ किया कि यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि योग्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने याचिकाकर्ताओं की हेल्थ कंडीशन की जांच की है और वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि किडनी डोनेट की जा सकती है। बीना निवासी महिला मरीज व उसकी मित्र ने याचिका दायर की है। दोनों की मांग है कि किडनी ट्रांसप्लांटेशन के लिए सर्जरी का न्यायिक आदेश जारी किया जाए। इस मामले में हाई कोर्ट ने मांग पूरी करते हुए निर्देश जारी कर दिए। इसके बावजूद अधिकारी और हास्पिटल किडनी ट्रांसप्लांट के लिए याचिकाकर्ताओं के मामले पर विचार नहीं कर रहे हैं। वे राज्य शासन की एनओसी न मिलने को आधार बनाते हुए बाधक बने हैं। इस बीच याचिकाकर्ता मरीज की स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। वह प्रतिदिन डायलिसिस करा रही है। खास बात यह कि अपोलो अस्पताल, भोपाल किडनी ट्रांसप्लांटेशन के लिए तैयार है। किंतु उसे भी प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए न्यायिक आदेश की दरकार है। यह कमी पूरी होने के बाद मरीज की जान बचाई जा सकती है। हाई कोर्ट ने पूरे मामले को समझने के बाद आदेश पारित किया कि वर्तमान हालात को देखते हुए भले ही राज्य शासन की एनओसी नहीं है, फिर भी याचिकाकर्ताओं के बीच किडल ट्रांसप्लांटेशन के लिए सर्जरी प्रारंभ की जाए। आपरेशन से संभव है कि मरीज की जान बच जाए। इस प्रकरण में अविलंब कार्रवाई की अपेक्षा है, इसलिए राज्य को कोई और निर्देश लेने के लिए समय प्रदान नहीं किया जा सकता। हास्पिटल के अधिकारी चिकित्सक किडनी ट्रांसप्लांटेशन से जुड़ी सभी औपचारिकताओं जैसे किडनी मैचिंग वगैरह करने के लिए स्वतंत्र हैं। किडनी ट्रांसप्लांटेशन का आपरेशन याचिकाकर्ताओं के रिस्क पर किया जाएगा।

हाई कोर्ट से उचित मूल्य दुकान के विक्रेता को राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने शासकीय उचित मूल्य दुकान बड़ोखर, तहसील देवसर, जिला सिंगरौली के विक्रेता विजय प्रताप नामदेव को राहत दी है। कोर्ट ने निलंबन निरस्त करते हुए सेवा में बहाल किए जाने के निर्देश दिए हैं। शेष बचे निर्वाह भत्ता भुगतान के भी निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा व कौशलेंद्र सिंह ने दलील दी कि उपखंड अधिकारी देवसर व समिति प्रबंधक आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बर्गवा द्वारा एक वर्ष पूर्व निलंबन आदेश जारी किया था। 23 अक्टूबर, 2024 को खाद्यान्न वितरण में अनियमिता के आरोप पर निलंबित किया गया था। एक वर्ष पश्चात भी उसका निलंबन आदेश निरस्त नहीं किया गया, जबकि प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था कर्मचारी सेवा नियोजन के अनुसार किसी भी कर्मचारी का निलंबन अवधि तीन माह से अधिक नहीं होगा। आवेदक की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता को अनावश्यक ही एक वर्ष से अधिक समय तक निलंबित रखा गया है। उसे निर्वाह भत्ता भी बहुत कम दिया जा रहा है।

16 फीट लंबे, 70 वर्षीय मगरमच्छ की मौत, पीएम के बाद अंतिम संस्कार

खंदारी जलाशय का आकर्षण 'राजा' दुनिया से अलविदा

जबलपुर। खंदारी जलाशय में मौजूद रहने वाला 200 किलो वजन का मगरमच्छ राजा अब इस दुनिया में नहीं रहा। शुक्रवार की देर रात राजा की मौत हो गई। बताया जाता है कि राजा जलाशय का आकर्षण भी था और लोगों की भावनाओं से भी जुड़ा रहा। शनिवार की सुबह राजा का मृत शरीर पानी में उतराते मिला। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 200 किलो वजनी मगरमच्छ के मृत शरीर को निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद जलाशय के किनारे ही उसका अंतिम संस्कार किया गया। जानकारों के मुताबिक प्रदेश का सबसे उम्रदराज मगरमच्छ लगभग 70 वर्ष का था और उसकी लंबाई 16 फीट थी। बताया गया है कि घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम और वेटनरी डॉक्टरों के दल ने वहीं पर पोस्टमार्टम किया। इसके बाद जबलपुर डीएफओ और रेंजर की मौजूदगी में राजा का जलाशय के किनारे अंतिम संस्कार किया गया।

खंदारी जलाशय आने वालों के लिए राजा हमेशा आकर्षण का केंद्र रहा। दूर-दूर से लोग इसे देखने आते थे। अमूमन यह उसी स्थान पर रहता था जहां पर लोगों की भीड़ अधिक रहती थी। स्थानीय लोगों और नेचर पार्क कर्मियों के मुताबिक, एक सप्ताह से राजा दिखाई नहीं दे रहा था, जिसकी खोजबीन जारी थी।

पीएम रिपोर्ट के बाद होगा मौत का खुलासा

वन विभाग के एसडीओ आरके सोलंकी ने बताया कि संभवतः उम्र ज्यादा होने के कारण राजा की प्राकृतिक मृत्यु हुई है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही पता चल सकेगा। अंग्रेजों के शासन काल में लगभग सन 1883 में खंदारी जलाशय का निर्माण हुआ था। यह जलाशय कई वर्षों तक वन विभाग के अधीन था और 1956 के बाद नगर निगम के हैंड ओवर किया गया। यहां पर्यटकों के रुप में आने वाले लोगों को अब मगरमच्छ राजा नहीं दिखेगा, अभी तक आने वाले लोग बिना राजा को देखे चले जाए यह लगभग असंभव सा था।

संजीवनी नगर में वारदात, बीमार वृद्धा के घर चोरी

घर से ले गए 50 हजार, एटीएम से निकाल लिए 36 हजार

जबलपुर। संजीवनीनगर थाना अतंर्गत श्रीराम चंद्र मिशन आश्रम परिसर अंधुआ में एक वृद्ध महिला के दरवाजे की जाली काटकर अन्दर से चोरो ने चिटकनी खोली और घर के अंदर प्रवेश कर गए। बीमार वृद्धा घर में अकेली रहती है। इस बात की जानकारी शायद चारों को थी और उन्होंने रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। चोर अलमारी में रखे न केवल नगद 50 हजार रुपए चोरी कर ले गए और एटीमए कार्ड भी चोरी कर ले गए। वृद्धावस्था के कारण महिला ने भूलने और कमजोरी की वजय से एटीएम कार्ड में ही पासवर्ड लिखा था। चोरों ने पासवर्ड यूज करके बैंक के खाते में रखे 36 हजार रुपए भी निकाल लिए।

संजीवनीनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान नंबर बी/91 श्रीराम चंद्र मिशन आश्रम परिसर अंधुआ निवासी 92 वर्षीय श्रीमति सिंधु गडकरी अपने घर में अकेली रहती है तथा बीमार रहती है। जिनकी देखरेख उनकी भतीजी व उसका पति सिंचाई विभाग रिटायर्ड 72 वर्षीय सूर्यकांत केसकर करते है। गत रात करीब 10 बजे उनकी भतीजी अपने पति सूर्यकांत के साथ बुआ को देखकर अपने घर आ गई और सो गई। दूसरे दिन सुबह 8 बजे सूर्यकांत ने अपना मोबाइल देखा जिसमें बुआ सिंधु गडकरी का स्टेट बैंक आफ इंडिया का बैंक एकाउंट उसके मोबाइल नम्बर से लिंक है जिसमें मैसेज आये कि सिंधु गडकरी के एटीएम से 20 नवंबर को रात में आठ बार में खाते से कुल 36 हजार रूपये एटीएम से निकाले गये है इसके बाद सूर्यकांत बुआ सिंधु गडकरी के कमरे में पडौसी को लेकर गया जहां देखा कि अज्ञात चोर ने दरवाजे की जाली काटकर अन्दर से चिटकनी खोलकर अन्दर घुसकर आलमारी में रखे नगदी 50 हजार रूपये एवं एसबीआई का एटीएम चोरी कर ले गए। एटीएम के अन्दर पासवर्ड भी लिखा था जिससे अज्ञात चोर एकाउंट में रखे 36 हजार रूपये भी निकाल लिये है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

जुए के फड़ पर छापा मारकर चार जुआड़ियों को किया गिरफ्तार

जबलपुर। लार्डगंज पुलिस चौकी यादव कालोनी में एमआर 4 रोड दरयानी कोचिंग के पास टपने के पीछे चल रहे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 4 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उसके पास से नगद 6 हजार 600 रुपए जब्त किए है। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य ने बताया कि चौकी यादव कालोनी में मुखबिर की सूचना पर गत दिवस एमआर-4 रोड दरयानी कोचिंग के पास टपरे के पीछे जुआ मन्ना खेल रहे राकेश नोरया, माखन साहू, अमित सोनी और नीरज सेन को गिरफ्तार कर उनके पास से 52 ताश के पत्ते एवं नगद 6 हजार 600 रुपये जप्त करते हुये धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है।

जिले में स्कूली वाहनों पर आरटीओ की बड़ी कार्रवाई

35 वाहन जब्त, एलपीजी वैन पर लगने जा रहा पूर्ण प्रतिबंध

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जितेंद्र रघुवंशी द्वारा जिलेभर में स्कूली वाहनों की आकस्मिक जांच की गई। अभियान के दौरान नियमों की अनदेखी कर बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे 35 वाहनों को तत्काल प्रभाव से जब्त कर आरटीओ परिसर में खड़ा कराया गया। जब्त वाहनों में 2 स्कूल बसें, 15 ओमनी वैन तथा 18 ऑटो व ई-रिक्शा शामिल हैं। जांच में पाया गया कि कई वाहन बिना फिटनेस, बीमा और परमिट के चल रहे थे। कुछ वाहनों में अवैध एलपीजी किट, अतिरिक्त सीटें लगाने और बच्चों को ओवरलोड कर ले जाने जैसी गंभीर अनियमितताएँ भी सामने आईं। विभाग ने मौके पर ही सख्त रवैया अपनाते हुए संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अब एलपीजी फिटमेंट वाली मारुति वैनों को स्कूली परिवहन में पूरी तरह प्रतिबंधित करने की तैयारी है। इस संबंध में स्कूल प्रबंधन और वाहन मालिकों को सुधार के लिए एक माह की मोहलत दी गई है। आरटीओ कार्यालय द्वारा शहर के सभी स्कूलों को पत्र जारी कर यह निर्देश दिया जा रहा है कि वे केवल उन्हीं वाहनों को परिवहन की अनुमति दें जो सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हों। विभाग ने स्पष्ट कहा है कि जिले में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

1 लाख रुपयों से भरा बैग लूटकर भागे बाईकर्स

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत ग्राम बरगी रोड पर कल सुबह एक युवक से बाईक सवार दो लुटेरों ने 1 लाख रुपयों से भरा बैग छीना और भाग गए। पुलिस ने अपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले जा रहे है। सिहोरा थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया कि स्लीमनाबाद निवासी रामनारायण विश्वकर्मा घूम-घूमकर कोल्डड्रिंक्स एवं पानी बेचने का काम करता है। कल सुबह जब वह बाइक क्रमांक एमपी 21 एमएन 5054 में स्लीमनाबाद पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाकर सिहोरा के लिये निकला था, तभी सिहोरा में अपनी बहन के घर जाते समय सुबह 10 बजे ग्राम बरगी रोड पर रुका उसी दौरान एक बाइक में पीछे से 2 युवक आए और उसके थोड़ा आगे अपनी अपनी बाइक खड़ी कर ली। इसके बाद पीछे बैठा एक लड़का उतरकर उसके पास आया और खींचकर उसका बैग छीन ले गया। बैग में करीब 1 लाख 5 हजार रुपए थे। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

ईनोवा कार में की जा रही थी अवैध तस्करी

1 हजार 8 पाव देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। पाटन पुलिस ने ग्राम आरछा में पुलिया के पास आरछा-बेनीखेडा रोड पर अवैध शराब के कारोबार में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 1008 पाव देशी शराब और ईनोवा कार जब्त की है। पाटन थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि चौकी नुनसर से गत दिवस मुखबिर की सूचना पर इनोवा कार एमपी 21 बीए 0328 में शराब रखकर आ रहे शिव मंदिर के पास विवेक कालोनी कंचनपुर अधारताल निवासी 33 वर्षीय ब्रजेन्द्र शकवार को गिरफ्तार कर लिया हैं, वहीं पुलिस को देखकर गौरव चौहान और एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। कार की तलाशी लेने पर 1 हजार 8 पाव देशी शराब और कार जब्त की है। जब्त शराब की कीमत 1 लाख 800 रुपए की बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है। दो आरोपी फरार है।

धान उपार्जन व्यवस्थाओं की समीक्षा, एसडीएम को नियंत्रण सुदृढ़ करने के निर्देश

कलेक्टर सिंह ने सिहोरा व मझौली में किया वेयर हाउस का निरीक्षण

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सिहोरा और मझौली क्षेत्र का दौरा कर धान उपार्जन की व्यवस्थाओं का

मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने सिहोरा क्षेत्र के दीपमाला वेयरहाउस (गढ़चपा), भुवनपति वेयरहाउस (गौरहा) तथा मझौली तहसील के श्रीलक्ष्मी वेयरहाउस (बैहरकला) में उपार्जित धान के भंडारण की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि सभी वेयरहाउसों का नियंत्रण एसडीएम के पास रहे और अधिकारी नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने गोदामों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों और वाई-फाई एक्सेस को भी एसडीएम से लिंक करने तथा सभी गोदामों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सहित वेयरहाउस प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग

धान खरीदी केंद्रों पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

जबलपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पारदर्शिता और निगरानी को मजबूत करने के लिए अब सभी खरीदी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की रियल टाइम मॉनिटरिंग स्मार्ट सिटी के दमोह नाका स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से की जाएगी। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने सिहोरा और मझौली क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैमरे ऐसी जगह लगाए जाएं जहाँ से केंद्र की हर गतिविधि स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड हो। उन्होंने सीसीटीवी की ऑनलाइन मॉनिटरिंग का एक्सेस स्थानीय एसडीएम को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई हो सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गोदाम स्तरीय खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्रों की साफ-सफाई, परिसर के समतलीकरण और वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान चिन्हित करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने एक गोदाम में पूर्व से धान संग्रहित पाए जाने पर उसे तत्काल सील करने के निर्देश दिए। ऐसे गोदामों को खोलने की अनुमति केवल एसडीएम और तहसीलदार द्वारा तभी दी जाएगी जब संचालक वैध विक्रय पत्र और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240